धनबाद
गुरूवार 10.09.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-199 पृष्ठ- 12
भाद्रपद कृष्ण पक्ष-14
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

रेलवे के 7 हाई डेंसिटी नेटवर्क को मंजूरी, मोदी कैबिनेट का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में हुई कैबिनेट बैठक में बुधवार को कई अहम फैसले लिए गए. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने देश में सात रेलवे प्रोजेक्ट को फोन लेन करने की मंजूरी दी है. कोलकाता-दिल्ली, चेन्नई-कोलकाता, दिल्ली-मुंबई, मुंबई-चेन्नई, बिलासपुर-कटनी फोन लेन रेलवे ट्रैक को मंजूरी दी गई है. मुंबई हावड़ा हाई डेंसिटी नेटवर्क रूट पर खड़गपुर से झारसुगुड़ा तक ४ींह रेल लाइन को मंजूरी दी गई है. इसकी लंबाई ३६७ किमी है और इस पर ६५२८ करोड़ रुपये खर्च होंगे. अरकुनम से रेनिगुन्टा तक ३ीव और ४ींह लाइन को मंजूरी दी गई है, जिसकी लंबाई ७७ किमी होगी और इस पर १९३६ करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगें.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'आज की कैबिनेट बैठक में रेलवे के आधुनिकीकरण से जुड़े कुछ बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई है, जिस पर पिछले १२ सालों से काम चल रहा है. ये प्रोजेक्ट्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के पूरी तरह से कायाकल्प और आधुनिकीकरण से जुड़े हैं. वे सात हाई-डेंसिटी वाले रेलवे कॉरिडोर को चार-लेन और चार-ट्रैक वाला बनाने का काम कर रहे हैं. साथ ही कई अन्य कॉरिडोर पर भी काम हो रहा है, जिन पर भविष्य में भारी ट्रैफिक होने की उम्मीद है.'

केंद्रीय मंत्री ने बताया, 'दिल्ली से मुंबई, मुंबई से चेन्नई, चेन्नई से कोलकाता और कोलकाता से दिल्ली और फिर वापस मुंबई यह 'गोल्डन क्वाड्रिलैटरल' बनाता है. अब इसके दो डायगोनल हैं- दिल्ली से चेन्नई और मुंबई से कोलकाता. इसके अलावा दिल्ली से गुवाहाटी का रूट भी है. इस तरह, सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को चार-लेन का बनाया जा रहा है और सभी प्रोजेक्ट्स पर एक-एक करके काम चल रहा है. लगभग ४,००० किलोमीटर के लिए अभी उझठ तैयार की जा रही है.'

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ११,००० किलोमीटर के हाई-डेंसिटी कॉरिडोर में से सात कॉरिडोर ऐसे हैं जिन पर रेलवे का लगभग ४० फीसदी ट्रैफिक चलता है. उन्होंने कहा, 'इन कॉरिडोर में से करीब २,००० किलोमीटर का काम पहले ही पूरा हो चुका है और वहां चार लाइनें बिछा दी गई हैं. करीब ५,००० किलोमीटर पर काम चल रहा है या उन्हें मंजूरी मिल चुकी है. बाकी ४,००० किलोमीटर के लिए अंतिम मंजूरी मिलने की प्रक्रिया चल रही है. यह मैप आपको पूरे हाई-डेंसिटी नेटवर्क और उन सातों कॉरिडोर की एक समग्र तस्वीर दिखाता है, जो रेलवे के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं.'

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'झारसुगुडा के अलावा, छत्तीसगढ़ में भी ऐसे प्रोजेक्ट हैं जहां बहुत ज्यादा भीड़-भाड़ की समस्या है. वहां पिछले ५०-६० सालों से नेटवर्क का विकास नहीं हुआ था. उस पर काफी ध्यान नहीं दिया गया. पिछले १२ सालों में छत्तीसगढ़ में एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दी गई है, क्योंकि यह एक आदिवासी इलाका है और यहां के लोगों की कई उम्मीदें हैं, जिन्हें पूरा करना जरूरी है. यह आर्थिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है और देश की ऊर्जा सुरक्षा के नजरिए से भी यह इलाका बहुत अहम है.'

उन्होंने कहा, 'यहा मुख्य रूप से दो प्रोजेक्ट हैं. बिलासपुर से पेंड्रा ▶▶ 8

लाल किला विस्फोट मामले में बड़ा खुलासा, 13 आरोपियों के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली के लाल किला के बाहर हुए कार विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने बुधवार को १३ आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

जांच एजेंसी के मुताबिक, इस साजिश का मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी था, जिसने कार में बैठकर विस्फोट किया था। जांच में यह भी सामने आया कि हमले से पहले आरोपियों ने लाल किला इलाके की कई बार रेकी की थी।

एनआईए के आरोपपत्र के अनुसार, आरोपियों ने आतंकी साजिश को अंजाम देने के लिए इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित साधनों का इस्तेमाल किया। जसीर बिलाल वानी ने रॉकेट आधारित विस्फोटक उपकरण तैयार करने से जुड़ी जानकारी के लिए यूट्यूब और चैटजीपीटी पर खोज की थी। जांच एजेंसी का दावा है कि आरोपियों ने ऐसा उपकरण तैयार भी किया था और बाद में उसके कुछ टूटे हुए हिस्से अनंतनाग के काजीगुंड के जंगल से बरामद किए गए। आरोपपत्र में डॉ. आमिर राशिद मीर, जसीर बिलाल वानी, डॉ. मुजम्मिल शकील, डॉ. आदिल अहमद राथर, डॉ. शाहीन सईद समेत कई आरोपियों के नाम शामिल हैं। उमर उन नबी की मौत हो चुकी है, जबकि मुजफ्फर अहमद फरार बताया गया है। बाकी आरोपी जेल में हैं। जांच में आतंकियों द्वारा ड्रोन के इस्तेमाल की तैयारी का भी खुलासा हुआ है।

हिजबुल मुजाहिदीन का पूर्व आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने बुधवार को एक पूर्व हाइब्रिड आतंकी को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान मंजूर अहमद भट के रूप में हुई है। उसके पास से चीन में बनी एक पिस्तौल, दो मैगजीन और १६ गोलियां बरामद हुई हैं।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी को पहले भी दो मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। हंदवाड़ा पुलिस को प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े एक मॉड्यूल की गतिविधियों की जानकारी मिली थी। यह मॉड्यूल हंदवाड़ा-कुपवाड़ा इलाके में सक्रिय था।

हाइब्रिड आतंकी ऐसे कट्टरपंथी व्यक्ति को कहा जाता है, जिसका नाम आमतौर पर आतंकी सूची में शामिल नहीं होता। वह अपने हैंडलर्स के निर्देश पर किसी खास आतंकी या हिंसक गतिविधि को अंजाम देता है और फिर सामान्य जीवन में लौट जाता है।

16 को होगी सीएम के डिस्चार्ज पीटिशन पर सुनवाई

रांची (एजेंसी): सीएम हेमंत सोरेन के डिस्चार्ज पीटिशन पर अब १६ सितंबर को अगली सुनवाई होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाईं अंचल की ८.८६ एकड़ जमीन मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इसके बाद हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसे निचली अदालत ने खारिज कर दी थी। मुख्यमंत्री ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

भारत-जापान का वीर गार्जियन अभ्यास शुरु, एफ-2 लड़ाकू विमान आसमान में गरजेंगे

जोधपुर अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की गतिविधियों का बनेगा गवाह

जोधपुर (ईएमएस): भारतीय वायुसेना और जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच संयुक्त हवाई अभ्यास वीर गार्जियन २०२६ बुधवार से जोधपुर में शुरू हुआ। यह अभ्यास २२ सितंबर तक आयोजित होगा। इस अभ्यास का उद्देश्य भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है। जापान के एफ-२ लड़ाकू विमानों की भागीदारी इस अभ्यास में देखने को मिलेगी। जापानी एफ-२ लड़ाकू विमानों को मौजूदगी भी इस अभियान को खास बनाती है। दोनों देशों के वायु योद्धा यहां एक-दूसरे के ऑपरेशनल तौर-तरीकों को समझने के साथ-साथ संयुक्त अभियानों के दौरान बेहतर समन्वय विकसित करेंगे।

यह 'वीर गार्जियन' का दूसरा संस्करण है। अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए जापानी वायुसेना की टुकड़ी पहले ही जोधपुर पहुंच गई है। जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के दो सी-२ परिवहन विमान जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर उतरे। इनके पहुंचने के साथ ही जापानी दल ने अभ्यास में अपनी भागीदारी शुरू की। वायुसेना के मुताबिक वीर गार्जियन २०२६ के दौरान दोनों देशों की वायु सेनाएं कई हवाई अभियानों और ऑपरेशनल गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों वायु सेनाओं के बीच ऑपरेशनल तालमेल, युद्धक क्षमताओं और आपसी समझ को बेहतर बनाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जोधपुर का आसमान आने वाले दिनों में भारत और जापान के अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की गतिविधियों का गवाह बनेगा। जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के एफ-२ लड़ाकू विमान भी इस अभ्यास में भाग लेंगे। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान इनके साथ संयुक्त हवाई अभियानों का अभ्यास करेंगे। अभ्यास में पायलटों और वायुसेना के कर्मियों को अलग-अलग ऑपरेशन व परिस्थितियों में साथ काम करने का अवसर मिलेगा। इससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच संयुक्त रूप से प्रभावी ढंग से अभियान चलाने की क्षमता और मजबूत होगी।

भारतीय वायुसेना और जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच 'वीर गार्जियन' अभ्यास दोनों देशों के बढ़ते रक्षा और रणनीतिक सहयोग का अहम हिस्सा है। नियमित सैन्य अभ्यासों के जरिए दोनों देश एक-दूसरे के अनुभव, तकनीक और परिचालन क्षमताओं ▶▶ 8

राज्यपाल ने नीलांबर-पितांबर विवि के कुलपति के सारे अधिकार सीज किए, इस्तीफा देने का आदेश

रांची (एजेंसी): राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने नीलांबर-पितांबर विश्व विद्यालय मेदिनीनगर के कुलपति दिनेश कुमार सिंह के सारे प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार सीज कर लिए हैं। इतना ही नहीं राज्यपाल ने दिनेश कुमार सिंह को तत्काल कुलपति पद से इस्तीफा देने का निर्देश दिया है। राज्यपाल को दिनेश कुमार सिंह के बारे में लगातार शिकायतें मिल रही थी।

राज्यपाल ने शिकायतें मिलने के बाद विशेष ऑडिट कराया। ऑडिट में वित्तीय अनियमितता करने के आरोप सही पाए गए। ऑडिट में कुलपति पर करोड़ों रुपए की हेराफेरी करने की पुष्टि हुई है। इसके अलावा परीक्षा नियंत्रक और कई अन्य अधिकारियों के विरुद्ध भी मामला प्रकाश में आया है। यहां मालूम हो कि दिनेश कुमार सिंह की फरवरी २०२५ में कुलपति पद पर नियुक्ति हुई थी।

मंत्री सतीश जारकीहोली के ठिकानों पर ईडी रेड

बेंगलुरु (ईएमएस): प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली, उनकी बेटी और सांसद प्रियंका जारकीहोली समेत कुछ अन्य लोगों से जुड़े १८ ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी विदेशों में अवैध तरीके से पैसे भेजे जाने से जुड़े लेनदेन की जांच कर रही है।

एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पैसा कहां से आया और विदेश तक कैसे पहुंचा। ईडी ने कुछ इनपुट के आधार पर सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर एक साथ कई जगहों पर तलाशी शुरू की। इनमें सतीश जारकीहोली और उनकी बेटी से जुड़े परिसर भी शामिल हैं। टीमों ने दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले। प्रियंका चिक्कोडी लोकसभा सीट से सांसद हैं।

कोलकाता में 919 होटल-गेस्ट हाउस बंद करने का नोटिस

अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कार्रवाई, 960 प्रतिष्ठानों की जांच में सिर्फ 41 मिले नियमों के अनुरूप

कोलकाता (ईएमएस): अनिवार्य अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर कोलकाता में ९१९ होटल और गेस्ट हाउस को अस्थायी रूप से बंद करने के नोटिस जारी किए गए हैं। राज्य अग्निशमन सेवा विभाग, कोलकाता नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने अब तक करीब ९६० प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया है। इनमें केवल ४१ में आवश्यक अग्नि सुरक्षा इंतजाम मानकों के अनुरूप पाए गए।

अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि १९ अगस्त को मध्य कोलकाता की मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित 'शिखा इन' गेस्ट हाउस में भीषण आग लगने के बाद जांच अभियान तेज किया गया था। इस हादसे में सात बांग्लादेशी नागरिकों समेत नौ लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद शहर के होटल और गेस्ट हाउस में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच शुरू की गई। जिन प्रतिष्ठानों को नोटिस दिया गया है, उन्हें निर्धारित मानकों के मुताबिक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी। इसके बाद अग्नि सुरक्षा नवीनीकरण प्रमाणपत्र हासिल कर नए सिरे से लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा।

टीएमसी ने किया अदालत का रुख

अधिकारियों के अनुसार शहर में करीब ३,७०० होटल और गेस्ट हाउस हैं और जांच अभियान अभी जारी रहेगा। इसी बीच पिछले सप्ताह ▶▶ 8

विदेशी कोर्ट द्वारा एकतरफा तलाक, भारत की अदालतों में मान्य नहीं

अमेरिकी कोर्ट ने पति की गैर-मौजूदगी में विवाह खत्म करने का दिया था आदेश

नई दिल्ली (ईएमएस): साकेत स्थित फैमिली कोर्ट ने साफ कर दिया है कि यदि किसी विदेशी अदालत द्वारा एकतरफा कार्यवाही में तलाक दिया गया हो और भारतीय पति या पत्नी को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर न मिला हो, तो ऐसे फैसले भारत की अदालतों में निर्णायक या लागू करने योग्य नहीं माने जाएंगे। यह फैसला उन भारतीयों के लिए एक मिसाल कायम करता है जो विदेशी धरती पर वैवाहिक विवादों का सामना कर रहे हैं, विशेषकर जब वे अपने संवैधानिक अधिकारों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों से वंचित किए जाते हैं।

फैमिली कोर्ट की जज पूर्वा सरीन ने यह टिप्पणी एक ऐसे मामले में की जिसमें पत्नी ने अमेरिका की एक फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की थी। अमेरिकी कोर्ट ने पति की गैर-मौजूदगी में विवाह को समाप्त करने का आदेश दिया था। तलाक का आधार शादी का पूरी तरह टूट जाना बताया गया था। साकेत कोर्ट ने साफ किया कि भारत में केवल यह कहना कि पति-पत्नी का रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है, अपने आप में तलाक का वैधानिक आधार नहीं है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि शादी पूरी तरह टूट जाने के आधार पर तलाक देने की शक्ति सामान्य फैमिली कोर्ट के पास नहीं है। यह शक्ति केवल सुप्रीम कोर्ट के पास विशेष परिस्थितियों में निहित है, जिसका अर्थ यह नहीं कि भारत की निचली अदालतें इसी आधार को सामान्य तलाक का आधार मान लें।

बता दें दंपति ने २० दिसंबर २०१५ को साकेत स्थित आर्य समाज मंदिर में शादी की थी, जिसका पंजीकरण बाद में जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय में कराया गया। कुछ समय बाद दोनों के बीच मतभेद बढ़ने लगे और पत्नी अमेरिका चली गई, जहां उसने तलाक की कार्यवाही शुरू की। उसने अमेरिकी अदालत से तलाक के साथ-साथ बच्चे की कस्टडी और गुजारा भत्ता भी मांगा। पति ने भारत में फैमिली कोर्ट का रुख करते हुए वैवाहिक अधिकारों की बहाली की ▶▶ 8

दिल्ली बिल्डिंग हादसाः सत्य निकेतन में हत्या हुई : अखिलेश सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इस घटना को लेकर हत्या जैसे शब्द का प्रयोग किया है. उन्होंने बाढ़ पर भी सम्राट सरकार को घेरा है.

कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि सरकार को बाढ़ प्रभावित लोगों के दुख-दर्द में उनके साथ खड़ा होना चाहिए और उनकी मदद करनी चाहिए, न कि उन्हें नजरअंदाज करना चाहिए. राज्य में बाढ़ से १४ जिलों के ४० लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं.

अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, सरकार संवेदनहीन हो गई है. सरकार को लोगों के दुख में उनकी मदद करनी चाहिए, न कि नजरअंदाज करना चाहिए. उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और सहायता पहुंचाने की जरूरत पर जोर दिया. बिहार में गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, गंगा, पुनपुन, बागमती और घाघरा समेत कई नदियां अलग-अलग स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं.

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत ढहने की घटना पर भी कांग्रेस सांसद ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, वो तो एक तरह की हत्या है, हत्या हुई है. उन्होंने इस घटना को गंभीर बताते हुए जिम्मेदारी तय किए जाने की जरूरत की ओर इशारा किया. राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ▶▶ 8

कर्नाटक एसआईआर में वैज्ञानिक सीएनआर राव को नोटिस

बेंगलुरू (ईएमएस): कर्नाटक में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद वैज्ञानिक सीएनआर राव को नाम में गड़बड़ी के मामले में नोटिस जारी किया गया है। पुराने रिकॉर्ड में उनका नाम प्रोफ सीएनआर राव है, जबकि नए रिकॉर्ड में प्रोफ्फ सीएनआर राव लिखा है। नोटिस में उन्हें इस मामले को सुलझाने के लिए बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में सुनवाई के लिए पेश होने को कहा गया है। हालांकि, राव के कार्यालय ने कहा कि उन्हें अब तक कोई नोटिस नहीं मिला है। नोटिस ऑनलाइन जारी किया गया है, लेकिन उन्होंने इसे देखा नहीं है। राव को २०१४ में भारत रत्न से सम्मानित किया जा चुका है। कर्नाटक में एसआईआर १७ अगस्त को खत्म हुआ। इसके बाद २४ अगस्त को ड्राफ्ट रोल जारी हुआ, जिसके तहत २३ सितंबर तक आपत्तियां और नोटिस सुनवाई चलेगी।

तिब्बत में तबाही की आहट : 2 घंटे में दो भूकंप, भारत में भी हिली धरती

नई दिल्ली (ईएमएस): बुधवार की सुबह तिब्बत, नेपाल और भारत में भूकंप का असर दिखाई दिया है। बता दें कि नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, आज सुबह ठीक ५ बजकर ३३ मिनट पर धरती कांप उठी, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर ४.३ मापी गई और इसका केंद्र जमीन से लगभग १२१ किलोमीटर की गहराई में था। इसके करीब दो घंटे बाद, सुबह ७ बजकर २३ मिनट पर एक बार फिर से झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता थोड़ी कम होकर ३.१ दर्ज की गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ३ सितंबर, २०२६ को भी तिब्बत क्षेत्र में ५.० से ५.१ तीव्रता का एक वास्तविक भूकंप दर्ज किया गया था।

तिब्बत में हाल ही में ग्लेशियर टूटने की भयावह घटना के बाद, जहाँ बनी-बनाई इमारतें सेकंड्स में ढह गईं और १२०० से अधिक लोगों की मौत हुई थी, अब धरती एक बार फिर कांप उठी है। आज सुबह तिब्बत क्षेत्र में दो घंटे के भीतर लगातार दो भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे क्षेत्र में एक नई तबाही की ▶▶ 8

15 से तबादले के लिए आवेदन कर पाएंगे झारखंड के 48,000 प्राथमिक शिक्षक, पोर्टल शुरू

रांची (एजेंसी): झारखंड में लंबे समय के लिए अनुकूल स्थान पर तबादले के लिए इंतेजार कर रहे प्राथमिक शिक्षकों के लिए ये सुनहरा अवसर है। मिली खबर में बताया गया है कि शिक्षा विभाग ने इसके लिए नया ऑनलाइन ट्रांसफर पोर्टल तैयार कर लिया है। १५ सितंबर के बाद शिक्षक इस पोर्टल के माध्यम से तबादले के लिए आवेदन कर सकेंगे। विभाग फिलहाल पोर्टल के सिक्योरिटी ऑडिट की प्रक्रिया पूरी करने में जुटा है। नई व्यवस्था के तहत शिक्षक अपने जिले के भीतर ही नहीं, बल्कि दूसरे जिले में भी तबादले का अनुरोध कर सकेंगे। इससे उन शिक्षकों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से अपने गृह जिले, घर के आसपास या अपनी पसंद के स्कूल में पदस्थापन का इंतजार कर रहे हैं।

अप्रैल में तैयार हुआ नया पोर्टल

शिक्षा विभाग ने तबादले की प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए नया पोर्टल तैयार किया है। यह पोर्टल अप्रैल में ही बनकर तैयार हो गया था, लेकिन सिक्योरिटी ऑडिट पूरा नहीं होने के कारण इसे शुरू नहीं किया जा सका। अब ऑडिट अंतिम चरण में है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक अगले दस दिनों में पोर्टल शुरू हो सकता है। इससे पहले २०१९ और २०२२ में भी शिक्षकों के तबादले के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार किए गए थे। हालांकि टेस्टिंग के दौरान तकनीकी समस्याओं के कारण दोनों बार प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी थी। इस बार विभाग ने पुराने अनुभवों को ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था तैयार की है।

इन शिक्षकों को मिलेगी प्राथमिकता

तबादले की प्रक्रिया में कुछ श्रेणियों के शिक्षकों को प्राथमिकता दिए जाने का प्रावधान है। इनमें-

असाध्य बीमारी से पीड़ित शिक्षक

पति-पत्नी दोनों के सरकारी कर्मचारी होने की स्थिति।

५० वर्ष से अधिक उम्र की महिला शिक्षिका।

समान पद और विषय वाले शिक्षकों का आपसी सहमति से म्युचुअल तबादला शामिल हैं।

संपादकीय

पीजी -दड़बे की हकीकत कब होगी बेनकाब?

देश की राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक पीजी होस्टल की जर्जर इमारत के अचानक ढह जाने और उसमें पांच छात्रों सहित सात लोगों की मौत की घटना ने न सिर्फ अभिभावकों को हिला दिया है, बल्कि इसने दिल्ली में सुरक्षा इंतजामों, बिल्डिंग परमिशन व जांच में भारी भ्रष्टाचार तथा पीजी के नाम पर चल रहे दड़बों की हकीकत को भी बेनकाब कर दिया है। असमय मौत का शिकार होने वाले दो बच्चे मप्र के भी हैं। जिन मां बाप ने अपने बच्चों को इस भीषण हादसे में खो दिया है, उनके दुख की कोई भरपाई नहीं कर सकता। इन बच्चों का दोष केवल इतना था कि वो दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के कॉलेजों के विद्यार्थी थे और कॉलेज के पास होने की वजह से अमानवीय परिस्थिति के बावजूद इन पीजी (पेइंग गेस्ट) में रह रहे थे। इन पीजी की वास्तविकता की जो तस्वीर अब उजागर हो रही है, वह हिला देने वाली है। छोटा सा कमरा, जिसमें रोशनी, पानी जैसी सुविधाएं तक नहीं, में किसी तरह बच्चे रह रहे हैं और इनके बदले भी मोटी फीस वसूली जा रही है।

लोग देने को मजबूर हैं, क्योंकि दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कॉलेजों में पर्याप्त होस्टल सुविधा ही नहीं है। जिसका नाजायज लाभ ये पीजी मालिक भरपूर उठा रहे हैं। सरकारी तंत्र और नेता इतने भ्रष्ट हैं कि सबने इसको लेकर आंखें मूंदी हुई हैं। मीडिया में भी इन बातों का पहले कभी जिक्र ज्यादा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि इन पीजी में रहने वाले बच्चे दिल्ली से बाहर के होते हैं, उनका लोकल कांटेक्ट नहीं होता। दूसरे पीजी मालिक इन्हें भावनात्मक रूप से भी दबाते रहते हैं, जिसकी वजह से वो मुंह नहीं खोल पाते। सत्य निकेतन इलाके में जो इमारत गिरी, उसके पीछे वजह भी अवैध तरीके से बेसमेंट में निर्माण कार्य कराना था, जिसकी वजह से आधार के पिलर ही धंस गए। इस पूरे मामले में कई सवाल उठ रहे है। जैसे कि क्या मरम्मत शुरू करने से पहले इमारत की सुरक्षा जांच हुई थी? दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि बेसमेंट 1 हमें खुदाई का काम चल रहा था और इसी दौरान एक पिलर खिसक गया, जिसके बाद पूरी इमारत गिर गई। स्थानीय लोगों ने भी बताया कि बेसमेंट में पानी जमा होता था और वहां काम चल रहा था। मरम्मत शुरू करने से पहले क्या किसी क़ाबिल इंजीनियर से उसकी स्ट्रक्चरल जांच कराई गई थी? दूसरा, क्या इमारत का निर्माण मंजूर नक्शे के मुताबिक हुआ था? इस मामले में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सवालों के घेरे में है। तीसरे, क्या इस इमारत को पीजी के तौर पर चलाने की अनुमति थी? चौथा क्या इमारत में आपात स्थिति से बचने के पर्याप्त इंतज़ाम थे? पांचवां अगर इलाके में पहले से ऐसी समस्याएं थीं, तो एमसीडी को पता क्यों नहीं चला?

यदि वहां निर्माण नियमों का उल्लंघन हो रहा तो उसे समय रहते क्यों नहीं रोका गया? अब हादसे के बाद कहा जा रहा है कि दिल्ली की सभी इमारतों का सुरक्षा ऑडिट होगा। लेकिन यह ऑडिट भी कैसा होगा, यह समझा जा सकता है। क्योंकि एमसीडी ने इस साल की शुरूआत में किए एक सर्वे में 27 लाख 84 हजार 286 इमारतों का सर्वे किया गया, जिनमें से केवल 19 खतरनाक पाई गई थीं। इस मामले में तात्कालिक खानापूर्ति ज्यादा होती दिखाई दे रही है। हालांकि अदालत भी इस घटना को लेकर सख्त है। इस बीच पुलिस ने बिल्डिंग मालिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

विविधता का दावा करने वाले देश में क्यों असुरक्षित हैं पूर्वोत्तर के नागरिक?

भारत की विविधता को उसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक माना जाता रहा है। अलग-अलग भाषा, संस्कृति, खान-पान और जीवनशैली के बावजूद देश की एकता कायम है। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों को आज भी देश के कई हिस्सों में भेदभाव, उपेक्षा और यहां तक कि हिंसा का सामना करना पड़ता है। उनकी अलग भौगोलिक और सांस्कृतिक पहचान को लेकर बने पूर्वाग्रह और गलत धारणाएं इस समस्या को और गंभीर बनाती हैं। दिल्ली में मणिपुरी संगीतकार

चोंगथाम विक्रम सिंह की हत्या को भी इसी धारणा से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे एक बार फिर यह सवाल उठ रहा है कि क्या दिल्ली जैसे महानगरों की चकाचौंध में नागरिकों की सुरक्षा का मसला हाशिये पर चला गया है। निश्चित तौर पर यह सरकार और कानून-व्यवस्था की नाकामी का भी प्रश्न है, क्योंकि देश की राजधानी होने के बावजूद यहां बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के दावे अक्सर खोखले साबित होते हैं। गौरतलब है कि दिल्ली की सनलाइट कालोनी में बीते रविवार की रात को मणिपुरी संगीतकार विक्रम सिंह ने अपने घर के पास कुछ लोगों को शराब पीकर हंगामा और शोर मचाने से रोकने की कोशिश की थी। इसी से गुस्साए लोगों ने उनसे मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गई। यों हर अपराध कानून-व्यवस्था की विफलता का सूचक है, लेकिन जब कोई पीड़ित देश के पूर्वोत्तर राज्य से हो, तब ऐसी घटना को एक व्यापक सामाजिक संदर्भ में देखा जाता है। पूर्वोत्तर राज्यों के लोग अक्सर यह शिकायत करते रहे हैं कि दिल्ली सहित देश के अनेक शहरों में उन्हें केवल शक्ल-सूरत, भाषा, खान-पान और जीवन-शैली के कारण पूर्वाग्रहों से भरी दृष्टि से देखा जाता है। इस क्षेत्र के लोगों पर किसी दूसरे प्रदेश में नस्लीय दुराग्रहों की वजह से हमले या उनकी हत्या के मामले भी अक्सर सामने आते रहे हैं। भेदभाव की यह प्रवृत्ति न केवल ऐसे पूर्वाग्रह पालने वालों की सोच पर सवाल उठाती है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता की भावना को भी चोट पहुंचाती है। इसलिए हत्या की इस वारदात की जांच निष्पक्ष तरीके से की जानी चाहिए और इसमें यह भी देखना जरूरी है कि क्या इसके पीछे किसी तरह का भेदभाव या इससे उपजी पूर्वाग्रह की मानसिकता तो नहीं थी!

आज का कार्टून

'मार से सुधार' की मानसिकता कब खत्म होगी

श्रवण कुमार

अनुशासन के नाम पर हिंसा, मानसिक उत्पीड़न और विद्यालयों की जवाबदेही पर अब यह सवाल जरूरी है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था बच्चों को आखिर क्या दे रही है- ज्ञान या भय? हाल ही में विशाखापत्तनम के एक स्कूल में एक बच्चे की मौत ने इस सवाल को बेहद कड़वी सच्चाई में बदल दिया है। खबरों के अनुसार, बच्चे के परिवार ने आरोप लगाया कि गृहकार्य पूरा न करने पर शिक्षक ने उसे थप्पड़ मारा। सामने आए वीडियो में शिक्षक बच्चे को डांटते और थप्पड़ मारते हुए दिख रहा है। इस घटना के बाद बच्चा कक्षा में गिर पड़ा और अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार जरूर किया गया, लेकिन बच्चे की मृत्यु का अंतिम सच जांच और पोस्टमार्टम के निष्कर्षों से ही तय होगा। सवाल है कि क्या किसी बच्चे को शिक्षा देने के नाम पर थप्पड़ मारना चाहिए?

इसके बाद दिल्ली में ग्यारह वर्षीय एक छात्रा से जुड़ी घटना ने भी स्कूलों में बच्चों के साथ व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया कि स्कूल में शिक्षक द्वारा प्रताड़ित किए जाने के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ी और बाद में उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस और उपलब्ध जानकारी के अनुसार कहा गया कि बच्ची को पहले से ही गंभीर बीमारी थी। सत्य तो जांच के बाद पता चलेगा, लेकिन स्कूलों में बच्चों की शारीरिक और मानसिक पीड़ा को पर्याप्त गंभीरता से लिया जाना जरूरी है।

भारत में बच्चों को शारीरिक दंड से बचाने के लिए कानून मौजूद है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा-17 बच्चे को शारीरिक सजा और मानसिक उत्पीड़न स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करती है। इसी कानून में विद्यालयों के मानकों, शिक्षकों के कर्तव्यों और शिकायतों के निवारण से संबंधित प्रावधान भी हैं। इसके बावजूद स्कूलों में 'मार से सुधार' की संस्कृति अभी तक पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

हमारे समाज में अनुशासन और सजा को लंबे समय तक एक-दूसरे का पर्याय समझा गया। 'हमारे जमाने में मास्टर मारता था', 'एक थप्पड़ से बच्चा सीधा हो जाता है', 'बच्चे में थोड़ा डर जरूरी है', ये वाक्य सामान्य बातचीत में आज भी सुनाई देते हैं। मगर आधुनिक बाल मनोविज्ञान और बाल अधिकार की अवधारणा ने इस सोच को चुनौती दी है।

बच्चे की भावनात्मक संरचना अलग है। शिक्षक की डांट उसके लिए उतनी ही बड़ी घटना हो सकती है, जितनी किसी वयस्क के लिए सार्वजनिक अपमान। शिक्षक का एक थप्पड़ शायद उसके लिए पांच मिनट की घटना हो, लेकिन बच्चे के लिए वह महीनों तक चलने वाला भय बन सकता है।

नवंबर, 2025 में महाराष्ट्र में छठी कक्षा की एक छात्रा की मौत से जुड़ा मामला भी देश का ध्यान खींच चुका है। उस घटना में परिवार ने आरोप लगाया था कि स्कूल देर से पहुंचने पर बच्ची को सौ बार उठक-बैठक करने की सजा दी गई। परिवार ने दावा किया कि इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ी और इलाज के दौरान

उसकी मौत हो गई। इस मामले में शिक्षक की गिरफ्तारी हुई। यहां अहम प्रश्न यह है कि स्कूल में किसी बच्चे को सजा देने के लिए शारीरिक प्रताड़ना का इस्तेमाल आखिर किस शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा है? देर से आने की गलती का समाधान संवाद हो सकता है।

समय-प्रबंधन सिखाया जा सकता है। अभिभावकों से संवाद किया जा सकता है, लेकिन शरीर को सजा देने का औजार बना देना किस प्रकार का अनुशासन है? चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों ने भी चेताया है कि बच्चों से अचानक और असामान्य रूप से कठोर शारीरिक गतिविधि कराना जोखिमपूर्ण हो सकता है।

अगस्त, 2024 में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक छात्रा की आत्महत्या से जुड़े मामले में शिक्षक की याचिका खारिज करते हुए स्कूल में शारीरिक हिंसा पर महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा कि शिक्षा या अनुशासन के नाम पर बच्चे के साथ शारीरिक हिंसा क्रूरता है और बच्चे को संवेदनशीलता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। यह टिप्पणी केवल किसी एक मामले के संदर्भ में नहीं देखी जानी चाहिए। यह उस बुनियादी सिद्धांत की पुनर्पुष्टि है कि बच्चे पर शिक्षक का अधिकार उसकी गरिमा से ऊपर नहीं हो सकता।

शिक्षक को कक्षा में अनुशासन लाने का अधिकार है, लेकिन बच्चे की गरिमा छीनने का अधिकार नहीं। विद्यालय को व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता है, लेकिन भय पैदा करके व्यवस्था कायम करना शिक्षा नहीं है। स्कूलों में हिंसा का अर्थ केवल शारीरिक चोट तक सीमित नहीं है। कक्षा में बच्चे को सबके सामने अपमानित करना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, जाति या सामाजिक पृष्ठभूमि पर टिप्पणी करना, लगातार उसे 'नालायक' कहना, पूरी कक्षा के सामने खड़ा कर देना, धमकाना या अलग-थलग करना भी बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की स्कूल सुरक्षा संबंधी सामग्री भी सकारात्मक व्यवहार, बच्चों की भागीदारी, समस्या के मूल कारण को समझने और सजा के स्थान पर सकारात्मक अनुशासन पर जोर देती है। आयोग ने स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के लिए नियमावली और विस्तृत दिशानिर्देश उपलब्ध कराए हैं।

हम शिक्षक से विषय का विशेषज्ञ होने की अपेक्षा करते हैं। गणित का शिक्षक गणित जानता हो, विज्ञान शिक्षक विज्ञान जानता हो, भाषा शिक्षक भाषा का अच्छा ज्ञान रखता हो, यह स्वाभाविक है। लेकिन क्या हर शिक्षक को यह पता है कि छह वर्ष के बच्चे का व्यवहार कैसा होता है? क्या उसे पता है कि किसी बच्चे के लगातार गृहकार्य न करने के पीछे पारिवारिक तनाव, सीखने में कठिनाई, ध्यान संबंधी समस्या या कोई भावनात्मक वजह हो सकती है? क्या शिक्षक को यह प्रशिक्षण दिया जाता है कि गुस्से में प्रतिक्रिया देने के बजाय कक्षा को कैसे संभालना है

यही वह क्षेत्र है जहां शिक्षक प्रशिक्षण की गंभीरता सामने आती है। कक्षा प्रबंधन हिंसा से नहीं, कौशल से आता है। बच्चों को डराना आसान है। उन्हें समझना कठिन है। अच्छा शिक्षक वही है जो कठिन रास्ता चुनता है। हर घटना के बाद केवल शिक्षक को निलंबित कर देना सबसे आसान तरीका है। इससे तत्काल जन आक्रोश शांत हो सकता है, लेकिन समस्या समाप्त नहीं होती।

भारत में शिक्षा का निजीकरण बढ़ा है। स्कूलों की फीस, सुविधाएं और परिणामों की चर्चा खूब होती है। मगर बच्चे के अधिकारों की चर्चा अपेक्षाकृत कम होती है। अभिभावक फीस देते हैं, लेकिन बच्चा स्कूल में कोई 'ग्राहक' नहीं है। वह भी अधिकार संपन्न नागरिक है। उसकी गरिमा है। उसकी आवाज है। उसका मानसिक स्वास्थ्य है। सुरक्षा का अधिकार है। विद्यालय का दायित्व केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं है। उसका दायित्व ऐसा वातावरण बनाना है जिसमें बच्चा प्रश्न पूछ सके, गलतियों से सीख सके और अपनी बात कह सके।

जिस कक्षा में गलती करने से बच्चा डरता है, वहां सीखने की प्रक्रिया आधी मर चुकी होती है। शिक्षा का सबसे बुनियादी पैमाना यह होना चाहिए कि क्या हमारा बच्चा सुबह स्कूल जाते समय खुश है या नहीं? क्या गृहकार्य की एक कापी बच्चे के जीवन से बड़ी हो सकती है? ये कुछ सवाल हैं जिनका हमें सामना करना होगा।

भारत में शिक्षा का निजीकरण बढ़ा है। स्कूलों की फीस, सुविधाएं और परिणामों की चर्चा खूब होती है। मगर बच्चे के अधिकारों की चर्चा अपेक्षाकृत कम होती है। अभिभावक फीस देते हैं, लेकिन बच्चा स्कूल में कोई 'ग्राहक' नहीं है। वह भी अधिकार संपन्न नागरिक है। उसकी गरिमा है। उसकी आवाज है। उसका मानसिक स्वास्थ्य है। सुरक्षा का अधिकार है। विद्यालय का दायित्व केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं है। उसका दायित्व ऐसा वातावरण बनाना है जिसमें बच्चा प्रश्न पूछ सके, गलतियों से सीख सके और अपनी बात कह सके। जिस कक्षा में गलती करने से बच्चा डरता है, वहां सीखने की प्रक्रिया आधी मर चुकी होती है। शिक्षा का सबसे बुनियादी पैमाना यह होना चाहिए कि क्या हमारा बच्चा सुबह स्कूल जाते समय खुश है या नहीं? क्या गृहकार्य की एक कापी बच्चे के जीवन से बड़ी हो सकती है? ये कुछ सवाल हैं जिनका हमें सामना करना होगा।

स्कूली किताबों ने खोली जिम्मेदारियों की नई राह

वंदना तिवारी

हमारे समाज में लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि घर का काम मुख्य रूप से महिलाओं की जिम्मेदारी है और बाहर जाकर कमाना पुरुषों का दायित्व। मगर बदलते समय के साथ परिवार की यह तस्वीर तेजी से बदल रही है। जब कक्षा छह के सामाजिक विज्ञान के एक पाठ में बच्चों से पूछा गया कि 'क्या पिता खाना बना सकते हैं' और 'क्या मां घर के बाहर काम कर सकती हैं', तो चर्चा केवल एक पाठ तक सीमित नहीं रही।

बातचीत बच्चों को परिवार, जिम्मेदारी और साझेदारी के नए अर्थ समझाने लगी। दरअसल, बच्चे परिवार और समाज को देखकर ही स्त्री और पुरुष की भूमिकाओं को समझना शुरू करते हैं। अगर वे बचपन से यह देखते और सुनते हैं कि घर का काम केवल महिलाओं की जिम्मेदारी है और बाहर जाकर कमाना केवल पुरुषों का दायित्व है, तो यही धारणाएं उनके भीतर सामान्य और स्वाभाविक मान्यता के रूप में स्थापित हो जाती हैं। बाद में यही धारणाएं लैंगिक असमानता, महिलाओं पर दोहरे बोझ और घर के काम के असमान बंटवारे को बनाए रखती हैं। आज के बदलते परिवेश में जब परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी साझा है, तो घरेलू जिम्मेदारियां भी साझा क्यों नहीं होनी चाहिए? खाना बनाना, बच्चों की देखभाल करना, सफाई करना या परिवार के अन्य सदस्यों की आवश्यकताओं का ध्यान रखना केवल स्त्री का काम नहीं माना जा सकता। पिता खाना बना सकते हैं और मां घर के बाहर काम कर सकती हैं। परिवार की भूमिकाएं स्थिर नहीं होतीं, बल्कि सहयोग, संवेदनशीलता और परिस्थितियों के अनुसार साझा की जा सकती हैं। शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक की जानकारी देने का माध्यम नहीं है। वह बच्चों को समाज में उपस्थित असमानताओं को पहचानने, उन पर प्रश्न करने और अधिक न्यायपूर्ण संबंधों की कल्पना करने का अवसर भी देती है। विद्यालय में बच्चों को लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में पढ़ाना इसलिए जरूरी है, ताकि वे समझ सकें कि किसी कार्य को केवल स्त्री या पुरुष से जोड़ना उचित नहीं है। जब बच्चों को यह समझाया जाएगा कि पारिवारिक भूमिकाओं में सहयोग और लचीलापन एक संतुलित और सहयोगी वातावरण का निर्माण करते हैं, तो उनकी धारणा भी अलग जमीन पर विकसित होगी। भूमिका-अभिनय यानी रोल-प्ले सामाजिक विज्ञान के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हुआ है, क्योंकि इससे बच्चों में सहानुभूति और समझ का विकास संभव हो पाता है।

जब बच्चे विभिन्न पारिवारिक भूमिकाएं निभाते हैं, तो उन्हें विविध दृष्टिकोणों की समझ प्राप्त होती है और वे पारिवारिक अंतर्क्रियाओं की जटिलताओं की सराहना करते हैं। यह अनुभवात्मक अधिगम मानव व्यवहार और सामाजिक मानदंडों को समझने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण साबित होता है, जो सामाजिक विज्ञान शिक्षा के केंद्रीय तत्त्व है। भूमिका-अभिनय के माध्यम से विद्यार्थी न केवल परिवार के भीतर विशिष्ट भूमिकाओं के बारे में सीखते हैं, बल्कि वे अपने निर्धारित परिदृश्यों की चुनौतियों का सामना करते हुए आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान कौशल भी विकसित करते हैं। लैंगिक संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाने का अर्थ केवल यह बताना नहीं है कि महिलाएं भी बाहर काम कर सकती हैं। इसका अर्थ यह समझाना भी है कि आर्थिक रूप से योगदान देने वाली महिला से घर की पूरी जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा करना असमानता है। इसी प्रकार पुरुषों को घरेलू काम से दूर रखना भी उन्हें देखभाल, संवेदनशीलता और पारिवारिक साझेदारी के अनुभव से वंचित करता है। साझा जिम्मेदारियां स्त्री और पुरुष दोनों को रूढ़िवादी भूमिकाओं की सीमाओं से बाहर आने का अवसर देती हैं। बच्चों के भीतर नए प्रकार के सामाजिक बदलावों के प्रति लचीलापन विकसित करना और उन्हें बदलते परिवेश से अवगत कराना बेहद जरूरी है। इससे वे केवल अपने परिवार की भूमिकाओं को अलग दृष्टि से नहीं देखते, बल्कि समानता, सहयोग और संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को अपने जीवन से जोड़कर समझते हैं। यही समझ आगे चलकर उनके व्यक्तिगत संबंधों, कार्यस्थल और सामाजिक व्यवहार को अधिक न्यायपूर्ण बना सकती है। यह दृष्टिकोण न केवल पारिवारिक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की गहरी समझ विकसित करता है, बल्कि वास्तविक जीवन के मुद्दों पर गतिशील और रोचक तरीके से आलोचनात्मक चिंतन को भी प्रोत्साहित करता है। इस तरह के सामाजिक प्रशिक्षण पारिवारिक गतिशीलता की जटिलताओं तथा साझा जिम्मेदारियों के महत्त्व को सिखाने में भूमिका-अभिनय की उपयोगिता को उजागर करते हैं, जो एक संतुलित पारिवारिक जीवन के निर्माण में योगदान देती हैं। अगर शिक्षा बच्चों को रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाओं पर प्रश्न करना नहीं सिखाएगी, तो समाज में वास्तविक बदलाव कठिन होगा। केवल महिलाओं का आर्थिक रूप से सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है। परिवार और समाज की सोच तथा जिम्मेदारियों के बंटवारे में भी परिवर्तन आवश्यक है। अन्यथा महिलाएं बाहर काम करने के बाद भी घर के काम का पूरा बोझ उठाती रहेंगी और समानता का विचार व्यवहार में नहीं उतर पाएगा। आजादी के इतने वर्षों बाद भी अगर हम बच्चों को उन्हीं रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाओं, असमानताओं और लैंगिक असंवेदनशीलता के बीच बड़ा होने देंगे, तो समाज न तो प्रगतिशील बन पाएगा और न ही वैचारिक रूप से स्वतंत्र। बच्चों को शिक्षा के माध्यम से बदलती पारिवारिक भूमिकाओं, साझा जिम्मेदारियों और लैंगिक समानता से परिचित कराना बेहद जरूरी है।

अगर शिक्षा बच्चों को रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाओं पर प्रश्न करना नहीं सिखाएगी, तो समाज में वास्तविक बदलाव कठिन होगा। केवल महिलाओं का आर्थिक रूप से सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है। परिवार और समाज की सोच तथा जिम्मेदारियों के बंटवारे में भी परिवर्तन आवश्यक है। अन्यथा महिलाएं बाहर काम करने के बाद भी घर के काम का पूरा बोझ उठाती रहेंगी और समानता का विचार व्यवहार में नहीं उतर पाएगा। आजादी के इतने वर्षों बाद भी अगर हम बच्चों को उन्हीं रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाओं, असमानताओं और लैंगिक असंवेदनशीलता के बीच बड़ा होने देंगे, तो समाज न तो प्रगतिशील बन पाएगा और न ही वैचारिक रूप से स्वतंत्र।

मां ने मासूम बेटे संग आग लगाकर की आत्महत्या की कोशिश

धनबाद (कासं) : भूली थाना क्षेत्र के आजाद नगर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां २३ वर्षीय महिला ने अपने १० महीने के मासूम बच्चे के साथ कथित तौर पर आग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। आग लगाने के बाद महिला बच्चे को लेकर छत से नीचे कूद गई और बगल स्थित एक अधिवक्ता के कार्यालय में जा गिरी। हादसे में महिला और बच्चा गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

दोनों का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वहीं, महिला के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है।जानकारी के मुताबिक, भूली के आजाद नगर निवासी इमामुल अंसारी की बहू और शाहनवाज अंसारी उर्फ राजा की पत्नी २३ वर्षीय सहाना खातून ने अपने १० महीने के बेटे फैजान के साथ कथित तौर पर आग लगा ली। इसके बाद सहाना बच्चे को लेकर छत से नीचे कूद गई। बताया जा रहा है कि वह बगल स्थित

अधिवक्ता श्रीकांत वर्मा के कार्यालय में जा गिरीं। महिला के गिरने से कार्यालय की करकट की सीट टूट गई और वह टेबल पर जा गिरीं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से महिला और उसके मासूम बच्चे को तत्काल इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों गंभीर रूप से झुलसे हुए हैं और उनका इलाज जारी है। महिला के पिता मोहम्मद गुलाम रसूल ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बेटी का ससुराल में विवाद चल रहा था और घटना से एक दिन पहले भी बेटी और उसके पति के बीच विवाद हुआ था। उन्होंने पूरे मामले में साजिश की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है।

महिला के पिता का आरोप है कि घटना के वक्त उनकी बेटी से फोन पर बातचीत हुई थी और उस समय पति शाहनवाज अंसारी उर्फ राजा तथा उसकी मां के घर में मौजूद होने की बात सामने आई थी।

उन्होंने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे और टीवी फुटेज की जांच कराने की मांग की है, ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। वहीं, महिला के पति शाहनवाज अंसारी ने इन आरोपों से अलग अपना पक्ष रखा है। उनका कहना है कि घटना के वक्त वह घर में मौजूद नहीं थे। उनके मुताबिक वह अपने मातापिता के साथ सामान लाने के लिए बाहर गए हुए थे।

घर लौटने पर बाहर भीड़ देखी और घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद सभी मिलकर महिला और बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे। फिलहाल सहाना खातून और उनके १० महीने के बेटे का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। महिला के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर लगाए गए आरोपों की जांच और सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की है।

डीसी कार्यालय के समक्ष भाजपा का प्रदर्शन आज

धनबाद (कासं) : जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती में हुई धांधली की सीबीआई जांच और निर्दोष छात्रों पर दर्ज फर्जी मुकदमों की वापसी की मांग को लेकर भाजपा धनबाद महानगर के तत्वावधान में १० को समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला महामंत्री रूपेश सिन्हा ने बताया कि सुबह दस बजे मेमको मोड़ से पैदल मार्च करते हुए उपायुक्त कार्यालय जाकर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन का मुख्य नेतृत्व झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास एवं भाजपा झारखण्ड प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही करेंगे। उनके साथ सांसद ढुलू महतो, पूर्व सांसद पी एन सिंह, विधायक राज सिन्हा,विधायक रागिनी सिंह, विधायक शत्रुघ्न महतो, जिला परिषद अध्यक्ष एवं सभी जनप्रतिनिधि व पार्टी कार्यकर्ता उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

लुटेरी दुल्हन गिरोह का पर्दाफाश, 4 महिला समेत 10 गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर राजस्थान से परिवार को धनबाद बुलाने और बाद में लूटपाट करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में १० आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, सपना नाम की महिला ने राजस्थान निवासी रमेश से संपर्क कर अपनी कथित भतीजी पूजा से शादी कराने का प्रस्ताव दिया था। रमेश अपने परिवार के साथ ७ सितंबर को बरवाअड्डा पहुंचे। यहां शादी की तैयारी के नाम पर करीब ३० हजार के कपड़े खरीदवाए गए, जिसका भुगतान रमेश ने किया। इसके बाद शादी कराने के एवज में एक लाख की मांग की गई, जिसमें रमेश ने ४० हजार ऑनलाइन दिए।

आरोप है कि बाद में कथित दुल्हन पूजा की शादी राजस्थान से आए इकबाल नामक युवक से करा दी गई। बाद में आरोपियों ने पार्टी के बहाने रमेश और उनके परिजनों को गाड़ी में बैठाया। रास्ते में धमकी देकर उनसे १० हजार नकद, मोबाइल फोन और महिलाओं के जेवर छीन लिए गए।

मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के १० सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से १३ मोबाइल फोन, साड़ी, लहंगा, कपड़े, चूड़ी और शादी से जुड़ी अन्य सामग्री बरामद की है। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क और इस तरह की अन्य घटनाओं में उनकी भूमिका की जांच कर रही है।

किसानबैज्ञानिक अंतरमिलन कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद (कासं) : कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी कार्यालय, धनबाद के तत्वावधान में गोविंदपुर प्रखंड के सहराज पंचायत में एक दिवसीय किसानबैज्ञानिक अंतरमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल सुरक्षा और भूमि संरक्षण के वैज्ञानिक उपायों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. नवीन ने उन्नत खेती, कीट प्रबंधन और मौसम अनुकूल फसल चक्र पर विस्तृत जानकारी साझा की।

पौधा संरक्षण पदाधिकारी श्वेता कश्यप ने फसलों को विभिन्न रोगों से बचाने के उपाय, जैविक कीटनाशकों का संतुलित प्रयोग और विभागीय योजनाओं पर प्रकाश डाला। जबकि जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी शिवा कुमार ने मृदा स्वास्थ्य, मिट्टी की जांच और भूमि संरक्षण के तौर-तरीकों से कृषकों को अवगत कराया। विवेक मोहन एवं मनीष कुमार ने कृषि प्रबंधन और सरकारी अनुदान योजनाओं के लाभ उठाने की प्रक्रिया स्पष्ट की। कार्यक्रम में गोविंदपुर किसान साथी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अब्दुल कयूम अंसारी, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि, पंचायत समिति प्रतिनिधि तथा एकलव्य विद्यालय के अध्यक्ष प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अंतरमिलन गोष्ठी में उषा देवी, सुभद्रा देवी, शान्ति देवी सहित कुल ९२ कृषकों ने वैज्ञानिकों से सीधा संवाद कर अपनी कृषि समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

घूस लेते साइबर थाना के एसआई को एसीबी ने किया गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : गिरिडीह साइबर थाना के एसआई पुनीत कुमार गौतम को धनबाद एसीबी की टीम ने ३० हजार घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि केस डायरी भेजने के नाम पर एसआई ने शिकायतकर्ता जीवलाल मंडल से २ लाख की मांग की थी, बाद में ३० हजार में सौदा तय हुआ। शिकायत मिलने के बाद धनबाद एसीबी ने जाल बिछाया और साइबर थाना से कुछ दूरी पर घूस की रकम लेते एसआई पुनीत कुमार गौतम को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम ने आरोपी को उसके झंडा मैदान स्थित आवास ले गई और फिर आगे की कार्रवाई के लिए धनबाद लेकर पहुंची। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी दारोगा उसके परिजनों को जेल भेजने की धमकी भी दे रहा था। मामले में एसीबी की कार्रवाई जारी है। गिरफ्तार एसआई से पूछताछ जारी है।

पेंशनर्स समाज ने एसएसपी को किया सम्मानित

धनबाद (कासं) : झारखंड राज्य पेंशनर्स समाज धनबाद का प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी प्रभात कुमार से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विधि व्यवस्था संधारण में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए एसएसपी को सम्मानित किया। बता दें कि धनबाद जिले में यातायात व्यवस्था सुधारने, त्वरित सुरक्षा कार्रवाई, आम जनता से बेहतर संवाद स्थापित कर जन समस्याओं के त्वरित समाधान के आलोक में फेम इंडिया और एशिया पोस्ट द्वारा किए गए सर्वेक्षण में देश के सौ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों की सूची में तथा झारखंड के ५ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों में शीर्ष पर हैं का खिताब मिल चुका है। वरीय आरक्षी अधीक्षक प्रभात कुमार की कार्यशैली में संगठित अपराध की नेटवर्क पर प्रहार, फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान, जांच की गुणवता, पुलिस बल की क्षमता निर्माण और नागरिक शिकायतों को त्वरित निस्तारण को समान महत्व मिलता है।

धनबाद में उनकी चुनौती बड़ी है लेकिन अब तक की पुलिस कार्रवाई यह संकेत देती है कि उनकी प्राथमिकता स्पष्ट है। कानून का प्रभावी पालन, संगठित अपराध पर निर्णायक दवाब और आम नागरिकों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना। एसएसपी की शानदार उपलब्धि धनबाद जिला ही नहीं वरन पूरे झारखंड प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। प्रतिनिधिमंडल में बासुदेव गोस्वामी (सचिव), श्यामा नंद लाल त्यागी (संयुक्त सचिव), संजय कुमार, राजकुमार वर्मा व अन्य शामिल थे।

महिलाओं ने लिया दुर्गापूजा मनाने का लिया निर्णय

गोविंदपुर (ससे) : वास्तु विहार फेज२ के परिसर में इस साल पहली बार महिलाओं द्वारा दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाएगा इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया है इसमें सुधा सिंह अध्यक्ष, आशा झा सचिव, नीतू सिंह उपसचिव व आशा सिंह कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। कार्यकारणी सदस्यों में वंदना झा, नूपुर जायसवाल, सुनीता, सरिता, अलका सिंह, सीमू, रिंकी जायसवाल आदि शामिल है। इस आयोजन को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह है तथा पूरे कॉलोनी के लोगों का इसमें सहयोग मिल रहा है।

कोर्ट रोड को किया गया अतिक्रमण मुक्त

धनबाद (कासं) : शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल कोर्ट रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रशासन ने बड़ा अभियान चलाया। एसडीएम लोकेश बारंगे तरीके से खड़े बाइक और अन्य वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। एसडीएम लोकेश बारंगे ने कहा कि कोर्ट रोड शहर का बेहद महत्वपूर्ण और व्यस्त मार्ग है।

के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने रणधीर वर्मा चौक से डीआरएम चौक तक कार्रवाई की। अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले, काउंटर, गुमटी और अन्य अस्थायी दुकानों को बुलडोजर की मदद से हटाया गया। नगर निगम की टीम ने कई सामान जब्त किए और उन्हें ट्रैक्टर के जरिए निगम कार्यालय पहुंचाया। सड़क पर या किनारे बेतरतीब अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण यहां आए दिन जाम की स्थिति बनती है, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था सुधारने और लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अब कोर्ट रोड को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त रखने की चुनौती होगी।

जाति व आवासीय प्रमाण पत्र बनाने को ले ऑनलाइन प्रक्रिया बहाल करने का लिया गया निर्णय

गोविंदपुर (ससे) : झारखंड में एसआईआर की प्रक्रिया के बीच जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था को लेकर सरकार ने एक बार फिर बदलाव किया है। कुछ समय पहले ऑफलाइन प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद गोविंदपुर अंचल में ऑफलाइन आवेदन लेकर प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी। अब अनियमितता की शिकायतों के बाद सरकार ने फिर ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया है।

ऑफलाइन व्यवस्था में आवेदन, दस्तावेजों की जांच और प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया अंचल कार्यालय स्तर पर हो रही थी। इसी दौरान प्रमाण पत्र जारी करने में गड़बड़ी की शिकायतें सामने आयीं। इसके बाद सरकार ने व्यवस्था की समीक्षा करते हुए ऑनलाइन प्रक्रिया बहाल करने का निर्णय लिया है। इससे आवेदन और दस्तावेजों की जांच का डिजिटल रिकॉर्ड रहेगा तथा प्रमाण पत्र के सत्यापन और निगरानी में भी सुविधा होगी।

एसआईआर के दौरान मतदाता सूची की विसंगति सूची में शामिल मतदाताओं से ११ निर्धारित दस्तावेजों में से किसी एक को प्रस्तुत करने को कहा गया है। इनमें जाति अथवा आवासीय प्रमाण पत्र में से किसी एक दस्तावेज को प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ऐसे में प्रमाण पत्रों की मांग बढ़ने से अंचल कार्यालयों पर भी दबाव बढ़ गया है। ऑनलाइन व्यवस्था से आवेदकों को कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत मिलने की उम्मीद है।

आर्यभट आईटीआई में कैम्पस प्लेसमेंट

लोयाबाद (ससे) : आर्यभट आई टी आई कॉलेज निचितपुर कतरास में होण्डा मोटरसाइकिल स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नरसापुर, कोलहर, कर्नाटक के द्वारा कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव २०२६ का आयोजन किया गया। जिसमें आर्यभट आईटीआई कॉलेज के २०० छात्रों ने भाग लिया। लिखित परिक्षा और इंटरव्यू के बाद १२० छात्र चयनित हुए। सभी छात्र इस आयोजन से काफी उत्साहित थे। आयोजन को सफल बनाने में कॉलेज के शिक्षकों का सहरानीय योगदान रहा। शिक्षकों ने चयनित छात्रों की उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।

स्कूल में बच्चों को आरपीएफ ने पढ़ाया सुरक्षा का पाठ

तोपचांची (ससे) : लायंस क्लब हरिना, फिट ओ लाइफ और रेलवे सुरक्षा बल के संयुक्त तत्वावधान में तोपचांची प्रखंड के मध्य विद्यालय गुनघसा में बच्चों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को रेलवे सुरक्षा और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को रेलवे हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर १३९ के महत्व और इसके उपयोग के बारे में बताया गया। वहीं बच्चियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए रेलवे की मेरी सहेली पहल के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। आरपीएफ अधिकारियों ने बच्चों को यात्रा के दौरान सतर्क रहने और किसी भी परेशानी की स्थिति में तुरंत सहायता लेने की सलाह दी। इस दौरान लायंस क्लब हरिना और फिट ओ लाइफ की ओर से स्कूल परिसर में पौधरोपण किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बच्चों को पेड़पौधों के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के बीच बिस्किट का वितरण किया गया और विद्यालय को फर्स्ट एड किट भी उपलब्ध कराई गई। मौके पर गोमो रेलवे सुरक्षा बल के इंस्पेक्टर विमल कुमार और सब इंस्पेक्टर शाकिब अपने दलबल के साथ मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों को रेलवे यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा से जुड़े जरूरी टिप्स दिए।

सीएमडी ने लोदना क्षेत्र के साइडिंगों का किया निरीक्षण

धनबाद (कासं) : विद्युत क्षेत्र की बढ़ती कोयला मांग को पूरा करने तथा कोयला प्रेषण एवं निकासी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) द्वारा निरंतर लक्षित प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सीएमडी बीसीसीएल, मनोज कुमार अग्रवाल ने आज लोदना क्षेत्र अंतर्गत गोल६ एवं ९ साइडिंग का दौरा कर वहां चल रहे कोयला प्रेषण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने साइडिंग की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए कोयला निकासी को और अधिक गति देने के लिए आवश्यक उपायों पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ चर्चा की और आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

गोल६ एवं ९ साइडिंग बीसीसीएल के महत्वपूर्ण कोयला प्रेषण केंद्रों में से एक है, जहां वर्तमान में प्रतिदिन लगभग ७ से ८ रेक का प्रेषण किया जा रहा है। सीएमडी ने संबंधित टीम को तत्काल प्रभाव से प्रेषण बढ़ाकर ९ रेक प्रतिदिन करने तथा आगामी एक सप्ताह के भीतर १० रेक प्रतिदिन का लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया।

सीएमडी श्री अग्रवाल ने फील्ड टीम के साथ संवाद करते हुए कहा कि उच्च प्रेषण लक्ष्य हासिल करने के लिए बेहतर समन्वय, समयबद्ध कार्रवाई और साइडिंग का अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित टीमों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करते हुए परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा किसी भी संभावित बाधा का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंनें साइडिंग में प्रकाश व्यवस्था तथा क्रशर संचालन की भी समीक्षा की और विशेष रूप से रात्रिकालीन परिचालन के दौरान पर्याप्त एवं प्रभावी प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने तथा साइडिंग एवं संबंधित उपकरणों को चौबीसों घंटे परिचालन के लिए तैयार रखने के निर्देश दिए, ताकि कोयला प्रेषण निर्बाध रूप से जारी रहे और किसी भी प्रकार के अनावश्यक व्यवधान से बचा जा सके।

इसके उपरांत सीएमडी ने रेल्वे के निर्माणाधीन रखितपुर साइडिंग का भी दौरा किया और उसकी वर्तमान स्थिति तथा भविष्य में कोयला निकासी के लिए उसकी संभावित उपयोगिता का आकलन किया। उन्होंने मौजूदा कोयला निकासी व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों, विशेषकर नोएंट्री प्रतिबंधों एवं बस्ताकोला साइडिंग सुविधाओं में यातायात दबाव एवं जाम के संदर्भ में रखितपुर साइडिंग की संभावनाओं का जायजा लिया। साथ ही, आगामी प्रोजेक्ट ब्लॉक एफ (१३ एमटीवाई) से भविष्य में कोयला निकासी के लिए इसके उपयोग की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

बीसीसीएल द्वारा कोयला प्रेषण एवं निकासी की क्षमता बढ़ाने, मौजूदा बुनियादी ढांचे के बेहतर उपयोग तथा भविष्य की उत्पादन आवश्यकताओं के अनुरूप वैकल्पिक एवं अतिरिक्त प्रेषण व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इन पहलों का उद्देश्य बिजली क्षेत्र को निर्बाध एवं समयबद्ध कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथसाथ देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रभावी योगदान देना है।

आयुक्त ने एसआईआर को लेकर की बैठक

बोकारो (ससे : उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग के प्रमण्डलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता ने एसआईआर-२०२६ के तहत बोकारो जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा के क्रम में मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एसआईआर कार्य को लेकर जिला प्रशासन द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। कहा कि जिला प्रशासन सभी को साथ लेकर चलने की भावना के साथ कार्य कर रहा है। प्रशासन का कार्य निष्पादन सराहनीय एवं उम्दा है। आम मतदाताओं की समस्याओं को भी गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निष्पादन किया जा रहा है। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रमण्डलीय आयुक्त के समक्ष मतदान केंद्र पर ०२ दिवसीय विशेष शिविर आयोजित करने एवं निर्धारित तिथि में बढ़ोतरी किए जाने की मांग रखी।

प्रमण्डलीय आयुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना और उनकी मांगों एवं सुझावों से वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराने की बात कही।

मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने जिले में प्रतिदिन एसआईआर कार्य की प्रगति की समीक्षा वीडियो संवाद के माध्यम से किए जाने संबंधी जानकारी दी। उन्होंने एसआईआर कार्य से संबंधित विभिन्न गतिविधियों, प्रगति एवं प्रशासनिक स्तर पर किए जा रहे अनुश्रवण के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। उपायुक्त ने ऑब्जर्वर चेकलिस्ट से संबंधित क्रमवार विषयों की भी जानकारी दी तथा एसआईआर कार्य को पूरी पारदर्शिता एवं गंभीरता के साथ संपादित किए जाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

बीएलओ ऑफ द डे अभियान की भी दी जानकारी

डीईओ सह डीसी ने प्रमण्डलीय आयुक्त को जिला प्रशासन द्वारा संचालित बीएलओ ऑफ द डे अभियान के संबंध में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित किया गया, जिससे एसआईआर कार्य में उनकी सहभागिता एवं कार्य के प्रति उत्साह को और अधिक बढ़ावा मिल सके।

बैठक के उपरांत प्रमण्डलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता ने कैंप-टू स्थित आयकर भवन पहुंचकर एसआईआर-२०२६ के तहत संचालित सुनवाई कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) से सुनवाई कार्य की प्रगति एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

प्रमण्डलीय आयुक्त ने सुनवाई के लिए पहुंचे मतदाताओं से भी संवाद किया तथा एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सुनवाई कार्य को पूरी पारदर्शिता, गंभीरता एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप संपादित करने का निर्देश दिया।साथ ही, निदेशालय, परियोजना भूमि एवं पुनर्वास, बोकारो के अंतर्गत विशेष भू-अर्जन कार्यालय, बोकारो से संबंधित एक मामले की बैठक में समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इससे पूर्व, उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग के प्रमण्डलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता के बोकारो आगमन पर बोकारो परिसदन में पुलिस जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। साथ ही, जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक श्री नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर श्रीमती पूर्णिमा कुमारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रमण्डलीय आयुक्त को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

बैठक में प्रशिक्षु आईएएस श्री अरविंद राधाकृष्णन, उपनिदेशक, आइपीआरडी श्री रवि कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रेमचंद सिन्हा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी श्री अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार समेत विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

मुंशी मंजेश हत्याकांड का खुलासा, चार गिरफ्तार

गिरिडीह (ससे): तिसरी थाना क्षेत्र के खटपोंक स्थित बाघमारी मोड़ से ६ सितंबर को अपहृत एचएनसी कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुंशी मंजेश कुमार (४२) की हत्या कर दी गई थी। गिरिडीह पुलिस ने मामले का ४८ घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर मंजेश का शव बिहार के जमुई जिले के चिहरा थाना क्षेत्र स्थित पिपरातरी जंगल से बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर उपेंद्र चौधरी और मुंशी मंजेश कुमार के बीच काम में दखल देने तथा डीजल व अन्य खर्चों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के कारण घटना को अंजाम दिए जाने की बात सामने आई है।

पुलिस ने घटना में शामिल इम्तियाज अंसारी, शिव कुमार, पिन्टू कुमार यादव और राजेश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल, खून लगा पत्थर, सखुआ का डंडा और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। घटना के उद्भेदन के लिए एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ खोरीमहुआ अमरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई थी। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों तक पहुंच बनाई। मामले में आगे की जांच जारी है।

फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिता आयोजित

बोकारो (ससे): 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण शाखा, बोकारो द्वारा सी-३ संस्था के तकनीकी सहयोग से बालिकाओं के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता राजकीयकृत उच्च विद्यालय, लकड़ाखंदा, चास-२ एवं पीएम श्री पंचानन राजबाला +२ उच्च विद्यालय, सतनपुर में आयोजित हुई। इस दौरान बालिकाओं के बीच फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिताएं कराई गई।

प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास विकसित करना तथा उन्हें यह संदेश देना था कि कोई भी खेल ऐसा नहीं है, जिसे वे नहीं खेल सकतीं। शिक्षा के साथ-साथ बालिकाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया।

खेल प्रतियोगिता के माध्यम से बालिकाओं में खेल के प्रति रुचि एवं सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। प्रतियोगिता में बालिकाओं ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर बालिकाओं को संबोधित करते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी (डीएसडब्ल्यूओ) डॉ. सुमन गुप्ता ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को समान अवसर एवं उचित प्रोत्साहन प्रदान कर उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सक्षम बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल के समन्वय से बालिकाओं के सशक्त, स्वस्थ एवं अनुशासित व्यक्तित्व का निर्माण संभव है। ऐसे आयोजन बालिकाओं में छिपी प्रतिभा को सामने लाने के साथ-साथ उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रतियोगिता के समापन पर विजेता एवं उप-विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री विनय कुमार पांडे, श्री सेवा दास हेम्ब्रम, शारीरिक शिक्षक श्री आशुतोष कुमार एवं श्री अरुण मिश्रा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

झामुमो एवं कांग्रेस ने किया शोक सभा का आयोजन

डुमरी (ससे): अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित निरीक्षण भवन में बुधवार को झामुमो एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा संयुक्त रूप से एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिवंगत मंत्री के चित्र पर बारी बारी से माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पण कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनके अधूरे सपने को पूरा करने का संकल्प लिया।झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजू ने कहा कि सुदिव्य सोनू का निधन झामुमो और झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है।कहा कि दिवंगत मंत्री मिलनसार व व्यवहार कुशल थे।उनकी संगठन में अच्छी पकड़ थी।

वे हरेक कार्यकर्ता को उचित सम्मान देते थे।उनकी कमी हमसबों को हमेशा खलेगी।अंत में कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।मौके पर झामुमो नेता बरकत अली,राजकुमार पांडेय कांग्रेस नेता महेश भगत कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल कांग्रेस युवा मोर्चा के जिला महासचिव गुड्डु मलिक कांग्रेस मीडिया प्रभारी सादिक अली जेएमएम प्रखण्ड सचिव सरफुद्दीन अंसारी, विजय यादव, खुर्शीद अंसारी जामतारा मुखिया खेमलाल महतो पंसस अखिलेश राणा युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष छोटू शर्मा उपाध्यक्ष सनाउल्लाह अंसारी जेएमएम युवा नेता रीतलाल मंडल,सोनू सोहेल पूर्व मुखिया अजीत माथुर,जगरनाथ ठाकुर, कन्हैया विश्वकर्मा,करीम बख्श,कौशर अंसारी,शिवा दास,मनोज जायसवाल, तुराबली अंसारी आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

ट्रैक्टर के चपेट में आकर बाइक चालक की मौत

नावाडीह (बेरमो) : नावाडीह प्रखंड के पेक नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत धवैया गांव के समीप बुधवार की सुबह लगभग आठ बजे ट्रैक्टर के चपेट में बाइक सवार आ जाने से बाइक चालक की दर्दनाक मौत घटनास्थल पर ही हो गई । घटना के बाद ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग को लेकर कंजकिरो पेर मार्ग को धवैया के समीप बाधित कर दिया । समाचार लिखे जाने तक मुआवजा पर सहमति नहीं बनने के कारण संध्या छह बजे तक सड़क जाम जारी है । घटनास्थल पर बेरमो डीएसपी विशिष्ट नारायण सिंह, बेरमो अंचल निरीक्षक अरविंद कुमार, नावाडीह थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी, पेक नारायणपुर थाना प्रभारी नितिश कुमार आदि के अलावा अन्य थाना की पुलिस मुस्तैद है । जानकारी अनुसार धवैया निवासी श्यामलाल हेम्ब्रम (२३) अपने बाइक से घर आ रहा था । धवैया के समीप विपरीत दिशा से तेज गति से आ रही ट्रैक्टर ने बाइक को अपने चपेट में ले लिया । जिससे बाइक सवार श्यामलाल की मौके पर ही मौत हो गई । घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया । वहीं मृतक के स्वजनों के अलावा उसकी पत्नी व एक पुत्र का रो रोकर बुरा हाल हो गया है ।

जेपीएससी.जेएसएससी परीक्षा गड़बड़ी की सीबीआई जांच मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

बोकारो (ससे जेपीएससी, जेएसएसस, सीजीएल समेत राज्य की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं और छात्रों पर हुए मुकदमे के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने बोकारो में राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया.

प्रदर्शन चास से चलकर डीसी कार्यालय तक पहुंचा.भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र राज की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने जमकर सरकार विरोधी नारे लगाए. मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने सरकार पर तीखा हमला किया. उन्होंने कहा कि राज्य के युवा अपनी प्रतिभा के दम पर रोजगार पाना चाहते हैं, लेकिन सरकार की व्यवस्था उनके सपनों के साथ खिलवाड़ कर रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि धांधली के खिलाफ आवाज उठाने वाले निर्दोष छात्रों पर पुलिस केस दर्ज कर उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है.मधु कोड़ा ने स्पष्ट किया कि भाजपा छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी. सरकार इसकी सीआईडी जांच नहीं बल्कि निष्पक्ष जांच करानी चाहती है तो सीबीआई जांच करावे. उन्होंने कहा कि राज्य चलाना हेमंत सोरेन के वश की बात यदि नहीं है तो इस्तीफा दें. चूंकि जनता जाग चुकी हैं राज्य की हालत बदतर होते नहीं देख सकती है.

जिले में अवैध बालू का कारोबार जारी

बोकारो (ससे : जिले में रात के अंधेरे में कथित अवैध बालू कारोबार का खेल बदस्तूर जारी है. पुलिस की गश्ती और थाना क्षेत्रों में मौजूदगी के बावजूद बालू लदे ट्रैक्टरों की आवाजाही पर सवाल उठ रहे हैं. स्थानीय लोगों का दावा है कि हरला थाना, चिरा चास थाना, चास मुफसिल, सेक्टर ६ और चास थाना क्षेत्र इस धंधे के लिए 'सेफ जोन' बन गया है. सबसे हैरानी की बात यह है कि जिन रास्तों से कथित तौर पर बालू लदे ट्रैक्टर गुजरते हैं, उनमें से कुछ स्थान संबंधित थाना से महज २०० से ३०० मीटर की दूरी पर पर है. इसके बावजूद देर रात होने वाले इस खेल पर कार्रवाई नहीं होने से पुलिस और खनन विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे हैं.

स्थानीय लोगों का आरोप है कि दामोदर नदी और भतुआ से बालू उठाकर चास-बोकारो के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाया जा रहा है. लोगों का आरोप है कि रात के समय ट्रैक्टरों के जरिए बालू की ढुलाई की जाती है. हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. स्थानीय लोगों के अनुसार, चीरा चास के पाडिपुर पुल और टीवी टावर के पास लगी बड़ी हैलोजन लाइटें शाम होते ही बंद कर दी जाती हैं. टावर लाइट के भी बंद रहने से इलाके में अंधेरा छा जाता है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि इसी अंधेरे का फायदा उठाकर रात में बालू लदे ट्रैक्टरों की आवाजाही शुरू हो जाती है.

देर रात तक ट्रैक्टरों के आने-जाने से आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं. लेकिन पुलिस खामोश है. लोगों का कहना है कि लगातार वाहनों की आवाजाही से शोर और दुर्घटना का खतरा बना रहता है. सूत्रों की मानें तो अवैध बालू कारोबार के पीछे प्रभावशाली लोगों का संरक्षण है. इतना ही नहीं इस धंधे में कई सफेदपोश भी शामिल है. कुछ लोगों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन पर राजनीतिक दबाव है. वहीं, पुलिस अवैध बालू कारोबार में किसी तरह की मिलीभगत, संरक्षण या राजनीतिक दवाब के आरोपों से इनकार कर रही है.

जिले में २८६ वारंटों का निष्पादन

जामताड़ा (ससे): जामताड़ा एसपी शंभु कुमार सिंह ने बुधवार को पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध समाक्षा बैठक की. बैठक में जिले के सभी एसडीपीओ, पुलिस इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी व शाखा प्रभारी मौजूद रहे. इस दौरान कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, सुरक्षा और लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई.समीक्षा के दौरान सामने आया कि पिछले माह यानी अगस्त में पुलिस ने जिले में कुल २८६ वारंटों का निष्पादन किया, जबकि विभिन्न कांडों में वांछित ३५ अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. एसपी ने अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन व फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाने का निर्देश दिया.

उन्होंने महिलाओं व बच्चों से संबंधित अपराधों में त्वरित कार्रवाई, गंभीर मामलों में फरार अपराधियों की गिरफ्तारी, वारंटों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा. जेल से छूटे अपराधियों की गतिविधियों पर भी कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया.बैठक में साइबर अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सूचना मिलते ही छापेमारी और साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी तेज करने पर जोर दिया गया. साथ ही बैंक, एटीएम, ज्वेलरी शॉप व अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर नियमित गश्ती और एंटी क्राइम वाहन जांच करने का निर्देश दिया गया.

अपराध गोष्ठी के बाद एसपी पुलिस केंद्र में पुलिस सभा में शामिल हुए. उन्होंने जिले के पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए.

यूएएम कर्मियों के लंबित मानदेय भुगतान को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा

बोकारो (ससे : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में १५वें वित्त आयोग अंतर्गत चास नगर निगम एवं फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में यूएएम में कार्यरत चिकित्सकों एवं पारा मेडिकल कर्मियों के लंबित मानदेय भुगतान से संबंधित मामले की बिंदुवार समीक्षा की गई।

बैठक के क्रम में उपायुक्त ने संबंधित मानव बल एजेंसी को कर्मियों के मानदेय, ईपीएफ एवं ईएसआई भुगतान से संबंधित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने एएमसी एवं ईई को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने के उपरांत क्रमवार राशि का भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।साथ ही, उपायुक्त ने एएमसी एवं ईई को एजेंसी को किए गए भुगतान का प्रमाण पत्र क्रमवार सिविल सर्जन को समर्पित करने का निर्देश दिया, ताकि भुगतान प्रक्रिया का समुचित अनुश्रवण एवं सत्यापन सुनिश्चित किया जा सके।

ज्ञात हो कि, यूएएम में कार्यरत चिकित्सकों एवं पारा मेडिकल कर्मियों ने मंगलवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं... (लोक संवाद) कार्यक्रम के माध्यम से उपायुक्त के समक्ष आवेदन देकर अपने लंबित मानदेय भुगतान का अनुरोध किया था। कर्मियों की समस्या पर उपायुक्त ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर मामले की समीक्षा की तथा भुगतान प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के आवश्यक निर्देश दिए।

बीएसएल में हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट के टेक्निकल सेल विभाग द्वारा हाइड्रोलिक ऑयल के संरक्षण तथा इसकी खपत को कम करने के उद्देश्य से 'हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण' विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन अधिशासी निदेशक (संकार्य) के सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों से लगभग ४० प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल सेल) ने 'हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण' विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने संयंत्र में हाइड्रोलिक ऑयल की खपत को कम करने की आवश्यकता तथा इसके संरक्षण की दिशा में उपलब्ध विभिन्न संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रस्तुति के दौरान ऑयल लॉस के विभिन्न कारणों, उनकी पहचान एवं वर्गीकरण, उचित रिकॉर्डिंग, हाइड्रोलिक सिस्टम के नियमित निरीक्षण एवं समुचित रखरखाव, ऑयल लॉस को कम करने के प्रभावी उपायों तथा हाइड्रोलिक ऑयल में कंटैमिनेशन नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रस्तुति में हाइड्रोलिक ऑयल के नुकसान से होने वाले आर्थिक प्रभावों के साथ-साथ इससे जुड़े पर्यावरणीय, सुरक्षा एवं अग्नि जोखिमों को भी रेखांकित किया गया। सत्र को इंटरैक्टिव रखते हुए प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम के दौरान हाइड्रोलिक ऑयल के प्रमुख उपभोक्ता विभागों हॉट स्ट्रिप मिल, कोल्ड रोलिंग मिल-ख, खख एवं खखख, स्टील मेल्टिंग शॉप-खख तथा कंटीन्यूअस कास्टिंग शॉप द्वारा सितंबर २०२६ के अंत तक ताजा हाइड्रोलिक ऑयल की खपत में न्यूनतम २० प्रतिशत कमी लाने के लिए अपने-अपने रोडमैप प्रस्तुत किए गए। इन रोडमैप में ऑयल संरक्षण के लिए विभागवार प्रस्तावित उपायों तथा निर्धारित लक्ष्यों को रेखांकित किया गया।

जनता दरबार में फरियादियों की समस्याओं पर उपायुक्त ने दिए कार्रवाई के निर्देश

गिरिडीह (ससे): आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री रामनिवास यादव ने आज समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे नागरिकों ने व्यक्तिगत समस्याओं के साथ-साथ भूमि, बिजली, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, आवास, राशन कार्ड, रोजगार एवं अन्य जनसुविधाओं से संबंधित मामले उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए। जनता दरबार में ४० से अधिक फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन सौंपे। उपायुक्त ने क्रमवार सभी मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवेदन के तथ्यों एवं अभिलेखों की जांच

कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को केवल अग्रसारित करने तक सीमित न रखते हुए उनके निष्पादन की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जिन मामलों में विभागीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई संभव है, उनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। वहीं, जांच अथवा अन्य विभागों से समन्वय की आवश्यकता वाले मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करते हुए आवेदकों को भी स्थिति से अवगत कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। प्रत्येक मामले में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं नियमानुकूल प्रक्रिया का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को एक ही समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े।

उपायुक्त ने कहा कि विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों के निष्पादन में आपसी समन्वय आवश्यक है। संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने विभाग से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण करें तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित स्तर पर समन्वय स्थापित करें। उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निष्पादन एवं स्पष्ट कार्रवाई प्रतिवेदन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार के दौरान कुछ मामलों का तत्काल स्तर पर समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजा गया।

उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार के माध्यम से जिला प्रशासन को आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे समझने और उनके निराकरण की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने का अवसर मिलता है। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि पात्र नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप समय पर उपलब्ध हो तथा शिकायतों के समाधान में जवाबदेही एवं पारदर्शिता बनी रहे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

डीडीसी ने शहरी क्षेत्र में निर्माणाधीन योजनाओं का किया निरीक्षण

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने शहरी क्षेत्र में विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा संचालित विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं संवेदकों को कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) परिसर में मुख्य द्वार एवं सड़क का निरीक्षण किया। मुख्य द्वार व सड़क निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए उप विकास आयुक्त ने इसे २५ सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर प्रबंधन को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। साथ में निर्माणाधीन कैथ लैब भवन का डीएमएफटी पीएमयू, भवन निर्माण विभाग तथा विद्युत प्रमंडल के अभियंताओं के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। ताकि जनता को जल्द से जल्द आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

वहीं तेलीपाडा क्षेत्र स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा और बेहतर ढांचे के दृष्टिगत जिले के सभी निर्माणाधीन केंद्रों में बाउंड्री निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मध्य विद्यालय दुर्गा मंदिर के परिसर में संचालित आंगनवाड़ी केंद्र के लिए नवीन भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने तथा बालकबालिकाओं के लिए पृथक शौचालय निर्माण एवं जारी कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश भवन निर्माण विभाग के अभियंताओं को दिया। जबकि पॉलिटेकनिक में वेंचर्स द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए कार्यदायी एजेंसी को निर्धारित मानकों के तहत निर्माण में गति लाने के निर्देश दिए। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर योजनाओं को तय समय पर पूर्ण करें, जिससे जनहित की इन सुविधाओं का लाभ आम जनता को अविलंब मिल सके।

भाकपा माले का जनआक्रोश रैली

धनबाद (कासं) : भाकपा माले के बैनर तले धनबाद में जनआक्रोश रैली का आयोजन किया गया। रैली में हजारों की संख्या में मजदूर, किसान, नौजवान और महिलाएं शामिल हुई। पूरे शहर में जंगल, जमीन, खनिज हमारा, नहीं चलेगा राज तुम्हारा के नारों से माहौल गूंज उठा।

रैली में बतौर मुख्य अतिथि सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो, बगोदर के पूर्व विधायक विनोद सिंह और सिंदरी के पूर्व विधायक आनंद महतो उपस्थित रहे। जननेताओं ने मंच से केंद्र और राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों पर तीखा हमला बोला। अपने संबोधन में विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि जनता के हकअधिकार पर डाका डालने वाली नीतियों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह लड़ाई आरपार की होगी। पूर्व विधायक विनोद सिंह ने कहा कि मजदूरकिसान एकता ही इस लूट के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है। वहीं आनंद महतो ने कहा कि यह आंदोलन तब तक नहीं थमेगा, जब तक हर शोषित को उसका वाजिब हक नहीं मिल जाता। रैली के अंत में इंकलाब जिंदाबाद और भाकपा माले जिंदाबाद के नारों के साथ आंदोलन को तेज करने का संकल्प लिया गया।

रक्तदान शिविर का प्रचार वाहन रवाना

कतरास (ससे) : माहुरी वैश्य नवयुवक समिति कतरास एवं माहुरी वैश्य महिला समिति कतरास के संयुक्त तत्वावधान में १० को कतरास माहुरी धर्मशाला में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय रक्तदान शिविर को लेकर प्रचार वाहन रवाना किया गया। प्रचार वाहन को चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज कुमार गुप्ता एवं माहुरी समाज के संरक्षक मनोज राम गुप्ता ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान आयोजकों ने बताया कि प्रचार वाहन के माध्यम से लोगों को रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाएगा। मौके पर संजय कुमार गुप्ता, नीरज कुमार, अतिश गुप्ता, प्रिंस गुप्ता सेठ, राजेश कुमार गुप्ता, प्रवीण कुमार गुप्ता सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बीआईटी सिंदरी में इंडक्शन प्रोग्राम

सिन्दरी (ससे) : बीआईटी सिंदरी में शैक्षणिक सत्र २०२६२७ के प्रथम वर्ष के बीटेक विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन कम ओरिएंटेशन प्रोग्राम २०२६ के तहत विभिन्न ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सत्र आयोजित किए गए।

प्रथम सत्र में धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम, नेतृत्व और जिम्मेदारी का महत्व बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य के प्रति सजग रहते हुए सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

इसके बाद आईआईटी-आईएसएम धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने तकनीकी ज्ञान, नवाचार एवं अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने और निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में स्टार्टअप शुरू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बीआईटी सिंदरी के निदेशक प्रो. डॉ. पंकज राय ने अतिथियों को पौधा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

दोपहर के सत्रों में इको क्लब ने पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास, लाइट सिंदरी ने संस्थागत सहयोग एवं शैक्षणिक गतिविधियों तथा फोटोग्राफिक क्लब ने फोटोग्राफी एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न पहलुओं की जानकारी विद्यार्थियों को दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रो. डॉ. आर. के. वर्मा, डॉ. राहुल कुमार एवं प्रो. संजय पाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर प्रो. जे. एन. महतो, प्रो. प्रफुल्ल शर्मा, प्रो. विजय कुमार बेसरा, डॉ. सोमनाथ साहा, प्रो. जितेंद्र कुमार, डॉ. उस्निस बनर्जी, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. कोमल कुमारी, डॉ. शबनम स्वाती मिज, प्रो. प्रशांत रंजन मालवीय एवं डॉ. निरुपमा सहित छात्र समन्वयक उपस्थित रहे।

छात्रछात्राओं के बीच साइकिल वितरित

कतरास (ससे) : एमटी मध्य विद्यालय रामपुर में सादे समारोह का आयोजन कर साइकिल वितरित किया गया। कल्याण विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई साइकिल को वर्ग आठवीं के ४१ छात्र-छात्राओं के बीच वितरण किया गया। मौके पर संबंधित पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, विधायक प्रतिनिधि, प्रभारी प्रधानाध्यापक, प्रबंध समिति के अध्यक्ष तथा शिक्षकगण उपस्थित थे।

भाजपा के आंदोलन में जुटेंगे कार्यकर्ता : विधायक रागिनी

धनबाद (कासं) : झारखंड में जेपीएससी, सीजीएल समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध एवं पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा द्वारा आयोजित राज्यव्यापी आंदोलन को सफल बनाने की तैयारियों को लेकर झरिया विधायक रागिनी सिंह के बिहार बिल्डिंग स्थित कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में विधायक रागिनी सिंह के नेतृत्व में आयोजित होने वाले आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने का आग्रह किया गया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और युवाओं के भविष्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर भाजपा पूरी मजबूती के साथ आवाज उठाएगी। आंदोलन के माध्यम से सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराने की मांग की जाएगी। बैठक में संतोष सिंह, उमेश यादव, अखिलेश सिंह, अभिषेक पाण्डेय, संतोष शर्मा, रवि सोनी सहित सभी मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलीं विधायक रागिनी

धनबाद (कासं) : झरिया विधायक रागिनी सिंह ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान झारखंड के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य, संगठनात्मक विषयों तथा जनसरोकार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा एवं मंथन हुआ। मुलाकात के दौरान रागिनी सिंह ने झरिया विधानसभा क्षेत्र सहित झारखंड के विभिन्न जनमुद्दों और जनता से जुड़े विषयों को राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान और जनता के हितों को प्राथमिकता देते हुए लगातार सक्रियता के साथ कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और जनता के बीच सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करने को लेकर मार्गदर्शन दिया।

रागिनी सिंह ने मुलाकात को आत्मीय एवं प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का मार्गदर्शन, स्नेह और अनुभव कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के संगठन को मजबूत बनाने के साथसाथ जनसेवा के संकल्प को पूरी निष्ठा से आगे बढ़ाने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाना और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना उनकी प्राथमिकता है। संगठन के मार्गदर्शन में जनहित के कार्यों को और प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

बीसीसीएल क्वार्टर में 5 लाख की चोरी

कतरास (ससे) : अंगारपथरा ओपी क्षेत्र अंतर्गत कतरासधनबाद मुख्य मार्ग स्थित सीआईएसएफ कैम्प के समीप बीसीसीएल क्वार्टर में चोरों ने धावा बोलकर करीब पांच लाख मूल्य के जेवरात चोरी कर लिए। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, स्वामी राधेश्याम पासवान के बीसीसीएल क्वार्टर में बीती रात चोरों ने अलमारी तोड़कर उसमें रखे सोनेचांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। सुबह करीब ४ बजे गिरीश स्वामी की नींद खुली, तो उन्होंने

घर का सामान इधरउधर बिखरा हुआ देखा। जांच करने पर अलमारी खुली मिली और उसमें रखे जेवरात गायब थे। परिजनों को आशंका है कि चोरी के दौरान चोरों ने किसी प्रकार के स्प्रे का इस्तेमाल किया, जिसके कारण घर में मौजूद लोगों को भनक तक नहीं लगी और वे गहरी नींद में सोते रहे। घटना की सूचना अंगारपथरा ओपी पुलिस को दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

करमाटांड़ कॉलोनी में जलापूर्ति ठप

बलियापुर (ससे) : थाना क्षेत्र के करमाटांड़ बीसीसीएल कॉलोनी में लो वोल्टेज के कारण मोटर नहीं चलने से कॉलोनी में वाटर सप्लाई का काम तीन दिनों से बाधित है। जिससे कॉलोनी के लोगों को पीने का पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार कॉलोनी के लाइट एवं पंखे चल रहे हैं किंतु लो वोल्टेज के कारण वाटर टंकी में लगे मोटर काम नहीं कर रहा है। जिससे टंकी में वाटर सप्लाई बाधित है। कॉलोनी में कुल ९ पानी टंकी है। सभी का यही हालत बताया जाता है। कॉलोनी के समीप स्थित तालाब का पानी से लोग नहाने धोने का काम कर रहे हैं।

किन्नर समाज का 24 घंटे का अखंड संकीर्तन

धनबाद (कासं) : झारखंड प्रदेश किन्नर समाज के तत्वावधान में आयोजित २४ घंटे के अखंड संकीर्तन और शिव चर्चा का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में शहर के समाजसेवी और राजपूत विचार मंच के धनबाद जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह बतौर अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर दिलीप सिंह ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजाअर्चना की और प्रदेश की सुखसमृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने

आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिएह बधाई दी और किन्नर समाज के इस पहल की सराहना की।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह ने कहा किन्नर समाज सनातन संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, इनके आशीर्वाद से ही हर शुभ कार्य पूरा होता है। आज इनके द्वारा आयोजित यह अखंड संकीर्तन केवल पूजा नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रहा है। इस तरह के धार्मिक आयोजन से युवाओं में संस्कार और आपसी भाईचारा बढ़ता है। राजपूत विचार मंच हमेशा से सर्व समाज के सम्मान और बराबरी के अधिकार की बात करता है और आगे भी हर सामाजिक और धार्मिक आयोजन में हम कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भगवान शिव सभी के आराध्य हैं और उनकी कृपा से समाज में प्रेम, शांति और सद्भाव बना रहेगा। इस अवसर पर राजपूत विचार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, केंद्रीय उपाध्यक्ष उमेश सिंह, संसद प्रतिनिधि बॉबी पांडे, पतंजलि परिवार के जिला संयोजक मंजीत सिंह समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु और किन्नर समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की रैली

बलियापुर (ससे) : झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति ने झारखंड के सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू कराने की मांग को लेकर क्षेत्र के सापटा गांव में रैली निकाली गई। रैली में शामिल लोगों ने पैदल पुरे गांव का भ्रमण किया। अध्यक्षता विश्वनाथ मंडल ने किया। बेंगू ठाकुर ने कहा कि जब तक सड़क पर उतर कर आंदोलन नहीं होगा मांगें पूरी नहीं हो सकती। मौके पर रूपाली मंडल, सांतोंना मंडल, संध्या मंडल, मीना मंडल, लतिका मंडल, मौसमी मंडल, पुतुल मंडल, सोनाली मंडल, मेनका मंडल, कुंती मंडल, सरस्वती, अमित मंडल, भोला मंडल, गोविंद ठाकुर आदि थे।

मृतक के परिजनों को मुआवजा के लिए डीसी को आवेदन

बलियापुर (ससे) : सांसद प्रतिनिधि मनबोध रवानी ने उपायुक्त को आवेदन देकर कुसमाटांड़ स्थित नीमटांड़ के अजीत रवानी की मौत की घटना के सिलसिले में रेलवे के ठेकेदार द्वारा मृतक के परिवार को दी जाने वाली तय मुआवजा राशि का भुगतान अब तक नहीं किए जाने की शिकायत करते हुए इसकी भुगतान की मांग किया है। मालूम हो कि बीते ९ जून को कुसमाटांड़ के ५८ वर्षीय नाइट गार्ड अजीत रवानी का शव क्षेत्र के गोलमारा के पास से पुलिस ने बरामद किया था। मृतक आमझर स्थित श्री एंटरप्राइजेज फ्लाई ऐश फैक्ट्री में नाइट गार्ड का काम करता था। घटना के विरोध में काफी बवाल हुआ था। श्री इंटरप्राइजेज फैक्ट्री के पास लोगों ने मुआवजा की मांग को लेकर शव को रखकर कई घंटे तक प्रदर्शन किया था। बलियापुर थाना में इस संबंध में हत्या का मामला दर्ज कराया गया था। प्रदर्शन के दौरान सांसद ढुलु महतो एवं विधायक चंद्रदेव महतो के अलावा काफी संख्या में लोग जुटे थे। मामले में रेलवे के ठेकेदार के लोगों की संलिप्तता का आरोप लगा था। इस दौरान टेलिफोनिक समझौता वार्ता में रेलवे के ठेकेदार ने मृतक के परिवार को ६ लाख देने का भरोसा दिलाया था। आज तक उक्त तय राशि का भुगतान नहीं किया गया। सांसद प्रतिनिधि श्री रवानी ने डीसी को ज्ञापन सौंप कर मृतक के परिवार को उक्त तय राशि का भुगतान कराने की मांग किया है, अन्यथा आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

डीएवी मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

जोड़ापोखर (ससे) : डीएवी मॉडल स्कूल, सीएफआरआई, डिगवाडीह में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने गायत्री मंत्र, प्रार्थना, प्रतिज्ञा, सुविचार, समाचार वाचन एवं वक्तव्य प्रस्तुत किए। सभा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विद्यालय की प्राचार्या महुआ सिंह ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खेलकूद और नवाचार के क्षेत्र में विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन विद्यालय के सर्वांगीण शिक्षा के उद्देश्य को साकार कर रहा है। उन्होंने विजेता विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थी भविष्य में भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर विद्यालय एवं राष्ट्र का नाम गौरवान्वित करें।

डीएवी खेलकूद प्रतियोगिता के जोनल स्तर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल ४ स्वर्ण, ३८ रजत और ३४ कांस्य पदक, यानी कुल ७६ पदक हासिल किए। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

राष्ट्र आराधना मंच द्वारा खुदीराम बोस खेल परिसर, सुदामडीह में आयोजित त्रिदिवसीय कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान अंतर्विद्यालयी भाषण प्रतियोगिता में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कक्षा १०वीं की पूजा कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय पुरस्कार के रूप में ५१०० रुपये, स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र प्राप्त किया। वहीं कक्षा ९वीं की प्रगति रानी, कक्षा १०वीं के राहुल कुमार एवं दिव्यांश राय को सांत्वना पुरस्कार के रूप में १००० रुपये एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा वर्ष २०२६ में आयोजित ऑनलाइन 'आइडिया पिचिंग प्रतियोगिता' में भी डीएवी मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी नवाचारपूर्ण सोच और उत्कृष्ट विचारों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के ३४ विद्यार्थियों ने पुरस्कार हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों की इन उपलब्धियों पर शिक्षकों एवं छात्रों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राजपूत विचार मंच की बैठक में संगठन का विस्तार

धनबाद (कासं) : राजपूत विचार मंच की बैठक में संगठन विस्तार को लेकर चर्चा हुई और नई नियुक्तियों पर निर्णय लिया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह की अनुशंसा और केन्द्रीय अध्यक्ष डी.एन. सिंह की सहमति से राजपूत विचार मंच के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष स्व. रामाशंकर सिंह के पुत्र सुशील सिंह को जिला महामंत्री, चंद्र प्रकाश सिंह उर्फ सीपी सिंह जिला सचिव एवं रितेश सिंह उपाध्यक्ष नियुक्त किये गये। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह ने कहा कि सुशील कुमार सिंह, रितेश सिंह और सीपी सिंह लंबे समय से संगठन से जुड़े हुए हैं। सक्रियता और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। हमें उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में संगठन मजबूत प्रदान होगी। केंद्रीय उपाध्यक्ष रणविजय सिंह और केंद्रीय उपाध्यक्ष उमेश सिंह, केंद्रीय महामंत्री सुधीर सिंह केंद्रीय सचिव अमित सिंह, लक्ष्मण सिंह ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को निष्ठा पूर्वक कार्य करने हेतु बधाई दी और संगठन हित में मिलकर साथ चलने का संकल्प दिलाया।

एफसीआईएल से 2002 का रेट लागू करने की मांग

सिंदरी (ससे) : एफसीआईएल प्रबंधन द्वारा आवासीय क्वार्टरों के लीज रेट को बढ़ाकर ६.५० प्रति वर्ग फीट प्रतिमाह किए जाने के विरोध में बाबू कुँवर सिंह समिति ने यूनिट इंचार्ज विजय चौधरी को ज्ञापन सौंपकर निर्णय वापस लेने की मांग की। ज्ञापन समिति के महासचिव कांति सिंह, पूर्व पार्षद सह जिला संयोजक भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ दिनेश सिंह एवं कुन्दन सिंह ने संयुक्त रूप से सौंपा। समिति ने कहा कि पहले लीज रेट ३४ पैसे प्रति वर्ग फीट था, जिसे वर्ष २००२ में बढ़ाकर २ किया गया था। अब ६.५० करना न्यायसंगत नहीं है। समिति के अनुसार सिंदरी में रोजगार के सीमित साधन हैं और अधिकांश निवासी ७५ से ८० वर्ष के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। समिति ने बोकारो सेल की तर्ज पर ३३ वर्षों के लिए २००२ की पुरानी दर पर लीज नवीनीकरण तथा धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्थलों और बाजार का किराया भी पुरानी दर पर रखने की मांग की।

समिति का कहना है कि १९५५६० में निर्मित क्वार्टरों का मूल्य अब नगण्य है और २००२ के बाद उनका समुचित रखरखाव भी नहीं हुआ है। इसलिए २००२ वाला रेंट ही लागू किया जाए। समिति ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो सिंदरी की जनता आंदोलन करने को बाध्य होगी।

केजरीवाल पर पवन खेड़ा का पलटवार बोले- पंजाब ड्रग्स तस्करी में सबसे आगे

नई दिल्ली (ससे): पंजाब के संगरूर जिले के तूर बंजारा गांव में दिहाड़ी मजदूर गुलजार सिंह की आत्महत्या पर सियासत गरमा गई है. यहां एक तरफ पंजाब की आप सरकार पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं, तो वहीं अरविंद केजरीवाल ने राहुल गांधी पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया है.

राहुल गांधी की पोस्ट के बाद आए अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पलटवार किया है. खेड़ा ने अरविंद केजरीवाल से कहा है कि आप सरकार की नाकामियों को छिपाने के लिए एक ही बार में दोष मढ़ना आसान हैं.

कांग्रेस राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने अरविंद केजरीवाल के आरोपों पर कहा, 'पंजाब में --झ सरकार की नाकामियों को छिपाने के लिए एक ही बार में सभी पर दोष मढ़ना बहुत आसान है. असलियत कुछ और ही है. पंजाब न सिर्फ ड्रग्स के इस्तेमाल की समस्या से जूझ रहा है, बल्कि --झ सरकार के दौर में ड्रग्स की तस्करी के मामलों में भी देश में सबसे आगे रहा है.'

पवन खेड़ा ने अरविंद केजरीवाल के आरोपों पर कहा, २०२३ के आंकड़ों के मुताबिक, पंजाब में ड्रग्स तस्करी के मामलों की दर देश में सबसे ज्यादा रही. प्रति लाख आबादी पर २५.३ केस हैं, जबकि ड्रग्स के इस्तेमाल के मामले प्रति लाख आबादी पर १२.४ थे.'

खेड़ा ने नसीहत देते हुए कहा, 'इसलिए, खुद को बचाने के लिए हर तरफ उंगली उठाने के बजाय, अरविंद केजरीवाल को यह बताना चाहिए कि --झ सरकार की बहुत ज्यादा प्रचारित 'वॉर ऑन ड्रग्स' मुहिम कोई ठोस नतीजा क्यों नहीं दे पाई. यह मामला कुछ-कुछ अमित शाह की 'वॉर ऑन ड्रग्स' जैसा ही लग रहा है. बड़े-बड़े ऐलान, दिखावा और असल में नतीजा कुछ भी नहीं. तो क्या --झ और इगझ के बीच कोई अंदरूनी समझौता है.'

इधर, अरविंद केजरीवाल ने राहुल गांधी के उस पोस्ट पर पलटवार किया था, जिसमें राहुल गांधी ने कांग्रेस का पोस्ट शेयर किया था, इसमें पंजाब में गुलजार सिंह को --झ सरकार के मंत्री हरपाल सिंह चीमा से नशे पर सवाल पूछने पर डराने धमकाने का आरोप लगाया है.

केजरीवाल ने राहुल गांधी के पोस्ट पर कहा था, 'राहुल जी, पंजाब सरकार नशे के विरुद्ध निर्णायक युद्ध लड़ रही है. पंजाब में नशा कौन लाया? आपकी कांग्रेस सरकार लायी. अकाली दल और बीजेपी की सरकार लायी. पहली बार पूरे देश में कोई राज्य नशे के खिलाफ इस तरह से युद्ध छेड़ रहा है. आज पंजाब सरकार कांग्रेस, अकाली दल और बीजेपी के फैलाये नशे को साफ करने की कोशिश कर रही है.

केजरीवाल ने कहा, 'मुझे बेहद दुख है कि आप जैसा नेता लाशों के ऊपर गंदी राजनीति कर रहा है. इस व्यक्ति की मौत पर राजनीति करने के लिए कल आपके विधायक भी जब उस गांव में गये तो गांव वालों ने उन्हें निकाल दिया. ये विडियो देखिए. वो इसलिए क्योंकि जो आपने लिखा है वो सरासर झूठ है. मेरा आपसे निवेदन है कि आप भी एक चक्कर इस गांव का लगाकर आ जाइए. हमारी सरकार के किसी मंत्री, किसी विधायक का इस व्यक्ति की मौत से कोई लेना देना नहीं और आप इस तरह की गंदी राजनीति मत कीजिए.'

राहुल ने कांग्रेस के पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए कहा था कि, पंजाब की --झ सरकार में एक खतरनाक पैटर्न दिख रहा है. सरकारी नाकामी पर सवाल करोगे, तो जवाब धमकी और ीिीिश से मिलेगा. अपने बेटे को नशे का शिकार बनते देखने वाले, दलित समुदाय से आने वाले गुलजार सिंह जी ने वित्त मंत्री से सिर्फ इतना पूछा कि सरकार ड्रग्स का कारोबार रोकने में इतनी बुरी तरह नाकाम क्यों है? बस इस बात पर उन्हें इतना प्रताड़ित और अपमानित किया गया, माफ़ी मांगने के लिए इतना दबाव बनाया गया कि उन्होंने जहर खा लिया. एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकते हुए, इलाज के अभाव में, आखिरकार वो ज़िंदगी की जंग हार गए. पिछले हफ्ते मैंने एक युवा मोहनजीत सिंह से भी बात की, जिन्हें मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ प्रदर्शन करने पर प्रताड़ित किया गया.'

दिल्ली में अवैध निर्माण वाली इमारतों पर चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली(ईएमएस): दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एमसीडी को दिल्ली के कई इलाकों में अवैध इमारतों पर बुलडोजर चलाने और सभी सीनियर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सभी पीजी हॉस्टलों की गहन जांच के भी निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को बिल्डिंग रिकॉर्ड की जांच कर यह पता लगाने को कहा गया है कि अवैध निर्माण कब हुआ और इसके लिए संबंधित विभाग या अधिकारियों की जिम्मेदारी क्या थी।

सत्य निकेतन में ६ सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने से ७ लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक ५ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हादसे के बाद एमसीडी ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार तक २४ संपत्तियों पर तोडफ़ोड़ की कार्रवाई और ७ अवैध ढांचों को सील किया जा चुका था।

दिल्ली पुलिस ने पीजी हादसे में बुधवार को सुधांशु नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। वह बिल्डिंग में हॉस्टल डेज नाम से पीजी चला रहा था।

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया अपने अंतिम दौर में

नई दिल्ली(ईएमएस) : करीब ५ साल से इस सरकारी बैंक को प्राइवेट के हाथों में सौंपने के लिए कोशिशें चल रही थीं। लेकिन हर बार मामला अटक जाता था। लेकिन अब खबर है कि आईडीबीआई बैंक के निजीकरण और रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया अपने अंतिम दौर में पहुंच गई है।

दरअसल, केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम मिलकर बैंक में अपनी ६०.७२ प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में हैं। खरीदारों की रेस में कनाडा की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स सबसे आगे चल रही है, जिसने लगभग ५३,००० करोड़ रुपये के वैल्यूएशन का संशोधित प्रस्ताव पेश किया है। साल २०२१ से जारी इस प्रक्रिया में नियामक देरी और बोलियों के उतार-चढ़ाव के बाद, अब सरकार सही समय पर डील के आधिकारिक ऐलान पर विचार कर रही है। आईडीबीआई बैंक में केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम की ६०.७२ प्रतिशत रणनीतिक हिस्सेदारी की बिक्री अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है।

सूत्रों के मुताबिक सरकार अब इस सौदे की औपचारिक घोषणा के सही समय पर विचार कर रही है। आईडीबीआई खरीदने के लिए कनाडा की प्रेम वात्सा के स्वामित्व वाली फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स ने सबसे बड़ी बोली लगाई है। शुरुआत में इस सौदे में कुछ अड़चनें आई थीं, क्योंकि शुरुआती बोलियां सरकार के रिजर्व प्राइस से कम थीं। इसके बाद बोलीदाताओं को अपने ऑफर संशोधित करने का मौका दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक फेयरफैक्स ने अपने प्रस्ताव में सुधार किया है, जो अब करीब ८१ रुपये प्रति शेयर के आसपास समझा जा रहा है। इस दर पर ६०.७२प्रतिशत हिस्सेदारी का कुल वैल्यूएशन लगभग ५३,००० करोड़ रुपये बैठता है।

इस रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया के तहत सरकार अपनी ३०.४८ प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है। जबकि एलआईसी अपनी ३०.२४ प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है। बता दें, आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया २०२१ में शुरू की गई थी। नियामक मंजूरी और प्रक्रियात्मक कारणों के चलते इसमें कई बार देरी हुई। हालांकि, फेयरफैक्स की ओर से मिली नई बोली और निरंतर रुचि से साफ है कि यह विनिवेश प्रक्रिया सही दिशा में आगे बढ़ रही है। फिलहाल सरकार यह मूल्यांकन कर रही है कि फेयरफैक्स का नया संशोधित प्रस्ताव बैंक के सही मूल्यांकन के अनुकूल है या नहीं। सभी पहलुओं की जांच पूरी होते ही आधिकारिक घोषणा की तारीख तय कर दी जाएगी। इस खबर की वजह से आईडीबीआई बैंक के शेयर में भी हलचल देखने को मिल रही है। बुधवार को शेयर मामूली गिरावट के साथ ८१ रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को शेयर में १० फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई थी।

जाति जनगणना पर भड़की कांग्रेस, कहा- प्रक्रिया फेल करना चाहते हैं पीएम

नई दिल्ली (ससे): कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि मौजूदा जाति जनगणना के प्रारूप में 'ड्रॉप-डाउन' सूची के बजाय 'ओपन-एंडेड' प्रश्न रखने का सरकार का फैसला ''बेहद गंभीर खामी'' है. पार्टी के अनुसार, ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि जाति जनगणना की पूरी प्रक्रिया विफल हो जाए.

'ड्रॉप-डाउन' सूची का मतलब है कि सवाल का जवाब देने वाले व्यक्ति को अपनी ओर से कुछ लिखना नहीं होता, बल्कि पहले से दिए गए विकल्पों में से एक विकल्प चुनना होता है जबकि 'ओपन-एंडेड' प्रारूप में अपना जवाब खुद लिखना पड़ता है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी ने पिछले चार दिनों में देशभर में १७ संवाददाता सम्मेलन किए हैं और सही तरीके से जाति जनगणना कराने की मांग दोहराई है.

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जातिगत जनगणना का मतलब सिर्फ जातियों की गिनती नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है. सही तरह के सवाल, सही आंकड़े, उचित हिस्सेदारी और सामाजिक न्याय.'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस की बार-बार मांग के बावजूद मोदी सरकार ने मौजूदा जाति जनगणना के प्रारूप में 'ड्रॉप-डाउन' सूची के बजाय 'ओपन-एंडेड' सवाल रखने का फैसला किया है, जो ''बेहद गंभीर खामी'' है.

रमेश ने कहा, ''ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी चाहते हैं कि जनगणना में एक ही जाति के अलग-अलग नाम, उपजातियां और वर्तनी दर्ज हो जाएं, ताकि जाति जनगणना की पूरी प्रक्रिया विफल हो जाए.''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी को संयुक्त रूप से पत्र लिखा था. पत्र में जाति जनगणना को सही तरीके से कराने की पार्टी की प्रमुख मांग भी रखी गई थी, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है. रमेश ने कहा कि दोनों वरिष्ठ नेताओं ने २० अगस्त को लिखे पत्र में जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पर गंभीर आपत्तियां जताई थीं.

उन्होंने बताया कि पत्र में मौजूदा प्रश्नावली को रद्द कर जातियों की प्रमाणित सूची के आधार पर नयी प्रश्नावली तैयार करने की मांग की गई थी. रमेश ने कहा कि तेलंगाना और बिहार में कराए गए जाति सर्वेक्षणों की तरह पहले से तैयार और प्रमाणित जाति सूची के आधार पर जातियों की गणना करना इस समस्या का व्यावहारिक समाधान है.

उन्होंने कहा कि पत्र में नयी प्रश्नावली तैयार करने से पहले राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और आम जनता के साथ व्यापक विचार-विमर्श करने की मांग भी की गई थी.

छात्र को प्रदर्शन में जाने पर 5 लाख का नोटिस

नई दिल्ली/नोएडा(ईएमएस) : छात्र प्रदर्शन से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद कार्रवाई किए जाने पर बुधवार को शीर्ष अदालत ने नोएडा के एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट को कड़ी फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामला उठने पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद किसी छात्र को प्रदर्शन में शामिल होने के आधार पर इस तरह से डराया या परेशान नहीं किया जा सकता।

मामला नोएडा कमिश्नरेट के थर्ड एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट आरके सिसोदिया की ओर से छात्र अक्षत त्रिपाठी को जारी किए गए नोटिस से जुड़ा है। ४ सितंबर को जारी नोटिस में छात्र से छह महीने तक शांति बनाए रखने के लिए ५ लाख रुपए का निजी बॉन्ड और इतनी ही राशि के दो जमानतदार पेश करने को कहा गया था। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने ६ सितंबर को नोटिस वापस ले लिया था।

हाई कोर्ट ने रद्द किया ट्रायल कोर्ट का फैसला

बेंगलुरु(ईएमएस)। :कर्नाटक हाई कोर्ट ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और उनके परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट को बेंगलुरु विकास प्राधिकरण की जमीन आवंटित किए जाने में कथित अनियमितताओं की जांच से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने आरोपों की जांच करने के लिए गठित स्पेशल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। यह मामला ८,००१ वर्ग मीटर की बेशकीमती जमीन के आवंटन से जुड़ा है।

इस मामले में शिकायतकर्ता ने पुलिस जांच की मांग की थी। उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर विशेष अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें अदालत ने खुद जांच शुरू करने का फैसला किया था। मामला बेंगलुरु विकास प्राधिकरण की ओर से सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को दी गई ८,००१ वर्ग मीटर की बेशकीमती जमीन के आवंटन से जुड़ा है। १८ अगस्त के अपने फैसले में हाई कोर्ट ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों की अदालत ने खुद जांच शुरू करके गलती की। शिकायतकर्ता विजयराघव मराठे ने पुलिस जांच की मांग करते समय भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में तय प्रक्रिया का पालन नहीं किया था।

टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग

सूरत,(ईएमएस): सूरत के सरोली इलाके में स्थित श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई है। आग बुझाने करीब २०-२२ दमकल गाड़ियां तैनात की गई। बचाव अधिकारियों के मुताबिक फायर कंट्रोल रूम को पहली इमरजेंसी कॉल रात करीब १२:५२ बजे मिली, जिसके बाद पास के तीन फायर स्टेशनों से तुरंत दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गई। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी धुएं से भरे परिसर में घुसने और प्रभावित मंजिलों तक पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए ब्रीदिंग अपैरेटस सेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। आग की तीव्रता और दायरे को देखते हुए इसे मेजर फायर घोषित किया गया, जिसके बाद आग बुझाने और बचाव अभियान में मदद के लिए सूरत के अन्य इलाकों से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलाई गई।

सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल मार्केट में मंजिलें डबल-हाइट वाली हैं, जिसका मतलब है कि चौथी और पांचवीं मंजिलें असल में अपनी सामान्य ऊंचाई से कहीं ज्यादा ऊंचाई पर स्थित हैं। नतीजतन, दमकलकर्मियों को करीब २० मीटर की ऊंचाई पर ऑपरेशन चलाना पड़ा।

बताया जा रहा है कि आग बुझाने के दौरान बिजली से जुड़े किसी भी खतरे को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर इमारत की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। आग बुझाने वाली टीमें आग पर काबू पाने और इसे मार्केट के अन्य हिस्सों या आस-पास के इलाकों में फैलने से रोकने के लिए प्रयास किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इमारत के अंदर किसी के फंसे होने की कोई खबर नहीं है।

Government of Jharkhand
Urban Development And Housing Department
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

e-Procurement Re-Tender Notice No. DMC/39/2026-27

Reference No. : DMC/39/2026-27 Date : 09.09.2026

क्रम सं0	Group No.	Ward No.	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति का अवधि
1	DMC/39/2026-27/01		Beautification of Bank More (Birsa Munda Chowk and J P Narayan Chowk) Under DMC, Dhanbad (2nd Call)	1,38,14,350.00	2 % of BOQ	10000.00	210 Days
2	DMC/39/2026-27/02		Beautificaton of Puja Talkies Chowk (Saheed Raju Mahato Chowk) Under DMC, Dhanbad (2nd Call)	93,88,650.00	2 % of BOQ	10000.00	180 Days
3	DMC/39/2026-27/03	25	Renovation of Samudayik Bhawan at Telipara Neat Teple In ward no. 25 under DMC, Dhanbad.	5,42,500.00	2 % of BOQ	5000.00	90 Days

Date of Publication of Tender on website :- From **12.09.2026 At 03.00 PM**
Online Last Date / Time for receiving of bids :- **25.09.2026 (Online) till 03:00 PM**
Date of Bid Opening :- From **26.09.2026 at 03:00 PM** (Online)
NOTE:- (i) Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://www.jharkhandtenders.gov.in.
(ii) Contractor should be registered in appropriate class as per NIT
(iii) Estimated Cost / Quantity May Vary
(iv) Municipal Commissioner, Dhanbad reserves the right to reject any or all the tender(s) received without assigning any reasons thereof.
S/d-
Executive Engineer,
PR 389391 Urban Development and Housing(26-27)#D Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

Government of Jharkhand
Urban Development And Housing Department
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

e-Procurement Re-Tender Notice No. DMC/40/2026-27

Reference No. : DMC/40/2026-27 Date : 09.09.2026

क्रम सं0	Group No.	वार्ड सं0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति का अवधि
1	DMC/40/2026-27/01	23	Construction of Drain in Kolakusma Rajni Nagar from Dasrath Kumhar house to BCCL Main Drain via Anil Chandra Mandal, Guddu ji house in ward no 23 Under DMC, Dhanbad.	3685800.00	2 % of BOQ	10000.00	90 दिन
2	DMC/40/2026-27/02	36	Construction of RCC Drain in jharia from Manbad road via usha talkies to Matri sadan dharmshala road to 4 no. tempo stand in ward no 36, Under DMC Dhanbad (2nd Call)	66,89,300.00	2 % of BOQ	10000.00	150 Days
3	DMC/40/2026-27/03	36	Construction of RCC Drain in Nayiduniya, Jharia from Nawal Singh to Jain Mandir, Bora Niwas to JP traders, Ritesh Sharma to jainmandir, backside of Deshbandhu cinema to Kanchan thaphar, Ashok singh to Hanuman Mandir and Nayiduniya Bajrangbali mandir to S bazzar mall and its connecting drains in ward no 36, Under DMC Dhanbad. (3rd Call)	44,67,100.00	2 % of BOQ	10000.00	120 Days
4	DMC/40/2026-27/04	29	Construction of RCC Drain in (a) Barmasiya near foot ball ground stendra kr.house to main drain , Sanjay Singh house to main drain, pappu yadav to rishab store, near bacha jail samudaik bhawan to main drain via dyanand Singh house (b) Mahavir nagar Gali no 7 Ajay kr.house to kram chand Gorai boundary, B.N choudhry to main drain and link gali (c) Kumhar Patti Vikram shrma and Laxma kumar to main drain in ward no 29 under DMC Dhanbad (2nd Call)	73,41,800.00	2 % of BOQ	10000.00	150 Days
5	DMC/40/2026-27/05	12	Construction of Drain in Chhatatand Road NH 18 to Hatia, 1. Ganju Prasad Gupta Shop to Suraj verma House, 2. BCCL Quator to ext. drain, Kendua Bazar Jaiswal Patti, Nikhil Chourasia House to Ext. drain, Shiv Mandir Area, Talab to Ext. drain way to mines, Munna Devi House via Vijay verma house to Ext. drain and Different Locations of Macchli Patti in ward no. 12 under DMC Dhanbad. (3rd Call)	93,27,400.00	2 % of BOQ	10000.00	180 Days
6	DMC/40/2026-27/06	30	Construction of drain in Manaitand near jharkhand office mantu rawani house to main drain via dilip rawani Rajesh rawani & Vishal bhagat house Dr.p mohan gali and gol building culvert to main drain via riyaz house and link gali in ward no 30 under DMC Dhanbad (3rd Call)	64,26,700.00	2 % of BOQ	10000.00	150 Days
7	DMC/40/2026-27/07	43	Construction of RCC Drain with Slab in Jharia from Children Park More via Poddar Pada Road to Indira Chowk and different locations in ward no 43 under DMC Dhanbad.	98,04,800.00	2 % of BOQ	10000.00	180 Days

Date of Publication of Tender on website :- From **15.09.2026 At 03.00 PM**
Online Last Date / Time for receiving of bids :- **29.09.2026 (Online) till 03:00 PM**
Date of Bid Opening :- From **30.09.2026 at 03:00 PM** (Online)
NOTE:- (i) Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://www.jharkhandtenders.gov.in.
(ii) Contractor should be registered in appropriate class as per NIT
(iii) Estimated Cost / Quantity May Vary
(iv) Municipal Commissioner, Dhanbad reserves the right to reject any or all the tender(s) received without assigning any reasons thereof.
S/d-
Executive Engineer,
PR 389394 (Urban Development and Housing) 26-27 (D) Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

Government of Jharkhand
Urban Development and Housing Department
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

e-Procurement Re-Tender Notice No. DMC/41/2026-27
NIT No.- DMC/41/2026-27 Date :- 09.09.2026

1.	Name of the work	Rejuvenation of Patrakulhi Lala Basti Jora Talab Under DMC, Dhanbad (2nd Call)
2.	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 2,99,10,000.00
3.	Tender Fee and Bid Security	Tender document fee : - INR 10,000/- (Ten Thousand Only) Non-Refundable. Bid Security: Rs **299100.00** (Rupees Two Lakh Ninety Nine Thousand One Hundred Only).
4.	Time of Completion	330 Days
5.	Date / Time of Publication of Tender on Website	15.09.2026 at 03:00 PM
6.	Start Date of Submission of Bids	15.09.2026 at 03:00 PM
7.	Last Date / Time for receipt of bids Online	05.10.2026 (On line) till 03:00 PM
8.	Date and Time of Technical Bid Opening Online.	06.10.2026 (On line) from 03:00 PM
9.	Name & address of office Inviting tender	Chief Executive Officer, Dhanbad Municipal corporation,Dhanbad.
10.	Helpline number of e-Procurement cell	8986892064
11.	e-mail id	dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

NOTE:- (i) Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://www.jharkhand tenders.gov.in.
(ii) Contractor should be registered in Class (I) First class as per NIT
(iii) Estimated Cost / Quantity May Vary
(iv) Any Change/Information can be seen on Website on http://www.jharkhandtenders.gov.in. **S/d-**
Executive Engineer,
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad
PR 389395 (Urban Development and Housing)26-27*D

कार्यालय – जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा।

आवेदन–पत्र आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा विभागीय स्वीकृत्यादेश संख्या– 25 रा0(वि0) दिनांक– 11.08.2026 के आलोक में जामताड़ा जिले के मत्स्य पालकों / मत्स्य मित्रों / जलाशय मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0 के सदस्यों / हैचरी संचालकों / मत्स्य बीज उत्पादकों को सूचित किया जाता है कि चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना (राज्य योजना) अंतर्गत सरकारी अनुदान पर जिसमें लाभुक अंशदान सन्निहित है, को निम्न योजनाओं के कार्यान्वयन की स्वीकृति प्रदान की गई है :–

क्र0	योजनाओं का नाम	लघु शीर्ष	इकाई	ईकाई लागत राशि (लाख में)	सरकार द्वारा देय अनुदान की राशि	लाभुक के अंशदान की राशि
1	2	3	4	5	6	7
1	मोती पालन	796	04 संख्या में	20,000.00	70% (अन्य) 14,000.00	30% 6,000.00
					80% ST एवं महिला 16,000.00	20% 4,000.00
2	निजी क्षेत्र में महाझींगा पालन	796	2.00 एकड़	1,60,000.00	70% (अन्य) 1,12,000.00	30% 48,000.00
					80% ST एवं महिला 1,28,000.00	20% 32,000.00
		789	1.00 एकड़		80% SC 1,28,000.00	20% 32,000.00
3	पुरस्कार / सम्मान	796	03 संख्या में	–	30,000.00	संबंधित सामग्री की शेष राशि

उपरोक्त योजनान्तर्गत इच्छुक मत्स्य पालक / केज मत्स्य पालकों से दिनांक– 26.09.2026 तक आवेदन पत्र जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा से निःशुल्क प्राप्त कर पूर्णरूपेण भरकर कार्यालय कार्य अवधि में 5:00 बजे अपराह्न तक निम्न अहर्त्ताओं के साथ जमा कर सकते हैं :–

अहर्त्ताएं :–

1. क्रमांक– 01 सभी जलक्षेत्र (निजी / बन्दोबस्ती) के तालाबों / केज / Cemented Tank में Cluster Approach के तहत मोती पालन एवं प्रत्यक्षण हेतु भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अन्तर्गत स्वीकृत इकाई दर के अनुरूप ही मो0– 20,000 / – रू0 मात्र प्रति यूनिट का दर होगा।
2. क्रमांक– 02 की योजना हेतु कृशकों के सदाबहार तालाबों में महाझींगा का पालन **''प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत''** स्वीकृत इकाई दर के विरूद्ध अनुदान राशि योजना के सामने स्तंभ–6 के अनुरूप होगी।
3. क्रमांक–3 के योजना हेतु उत्कृश्ट मत्स्य कृशकों / मत्स्य मित्रों / मत्स्य बीज उत्पादकों / केज पालकों / हैचरी संचालकों को उनके उत्कृश्ट कार्य के लिए पुरस्कार स्वरूप / सम्मानित करने हेतु मो0 30,000 / – मात्र प्रति चयनित मत्स्य कृशक पुरस्कार के रूप में विभाग द्वारा अनुमोदित 12 Paddle Wheel Aerator के क्रय अथवा मत्स्य बीज पैकेजिंग हेतु ऑक्सीजन सिलेंडर (accessories सहित) / आईसबॉक्स के साथ मोटरसाईकिल के क्रय हेतु प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान है, इसके लिए मो0 30,000 / – मात्र प्रति मत्स्य कृशक स्वीकृत है। शेश राशि लाभुक द्वारा वहन किया जाएगा।
4. क्रमांक– 01 एवं 02 की योजना के लिए प्रस्तावित तालाब का Geo Tagging Photo आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
5. आवेदक का NFDP Portal पर निबंधन संबंधी प्रमाण पत्र आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।
6. आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
7. सरकार के अनुदान के अतिरिक्त लाभुक अंशदान व्यय करने में आर्थिक रूप से सक्षमता संबंधी शपथ पत्र संलग्न होनी चाहिए।
8. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के आवेदक जाति प्रमाण–पत्र आवेदन के साथ संलग्न करना सुनिश्चित करेंगे।
9. बैंक पासबुक की छायाप्रति जिसमें खाता संख्या एवं IFSC Code अंकित हो संलग्न किया जाएगा।
10. योजना का क्रियान्वयन Block chain Technology के माध्यम से संचालित होगा।
11. क्लस्टर को प्राथमिकता / साथ ही पहले आओ पहले पाओ लागु किया जाएगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
जामताड़ा।

PR 389293 (Fish) 26-27 (D)

बिहार में बाढ़ के बीच राहत की उम्मीद

10 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचा भोजन

पटना (एजेंसी): बिहार में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच प्रमुख नदियों के जलस्राव (वाटर डिस्चार्ज) में कमी और स्थिरता आने से राहत की उम्मीद जगी है। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि राज्य की प्रमुख नदियों कोसी और सोन नदी में जलस्राव घटने की प्रवृत्ति दर्ज की गई है, जबकि गंडक नदी का जलस्राव स्थिर बना हुआ है। बाढ़ के इस संकट के बीच अभी तक राज्य में ४५० से अधिक सामुदायिक रसोई मे माध्यम से १० लाख से भी अधिक लोगों में सुबह-शाम भोजन का वितरण किया जा चुका है। आपदा प्रबंधन विभाग स्थिति की लगातार निगरानी कर रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य पूरी तत्परता से चलाए जा रहे हैं।

वीरपुर बराज पर मंगलवार को शाम ६ बजे तक कोसी का जलस्राव १,६१,१३५ क्यूसेक दर्ज किया गया। इसकी प्रवृत्ति घटने की है। इसी तरह इंद्रपुरी बराज पर सोन नदी का पानी १,०५,८२७ क्यूसेक जलस्राव दर्ज किया गया और इसकी भी प्रवृत्ति स्थिर है। वाल्मीकिनगर बराज पर गंडक का जलस्राव ९२,९०० क्यूसेक दर्ज किया गया और इसकी प्रवृत्ति घटने की है। दूसरी ओर, भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर ३६.८० मीटर दर्ज किया गया, जो इसके पिछले उच्चतम बाढ़ का जलस्तर (३६.७५ मीटर, १७.०८.२०२१) से ०.०५ मीटर ऊपर है, लेकिन इसकी प्रवृत्ति स्थिर है। हालांकि गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, गंगा, पुनपुन, बागमती और घाघरा नदियां अन्य कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

राज्य के १४ जिलों पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया तथा अरवल के ८२ प्रखंडों की ४९१ ग्राम पंचायतों में लगभग ३५.८९ लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों की सहूलियत में ४५६ कम्युनिटी किचन का संचालन किया जा रहा है और अभी तक करीब १० लाख से भी अधिक लोगों को सुबह-शाम का भोजन उपलब्ध कराया जा चुका है। इसके साथ ही १४ राहत शिविरों में १२,००० से अधिक बाढ़ शरणार्थियों के लिए आवासन, भोजन एवं चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। इन राहत शिविरों में बच्चों के लिए दूध का वितरण और महिलाओं को सेनेटरी किट उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही मेडिकल कैम्प तथा बोट एम्बुलेंस के माध्यम से प्रभावितों को चिकित्सीय सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

लखनऊ मेट्रो महाविस्तार: अयोध्या, बाराबंकी से हरदोई बॉर्डर तक

लखनऊ (एजेंसी): दिल्ली एनसीआर में दिल्ली मेट्रो की तरह यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार लखनऊ मेट्रो के महा विस्तार की तैयारियों जुटी है. लखनऊ से सटे हरदोई, बाराबंकी बॉर्डर तक मेट्रो को पहुंचाने के प्लान पर काम हो रहा है. इसके लिए मेट्रो के १० नए कॉरिडोर की डीपीआर तैयार हो रही है. सरकार की योजना दिल्ली एनसीआर की तर्ज पर यूपी स्टेट कैपिटल रीजन तक के तहत ये मेट्रो नेटवर्क का विस्तार हो रहा है. उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन और यूपी का शहरी आवास विकास विभाग इसकी तैयारी में जुटा है. लखनऊ मेट्रो विस्तार के तहत १५० से १७० किलोमीटर लंबा मेट्रो ग्रिड तैयार किया जा रहा है.

लखनऊ में नॉर्थ-साउथ मेट्रो कॉरिडोर अमौसी एयरपोर्ट से मुंशीपुलिया तक ले जाया जा रहा है. मुंशीपुलिया, इंदिरा नगर से अयोध्या रोड के रास्ते कामता चौराहा, मटियारी, अनौरा कलां होते हुए बाराबंकी तक जाएगा. अनौरा कलां से बाराबंकी के बीच लगभग १४.५ किमी लंबा लखनऊ मेट्रो रूट बनाया जाएगा.

यूपी चुनाव में बीजेपी के 125 विधायकों के टिकट काटने की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब छह महीने से भी कम वक्त बचा है. इस चुनाव में १० साल से सत्तारूढ़ योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली भाजपा सरकार के सामने हैट्रिक लगाने की चुनौती है. भाजपा ने स्थानीय विधायकों के कामकाज और लोकप्रियता का सर्वे कराते हुए जनता का मूड भांपने की कोशिश की है. २०२४ के लोकसभा चुनाव से लगे झटके से सबक लेकर भाजपा ने ४०३ विधानसभा सीटों पर एक गोपनीय और बहुस्तरीय आंतरिक सर्वे कराया है. इस सर्वे रिपोर्ट ने सत्ता के गलियारों में हड़कंप मचा दिया है.

सूत्रों की मानें तो इस सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी में करीब १२५ से १२८ मौजूदा विधायकों के खिलाफ उनके ही क्षेत्रों में जबर्दस्त एंटी इनकंबेंसी है. सीधे तौर पर कहें तो करीब भाजपा में १२८ सीटों पर मौजूदा विधायकों के टिकट काटा या बदला जा सकता है. पश्चिम यूपी से लेकर पूरब तक मंत्रियों से लेकर दिग्गज विधायकों तक के नाम इस रेड लिस्ट में शामिल हैं. भाजपा यूपी को अपने संगठन के लिहाज से ६ क्षेत्रों में बांटती है. ऐसे में कहां किस क्षेत्र से कितने टिकट कट सकते हैं, ये आंकड़ा चौंकाने वाला है. यूपी विधानसभा चुनाव २०२७ को २०२९ के लोकसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल माना जा रहा है.

भाजपा यूपी में हैट्रिक लगाने को पूरी ताकत झोंक रही है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले एक-डेढ़ महीने में ही राज्य के ज्यादातर जिलों का दौरा कर विकास परियोजनाओं की झड़ी लगा दी है.२०२२ की जीत की बात करें तो १९८५ के बाद यूपी में यह पहला मौका था जब किसी मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी ने लगातार दूसरी बार पूरे बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की थी. वहीं सपा-कांग्रेस गठबंधन २०२४ के लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित है. अखिलेश यादव जहां पीडीए के सामाजिक समीकरणों पर ध्यान केंद्रित किए हैं, वहीं कांग्रेस दलित-मुस्लिम वोटों को एकजुट करके अपना जनाधार बढ़ाने में जुटी है

उत्तर प्रदेश में मोदी-योगी लहर को कायम रखते हुए भाजपा को अकेले ४१.२९% वोट मिले थे. भाजपा का पिछले चुनाव में अपना दल सोनेलाल, निषाद पार्टी जैसे दलों के साथ गठबंधन रहा है. अब एनडीए के खेमे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से राष्ट्रीय लोकदल शामिल है. एनडीए का सपा-कांग्रेस गठबंधन से मुख्य मुकाबला होना तय है. मायावती की बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी, एआईएमआईएम जैसे दल भी ताल ठोकने को तैयार हैं.

आपूति पदाधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

नौबतपुर (एजेंसी): पटना के नौबतपुर प्रखंड कार्यालय में बुधवार को निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी विनोद कुमार को ८ हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. निगरानी टीम ने शिकायत के सत्यापन के बाद यह कार्रवाई की और आरोपी पदाधिकारी को उसके कार्यालय से ही गिरफ्तार किया. निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक आदित्य राज के अनुसार, नौबतपुर प्रखंड के बारा गांव निवासी जनवितरण प्रणाली दुकानदार अवधेश शर्मा के भतीजे कृष्णकांत कुमार ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के खिलाफ निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी.

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जनवितरण प्रणाली की दुकान का प्रत्येक माह ऑडिट किया जाता है. इसी ऑडिट के नाम पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी विनोद कुमार द्वारा दुकानदार अवधेश शर्मा से ८ हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी. शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने पूरे मामले का सत्यापन कराया. सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद निगरानी टीम ने आरोपी पदाधिकारी को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया.बुधवार को निगरानी विभाग की टीम निर्धारित योजना के तहत नौबतपुर प्रखंड कार्यालय पहुंची. जैसे ही विनोद कुमार ने शिकायतकर्ता से ८ हजार रुपये रिश्वत की रकम ली, पहले से मौजूद निगरानी विभाग की टीम ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया. टीम ने उनके पास से रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली. निगरानी की अचानक हुई कार्रवाई से प्रखंड कार्यालय में हड़कंप मच गया. कुछ देर तक कार्यालय परिसर में अफरातफरी का माहौल रहा.

बक्सर जेल ब्रेक में बर्खास्त कक्षपाल की सेवा होगी बहाल

बक्सर (एजेंसी): बक्सर जेल ब्रेक मामले में बर्खास्त वार्डर की सेवा बहाल करने का आदेश पटना हाईकोर्ट ने दिया है. ३० दिसंबर २०१६ की मध्य रात्री बक्सर सेंट्रल जेल की दीवार फांदकर ५ कैदी फरार हो गए थे. इनके नाम देवधारी राय, प्रदीप सिंह, सोनू सिंह, सोनू पांडे और उपेंद्र शाह है. जिसमें देवधारी बलात्कार और हत्या के आरोप में उम्र कैद की सजा काट रहा था. कैदी प्रदीप सिंह को कोर्ट से फांसी की सजा मिली हुई थी.

घटना के वक्त वार्डर उपेंद्र दास ड्यूटी पर तैनात थे. जेल प्रशासन ने उनपर लापरवाही और कैदियों को भगाने में मदद करने का आरोप लगाते हुए तुरंत निलंबित कर दिया और १९ जनवरी २०१८ को उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया.घटना के करीब १० साल बाद इस मामले में पटना हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने उत्तर चक्र के दफा इंचार्ज व जेल वार्ड उपेंद्र दास की बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया.जस्टिस कुमार मनीष की एकल पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए बिहार सरकार और जेल प्रशासन की पूरी विभागीय जांच प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण और गैर कानूनी करार दिया. मामले पर सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि विभाग ने बिना किसी ठोस सबूत और गवाहों के सिर्फ अनुमानों और रिपोर्टों के आधार पर इतना बढ़ा निर्णय ले लिया था.कोर्ट ने अपने निर्णय में मुख्य रूप से इस खामियों को रेखांकित किया. बिहार सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, २००५ के नियम १७ का उल्लंघन करते हुए किसी भी मुख्य गवाह (जैसे जांच अधिकारी, पुलिस अधीक्षक या थाना प्रभारी) का मौखिक बयान दर्ज नहीं कराया गया. केवल कागजी रिपोर्ट पेश कर दी गई, लेकिन उनकी सच्चाई साबित करने के लिए कोई गवाही नहीं हुई. सर्वोच्च न्यायालय के मामलों को हवाला देते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल संदेह या अनुमान कभी भी कानूनी सबूत का विकल्प नहीं हो

अधिकारी और अनुशासनिक अथॉरिटी ने जेल मैनुअल की उन धाराओं ८३० और ८७० का हवाला दिया, जो वार्डर पद क कर्मचारियों पर लागू ही नहीं होता.

कानपुर में बाढ़ राहत कैंप में बांटी एक्सपायरी सिरप

कानपुर (एजेंसी): कानपुर के बर्रा स्थित मायापुरम इलाके में बाढ़ प्रभावित परिवारों को एक्सपायरी दवाएं बांटने का मामला सामने आया है। सिरप पीने के बाद बच्चों को उल्टियां होने लगी। इसके अगले दिन लोगों ने दवा लेने से इनकार कर दिया।

यूपी के कानपुर में पांडु नदी का बढ़ता जलस्तर बर्रा मायापुरम के लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। घरों में पानी और संक्रमण के खतरे के बीच बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत के तौर पर बांटी गई दवाओं में कथित तौर पर एक्सपायरी सिरप मिलने का मामला सामने आया है।

वाराणसी में स्वाइन फ्लू ने पसारा पैर 53 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव

वाराणसी (एजेंसी): देशभर के अलग-अलग शहरों में स्वाइन फ्लू का खतरा लगातार मंडरा रहा है. वाराणसी जनपद के स्वास्थ्य विभाग की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार ४०५ लोगों के जांच में ५३ लोगों के स्वाइन फ्लू पॉजिटिव होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई है. हालांकि, इनमें से अधिकांश लोग स्वस्थ हो रहे हैं. वाराणसी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की तरफ से स्वाइन फ्लू को लेकर विशेष तैयारी भी की गई है. जनपद के अलग-अलग अस्पतालों में बेड आरक्षित किए गए हैं. इस संबंध में एबीपी लाइव को वाराणसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एन.पी.सिंह की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार, वाराणसी में ४०५ मरीजों की जांच में ५३ लोगों के स्वाइन फ्लू होने की पुष्टि की गई है. हालांकि, इसमें से अधिकांश स्वस्थ हो रहे हैं. वहीं आसपास के जनपद से भी ५६ लोगों के स्वाइन फ्लू होने की पुष्टि की गई है. इसके अलावा वाराणसी स्वास्थ्य विभाग की तरफ से स्वाइन फ्लू से बचाव संबंधित हर एक विषयों को खासतौर पर ध्यान दिया गया है. इसके लिए वाराणसी जनपद के सभी जिला मंडलीय अस्पताल में १३२ बेड को रिजर्व किया गया है जिसमें से की ३२ बेड इक्मा में रिजर्व है. फिलहाल, स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों ने लोगों की चिंताएं बढ़ा दी है,

महाप्रबंधक ने विजेता तीरंदाजों को किया पुरस्कृत

चित्तरंजन (ससे): चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) के तीरंदाजी प्रशिक्षण अकादमी में १६वीं अखिल भारतीय रेलवे (महिला पुरुष) तीन दिवसीय (०७ सितंबर-०९ सितंबर) तीरंदाजी चैंपियनशिप २०२६-२७ का समापन आज ०९ सितंबर २०२६ को किया गया। ०७ से ०९ सितंबर तक जारी इस प्रतियोगिता में विभिन्न १३ विभिन्न रेल जोनों के महिला पुरुष प्रतिभावान तीरंदाजों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले तीरंदाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

आयोजित प्रतियोगिता के कुल १२ इवेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों के मध्य पुरस्कार वितरित किये गए। चिरेका खेल कूद संगठन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर मुख्य अथिति श्री मोहित चंद्रा ,महाप्रबंधक/चिरेका सह संरक्षक,चिरेका खेल कूद संगठन के कर कमलों द्वारा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर, अध्यक्ष एवं सचिव/ चिरेका खेल कूद संगठन, विभागीय प्रमुख अध्यक्षों, वरीय अधिकारियों, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ीगण, राष्ट्रीय स्तर के कोच, निर्णायक मंडली , प्रतिनिधि, और खेल प्रेमी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शीर्ष स्तर के खिलाड़ी प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। महाप्रबंधक महोदय ने अपने संबोधन में इन खिलाडियों को बधाई देते हुए इनके प्रदर्शन की सराहना की। श्री चंद्रा ने कहा कि आप सभी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए देश दुनिया में भारतवर्ष का नाम रौशन करें।

बुके की जगह बुक संस्कृति को बढ़ावा दें : राकेश कुमार

पलामू (ससे): बुके की जगह बुक संस्कृति को बढ़ावा देने,पुस्तक पढ़ने के प्रति जन समुदाय को प्रेरित करने तथा स्थानीय लेखकों की पुस्तको से जन-जन को परिचित कराने के उद्देश्य से हिन्दी साहित्य भारती की पलामू जिला इकाई की ओर से शिक्षक-सह-कवि राकेश कुमार ने मास्टर सोबरन माँझी जिला पुस्तकालय,पलामू के पुस्तकालयाध्यक्ष मंजीत सिंहा को पलामू के लेखकों की ५५ पुस्तकें सौंपी। इन पुस्तकों से पुस्तकालय में पलामू कॉर्नर स्थापित होगा और पुस्तकालय के नियमित पाठक स्थानीय लेखकों की रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।पुस्तकालय को सौंपी गयी पुस्तकों में हिन्दी के साथ-साथ उर्दू और अंग्रेजी भाषा की पुस्तकें भी सम्मिलित हैं।ज्ञात हो कि दो वर्ष पूर्व हिंदी साहित्य भारती ने महाकवि आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री की जन्मभूमि मैगरा स्थित पुस्तकालय को पलामू सहित झारखंड और बिहार के लेखकों की १०१ पुस्तकें भेंट की थीं। इस अवसर पर प्रसिद्ध काष्ठ कलाविद प्रेम भसीन,संस्था के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह,जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पाठक, महामंत्री राम प्रवेश पंडित, कोषाध्यक्ष धनञ्जय पाठक,प्रधानाध्यापक सह प्रखर वक्ता परशुराम तिवारी, उपस्थित थे।

समझौता वार्ता के बाद ग्रामीणों ने स्थगित किया सामूहिक आत्मदाह कार्यक्रम

जोड़ापोखर (ससे) : सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना प्रबंधन पर बागडिगी बस्ती की रैयती जमीन पर जबरन कटिंग करने और परियोजना से हो रहे प्रदूषण का आरोप लगाते हुए आंदोलनरत ग्रामीणों ने प्रशासन और प्रबंधन के साथ सम्मानजनक समझौता होने के बाद १० सितंबर को धनबाद डीसी कार्यालय के समक्ष प्रस्तावित सामूहिक आत्मदाह आंदोलन स्थगित कर दिया है। ग्रामीणों के आत्मदाह की घोषणा से प्रशासनिक महकमे में खलबली मची हुई थी।

आंदोलन टालने को लेकर शाम जोड़ापोखर थाना में प्रशासन और ग्रामीणों के बीच महत्वपूर्ण वार्ता हुई। जिला प्रशासन के निर्देश पर सिंदरी एसडीपीओ प्रकाश चंद्र महतो, झरिया सीओ मनोज कुमार, जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता, लोदना महाप्रबंधक एके सिन्हा, एजीएम परवेज आलम, पीओ अनिल कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बस्ती के समीप विवादित रैयती जमीन पर परियोजना प्रबंधन द्वारा जबरन खनन कार्य कराया जा रहा है। इसके अलावा हैवी ब्लास्टिंग और परियोजना से उड़ने वाले धूलकण के कारण ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीपीओ और सीओ ने लोदना क्षेत्रीय प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाई। अधिकारियों ने बस्ती के समीप विवादित जमीन पर फिलहाल खनन कार्य नहीं करने, हैवी ब्लास्टिंग पर रोक लगाकर क्षमता के अनुरूप नियंत्रित ब्लास्टिंग करने तथा परियोजना से उड़ने वाले धूलकण को नियंत्रित करने का निर्देश दिया।

अन्ना हजारे अब पहले से बेहतर, कई लोगों से भी की मुलाकात

दिल्ली,(ईएमएस): सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे की तबीयत में काफी सुधार हुआ है और उन्हें दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना है उनके करीबी सहयोगी ने मंगलवार की शाम में यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिन में अन्ना हजारे से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। अन्ना हजारे के सहयोगी ने कहा कि अन्ना काफी तरोताजा दिखे और उन्होंने कई लोगों से मुलाकात भी की। उनकी सेहत में काफी सुधार हुआ है। उनके भोजन लेने में भी सुधार हुआ है। उन्हें अगले दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। वहीं, डॉक्टर्स ने अन्ना हजारी को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है।

बता दें भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के प्रमुख चेहरा रहे अन्ना हजारे को ७ सितंबर की रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके ब्लड टेस्ट और कुछ और सैंपल टेस्ट के बाद पता चला था कि उनकी किडनी में इंफेक्शन है। दवाइयों और इलाज के बाद अब अन्ना हजारे की तबीयत काफी बेहतर है। डॉक्टर्स की निगरानी में एक दो दिन रहने और सब सही होने के बाद जल्द ही वे घर जा सकते हैं। बता दें सेना में अपनी सेवाएं देने के बाद अन्ना हजारे ने सामाजिक कार्यों में योगदान देने का फैसला किया। वे सामाजिक कार्यकर्ता बने और करोड़ों लोगों के दिलों में जगह बनाई। अन्ना हजारे को पद्म भूषण से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने पिछले कई सालों में ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने, सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए कई आंदोलनों का नेतृत्व किया है।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन के खिलाफ पुलिस का शिकंजा, 28 हिरासत में

धनबाद (कासं): वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार धनबाद जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अड्डाबाजी एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व संबंधित थाना प्रभारियों ने किया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से अड्डाबाजी करने तथा खुले में शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ सघन जांच की। इस दौरान कुल २८ लोगों को हिरासत में लिया गया।हिरासत में लिए गए सभी लोगों को संबंधित थानों में लाकर पूछताछ एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना, आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना तथा शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। एसएसपी प्रभात कुमार ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर अड्डाबाजी, शराब सेवन अथवा किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों के विरुद्ध आगे भी नियमित रूप से जांच एवं कार्रवाई जारी रहेगी।

ट्रिब्यूनल के 248 सदस्यों को बड़ी राहत, बढ़ाया गया कार्यकाल

नई दिल्ली,(ईएमएस): केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अलग-अलग ट्रिब्यूनल के २४८ सदस्य ट्रिब्यूनल रिफॉर्म एक्ट, २०२६ के तहत कार्यकाल बढ़ाने के लिए पात्र पाए गए हैं।

केंद्र के अनुसार, नए कानून के प्रावधानों के तहत पात्र सदस्यों को उनके निर्धारित पांच साल के कार्यकाल या संबंधित अधिकतम आयु सीमा पूरी होने तक पद पर बने रहने की अनुमति दी जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल हैं, ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के तीन सदस्यों के कार्यकाल से जुड़े मामले पर भी सुनवाई की। एनजीटी के दो न्यायिक और एक तकनीकी सदस्य का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम व्यवस्था के तहत तीनों सदस्यों का कार्यकाल तब तक बढ़ा दिया, जब तक उनके स्थान पर नई नियुक्तियां नहीं हो जातीं। कोर्ट ने कहा कि सदस्यों के अचानक हटने से एनजीटी के रोजमर्रा के कामकाज पर असर पड़ सकता है।

अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट को बताया कि नए कानून की धारा २४ के तहत २४८ सदस्य कार्यकाल विस्तार के लिए पात्र पाए गए हैं। इनमें २२९ सदस्यों के विस्तार संबंधी आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जबकि बाकी १९ सदस्यों के आदेश जारी किए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को पात्र सदस्यों के कार्यकाल विस्तार के औपचारिक आदेश जारी करने का निर्देश दिया। यह विस्तार पांच साल का कार्यकाल पूरा होने या लागू अधिकतम आयु सीमा पूरी होने तक प्रभावी रहेगा, इनमें जो पहले हो। मामला सुप्रीम कोर्ट के १९ मई के उस आदेश के बाद सामने आया, जिसमें ट्रिब्यूनल के उन चेयरपर्सन और सदस्यों का कार्यकाल ८ सितंबर तक बढ़ाया गया था, जिनका कार्यकाल उससे पहले खत्म होना था। इसका उद्देश्य ट्रिब्यूनल के कामकाज में किसी तरह की बाधा को रोकना था।

छात्र ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास में करें:राज्यपाल

रांची (एजेंसी): राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने छात्रों से ज्ञान एवं प्रतिभा का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास में करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि भारत आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'विकसित भारत २०४७' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में विश्वविद्यालयों और युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल आर्थिक समृद्धि का लक्ष्य नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान, तकनीक, नवाचार, शिक्षा, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना है। विश्वविद्यालयों में होने वाला शोध, विकसित होने वाले नए विचार और युवाओं की रचनात्मक क्षमता इस संकल्प को साकार करने की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से केवल अवसर तलाशने के बजाय नए अवसर सृजित करने वाला बनने का आह्वान किया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार आज राँची विश्वविद्यालय, राँची के ३९वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं भी दी।

राज्यपाल ने कहा कि कुलाधिपति के रूप में उनका निरंतर प्रयास रहा है कि राज्य के विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध, पारदर्शिता तथा विद्यार्थियों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। विश्वविद्यालयों में ऐसा अकादमिक वातावरण विकसित होना चाहिए, जहाँ विद्यार्थी विषयगत ज्ञान के साथ अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं नवाचार की क्षमता को भी विकसित कर सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राँची विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में अपनी भूमिका को और मजबूत करते हुए उच्च शिक्षा को नई दिशा देने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। राज्यपाल ने राँची विश्वविद्यालय की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि यह झारखण्ड की शैक्षणिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण संस्थान है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के साथ राज्य के सामाजिक एवं बौद्धिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि किसी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा केवल इस बात से निर्धारित नहीं होती कि वहाँ से कितने विद्यार्थी उपाधि लेकर निकले, बल्कि इस बात से भी होती है कि वहाँ से कितने नए विचार, शोध और सकारात्मक पहल समाज तक पहुँचीं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि ज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता को जीवन में स्थान दें। आज सूचना के अनेक स्रोत और विकल्प उपलब्ध हैं, ऐसे में सही विकल्प का चयन तथा अपनी क्षमता का उचित दिशा में उपयोग अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन की परिस्थितियाँ हमेशा हमारी योजनाओं के अनुरूप नहीं होतीं। सफलता में विनम्रता और असफलता में धैर्य बनाए रखते हुए अपनी गलतियों से सीखना तथा लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहना ही आगे बढ़ने का मार्ग है। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा एवं तकनीक को अपनाते हुए अपनी संस्कृति, परंपराओं एवं मानवीय मूल्यों से जुड़े रहना आवश्यक है। आधुनिकता प्रगति की गति देती है, जबकि हमारी संस्कृति और मूल्य हमें सही दिशा प्रदान करते हैं। इन दोनों के संतुलन से ही विकास अधिक सार्थक एवं स्थायी बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को भी सदैव प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि उनकी वास्तविक पहचान उनके कार्य, चरित्र, ईमानदारी, क्षमता और समाज के प्रति जिम्मेदारी से बनेगी।

ओलचिकि लिपि में हो संताली भाषा की किताबें केंद्रीय शिक्षा मंत्री के सामने रघुवर दास ने रखी मांग

रांची (एजेंसी): झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने संताली भाषा की किताबों का प्रकाशन देवनागरी की जगह ओलचिकि लिपि में कराने की मांग की है। बुधवार को रघुवर दास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वर्ष २०२५ में पूरे देश में ओलचिकि लिपि का शताब्दी वर्ष गर्व और उत्साह के साथ मनाया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा विभिन्न पाठ्य-पुस्तकों का निर्माण और प्रकाशन किया जा रहा है। रघुवर दास ने प्रह्लाद जोशी से कहा कि संताली भाषा कि किताबों का प्रकाशन देवनागरी की जगह ओलचिकि लिपि में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शताब्दी वर्ष में ओलचिकि लिपि में अनुवादित भारत के संविधान का लोकार्पण किया था।

8वीं अनुसूची में शामिल है संताली भाषा

रघुवर दास ने बताया कि ३० जून को हूल दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर ओलचिकि लिपि में देश के नाम संदेश लिखा था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संताली भाषा को संविधान की ८वीं अनुसूची में शामिल किया था। इस भाषा की अपनी स्वतंत्र वैज्ञानिक और सर्वमान्य लिपि ओलचिकि लिपि है।

ओलचिकि में लिखे गये कई शिलापट्ट

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब झारखंड में डबल इंजन की सरकार थी, संताल बहुल रेलवे स्टेशनों का नामपट्ट ओलचिकि लिपि में लिखा गया था। संताल बहुल सभी दफ्तरों का नाम भी ओलचिकि लिपि में लिखा गया था। प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार भी संताली के ओलचिकि लिपि में दिया जा रहा है। केंद्र सरकार के सभी विभागों की वेबसाइट संताली भाषा के लिए केवल ओलचिकि में उपलब्ध है। झारखंड, बंगाल, ओड़िशा ,छत्तीसगढ़, असम समेत कई राज्यों के साथ-साथ नेपाल और बांग्लादेश में भी ओलचिकी लिपि का व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है।

पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन ओलचिकि में

पूर्व सीएम रघुवर दास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी से अपील की है कि एनसीईआरटी और शिक्षा मंत्रालय से संबंधित संस्थाओं में संताली भाषा की सभी पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ सामग्री, शिक्षक मार्गदर्शिका और डिजिटल संसाधनों का प्रकाशन-प्रसारण ओलचिकि लिपि में तैयार की जाए। रघुवर दास ने कहा कि इससे देश के करोड़ों संताली भाषी आबादी की समृद्ध भाषाई पहचान को संबल मिलेगा।

जर्जर पानी टंकी गिरने से एक मजदूर की मौत

रांची (एजेंसी): रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में जर्जर पानी टंकी के गिरने से बड़ा हादसा हो गया है। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गयी है, जबकि अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका है। मिली जानकारी के मुताबिक, पानी टंकी की मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक जर्जर टंकी का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गये। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी की मदद से मलबा हटाने का काम जारी है। राहत और बचाव दल मलबे में दबे अन्य मजदूरों को निकालने के प्रयास में जुटा है। मौके पर एसडीएम और कोतवाली थाना प्रभारी भी पहुंच गये हैं और राहत-बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं।

झारखंड में भ्रष्टाचार के दो दर्जन से अधिक मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया

रांची (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में भ्रष्टाचार से जुड़े दो दर्जन से अधिक मामलों को गंभीरता से लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका/पत्र को सर्वोच्च न्यायालय के संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित कर दिया है। साथ ही शिकायत करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता समीर कुमार सिन्हा की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस को एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट से मिले निर्देश के बाद अपर पुलिस उपायुक्त-१ नई दिल्ली, मंजीत ने तिलक मार्ग थाना प्रभारी के माध्यम से सामाजिक कार्यकर्ता समीर कुमार सिन्हा को पत्र लिख कर कहा है कि कानून के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार मृत्यु तक/अनिश्चितकालीन उपवास,

भूख हड़ताल, आत्मदाह अथवा आत्महत्या करना गैरकानूनी है। इसलिए आप एसीपी/बी.के. रोड (मोबाइल नंबर: ६८२८४०२४०७) अथवा संबंधित अधिकारी/विभाग से संपर्क कर अपनी शिकायतों का समाधान कराएं। समीर कुमार सिन्हा से पूछने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखने और दिल्ली पुलिस से पत्र प्राप्त होने की बात स्वीकारी।

क्या है पूरा मामला

झारखंड के रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता समीर कुमार सिन्हा ने १८ जुलाई २०२६ और ४ अगस्त २०२६ को सुप्रीम कोर्ट को एक पत्र लिखा है। उसमें उन्होंने विस्तार से बताया है कि प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड सरकार को भ्रष्टाचार से जुड़े २५ से अधिक मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेत्तर कार्रवाई का निर्देश दिया था। लेकिन राज्य सरकार कथित भ्रष्टाचार के मामलों में प्राथमिकी दर्ज नहीं की। कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही है। सिन्हा ने अपने पत्र में सिरमटोली स्थित डिफेंस की जमीन की खरीद-बिक्री, तत्कालीन डीसी रामनिवास यादव के आवास से कारतूस और पैसा मिलने, तत्कालीन डीजीपी अनुराग सिन्हा पर लगे फेक इनकाउंटर मामले में कार्रवाई करने जैसे विषयों को उठाया गया है। इसके अलावा जेपीएससी-जेएसएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, किसी व्यक्ति के निजी कार्यालय में बैठ कर रिटायर आईएएस अधिकारी राजीव अरुण एक्का द्वारा सरकारी फाइल का निबटारा करते पाये जाने का मुद्दा रेखांकित किया गया है।

समीर कुमार सिन्हा ने उच्च न्यायालय से जुड़े कुछ मामलों को भी अपने पत्र में उठाया है। साथ ही कहा था कि अगर भ्रष्टाचार से जुड़े इन मामलों में कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वह आत्मदाह कर लेंगे। इसी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और कोर्ट के संबंधित विभाग को अग्रेत्तर कार्रवाई का निर्देश दिया है।

19 को राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर झामुमो का एक दिवसीय धरना

रांची (एजेंसी): झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने १९ सितंबर २०२६ को राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर एक दिवसीय धरना आयोजित करने का निर्णय लिया है। पार्टी की ओर से इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया गया है। कार्यालय आदेश में कहा गया है कि विगत ६ सितंबर २०२६ को पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सह झारखंड सरकार के मंत्री के सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन के कारण ७ सितंबर को राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर आयोजित होने वाले एक दिवसीय धरना कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था।

केंद्र पर आरोप-बकाया राशि को हड़पने की साजिश की गई

अब निर्देशानुसार खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक २०२६ से झारखंड राज्य एवं राज्यवासियों को होने वाले आर्थिक नुकसान तथा केंद्र सरकार द्वारा झारखंड की बकाया राशि को भी हड़पने की साजिश के विरोध में १९ सितंबर २०२६ को राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर एक दिवसीय धरना का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पार्टी ने जिला अध्यक्ष, जिला सचिव, जिला संयोजक प्रमुख, महानगर अध्यक्ष, महानगर सचिव एवं महानगर संयोजकों को कार्यक्रम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आगे के कार्यक्रमों की सूचना अगले कार्यालय आदेश के माध्यम से जल्द दी जाएगी।

पृष्ठ एक का शेषांश

रेलवे के 7 हाई डेंसिटी---

और पेंड्रा से आगे कटनी की ओर. कुछ जगहों पर पहले से ही तीन लाइनें बनी हुई हैं, जबकि कुछ जगहों पर दोहरी लाइनें हैं. इसी वजह से बिलासपुर से कटनी तक के पूरे सेक्शन को चार-लेन वाला बनाया जा रहा है.' केंद्र सरकार की तरफ से बताया गया कि इन प्रोजेक्ट्स के जरिए ५ राज्यों पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के १४ जिलों में भारतीय रेलवे का नेटवर्क लगभग ६५६ किलोमीटर बढ़ जाएगा. सरकार ने कहा कि इससे ४,७९० गांवों के करीब ५६ लाख लोगों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 'इस प्रोजेक्ट्स से तारातारिणी मंदिर, झारसुगुड़ा का जगन्नाथ मंदिर, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, विराटेश्वर मंदिर, अमरकंटक, ज्वालेश्वर धाम, अचनकमार टाइगर रिजर्व, खुटाघाट बांध और रतनपुर महामाया मंदिर जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों की यात्रा आसान होगी.'

भारत-जापान का वीर---

से सीख रहे हैं। भारतीय वायुसेना के मुताबिक यह अभ्यास परिचालन तालमेल बढ़ाने, कौशल को और निखारने तथा दोनों देशों के बीच आपसी समझ को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि 'वीर गार्जियन २०२६' भारत-जापान के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रता और रक्षा संबंधों को नई ऊंचाई देने के साथ दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच भरोसे और सहयोग को भी और मजबूत करेगा।

कोलकाता में 919 होटल---

कैमैक स्ट्रीट स्थित एक व्यावसायिक इमारत के बेसमेंट और छठी-सातवीं मंजिल को तत्काल खाली कराने का आदेश दिया गया था। इसी इमारत में तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी का कार्यालय है। ३१ अगस्त के निरीक्षण में इन मंजिलों को आग और जीवन सुरक्षा के लिहाज से असुरक्षित पाया गया था। टीएमसी ने आदेश को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अदालत ने तत्काल सुनवाई के लिए रिट याचिका दाखिल करने की अनुमति दी है।

विदेशी कोर्ट द्वारा एकतरफा---

याचिका दाखिल की, जिसमें उसने पत्नी को वापस वैवाहिक घर लौटने और नाबालिग बेटे के साथ रहने का निर्देश देने की मांग की थी। साकेत कोर्ट ने अमेरिकी फैसले की जांच करते हुए पाया कि विदेशी अदालत की कार्यवाही एक्स-पार्टी थी, जिसका अर्थ है कि पति को अपना बचाव प्रस्तुत करने और अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि किसी विदेशी अदालत का फैसला तभी भारत में निर्णायक माना जा सकता है जब वह भारतीय कानून में तय शर्तों पर खरा उतरता हो। कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि अमेरिकी अदालत ने तलाक ऐसे आधारों पर दिया, जिन्हें भारत में तलाक के लिए मान्यता प्राप्त नहीं है और पति को सुनवाई का अवसर भी नहीं मिला। इसलिए, यह फैसला अपवादों के दायरे में आता है। अदालत ने साफ किया कि अमेरिकी कोर्ट में तलाक का फैसला भारत में निर्णायक नहीं है और भारतीय अदालतों में इसे लागू नहीं माना जाएगा। साकेत कोर्ट ने पति को राहत देते हुए उसे भारत में वैवाहिक अधिकारों की बहाली की याचिका या कानून के तहत कोई अन्य उचित याचिका जारी रखने की स्वतंत्रता दी है।

दिल्ली बिल्डिंग हादसा---

'झूठ की गूंज' बताए जाने के सवाल पर अखिलेश प्रसाद सिंह ने बीजेपी पर निशाना साधा. उन्होंने राहुल गांधी के कार्यक्रम और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष के रुख पर सवाल उठाया. साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री की पार्टी को खुद नीतीश कुमार कभी बड़का झूठा पार्टी कहते थे. कांग्रेस सांसद के इस बयान को बिहार में जारी सियासी खींचतान से जोड़कर देखा जा रहा है. बाढ़ के बीच राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं.

तिब्बत में तबाही की आहट---

आशंका गहरा गई है। इन झटकों का असर भारत के जम्मू-कश्मीर में भी महसूस किया गया, जहाँ रिक्टर स्केल पर ३.२ तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसका केंद्र जमीन से १० किलोमीटर नीचे था। हालांकि इन झटकों की तीव्रता कम थी, फिर भी स्थानीय लोगों में थोड़ी घबराहट फैल गई। तिब्बत के अलावा, नेपाल में भी ५ मैग्नीट्यूड से ऊपर का भूचाल आया, जिससे वहाँ के निवासियों की चिंता बढ़ गई है, खासकर जब वहाँ पहले से ही ग्लेशियर त्रासदी के बाद राहत कार्य चल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ३.२ से ४.५ तीव्रता के भूकंप आमतौर पर हल्के माने जाते हैं और इनसे दीवारों में दरारें आने जैसा हल्का नुकसान तो हो सकता है, लेकिन बड़े पैमाने पर तबाही की आशंका बहुत कम होती है। उल्लेखनीय है कि २६ अगस्त २०२६ की सुबह तिब्बत और नेपाल की सीमा के पास एक ग्लेशियर टूटा था।

अब तक आकार नहीं ले सकी जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा सुधार कमेटी

रांची (एजेंसी): सरकार ने झारखंड पब्लिक सर्विस कमिशन (जेपीएससी) और झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमिशन (जेएसएससी) की प्रतियोगिता परीक्षाओं में सुधार के लिए दो महीने में रिपोर्ट मांग ली। लेकिन, २१ दिनों में कमेटी की पूरी टीम नहीं बना सकी है। उल्लेखनीय है कि १८ अगस्त को सरकार ने आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल को कमेटी का अध्यक्ष तो बना दिया, लेकिन उनके साथ काम करने वाले सदस्यों के नाम अब तक तय नहीं किए गए हैं यानी कप्तान मैदान में है, लेकिन टीम गायब है। ऐसे में परीक्षा सुधार की इस पूरी कवायद पर ही सवाल खड़े होने लगे हैं।

सरकार के फैसले के मुढरसीताबिक, कमेटी को दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। लेकिन, तय समय-सीमा का एक बड़ा हिस्सा कमेटी के गठन में ही निकल गया। १८ अगस्त से अब तक काफी समय बीत चुका हैं। अगर गठन में और देरी हुई तो कमेटी के पास जेपीएससी और जेएसएससी की पूरी परीक्षा व्यवस्था का अध्ययन करने, विशेषज्ञों से राय लेने और ठोस सुधार का खाका तैयार करने के लिए कितना समय बचेगा, यह बड़ा सवाल है।

जेपीएससी और जेएसएससी की प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और कदाचार के आरोपों को लेकर छात्रों के लगातार आंदोलन और आक्रोश के बाद सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार का भरोसा दिया था। इसी क्रम में १८ अगस्त को उच्चस्तरीय परीक्षा सुधार कमेटी बनाने का फैसला हुआ। दावा था कि कमेटी परीक्षा प्रणाली की खामियों का अध्ययन करेगी और भविष्य की परीक्षाओं को पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के लिए जरूरी बदलाव सुझाएगी। फैसले में अमिताभ कौशल को अध्यक्ष बनाने के साथ अन्य अधिकारियों और किसी प्रतिष्ठित संस्थान के निदेशक को सदस्य बनाने की बात कही गई थी।

वेणुगोपाल से मिले इरफान अंसारी, झारखंड के स्वास्थ्य और संगठन से जुड़े मुद्दों पर सौंपी रिपोर्ट

रांची (एजेंसी): स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग के कामकाज, स्वास्थ्य व्यवस्था में किए जा रहे सुधार और जनहित में संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही राज्य में संगठन की गतिविधियों और विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर रिपोर्ट भी सौंपी।

मुलाकात के दौरान एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर आम लोगों में बढ़ती चिंता, परेशानी और आक्रोश का मुद्दा भी उठाया गया। डॉ. अंसारी ने इसके प्रभाव और लोगों की समस्याओं से वेणुगोपाल को अवगत कराया।

इसके अलावा एमएमडीआर से जुड़े मामलों, विभिन्न जिलों में कांग्रेस संगठन की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी गई। वेणुगोपाल ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और संगठन एवं सरकार से जुड़े मामलों पर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस दौरान कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी भी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि वेणुगोपाल का मार्गदर्शन और विश्वास हमेशा नई ऊर्जा देता है। झारखंड के हित और कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम जारी रहेगा।

सचिव के टेबल पर ही परिवहन का चक्का जाम, नहीं हो रहा समय से काम, गुस्से में मंत्री

रांची (एजेंसी): विभागीय सचिव के टेबल पर ही परिवहन का चक्का जाम हो गया है। संचिकाएं महीनों-महीनों से फंसी हुई रहती है। कनीय अधिकारी से लेकर वरीय अधिकारी तक परेशान हैं।

अब स्थिति यह है कि विभागीय मंत्री दीपक बिरुआ भी नाराज हो उठे हैं। उन्हें पीत पत्र लिख कर विभागीय सचिव राजीव रंजन को ससमय विभागीय कार्यों का निबटारा करने का निर्देश देना पड़ रहा है।

कई महत्वपूर्ण संचिकाएं विभागीय सचिव के यहां काफी दिनों से लंबित है। उस पर निर्णय नहीं हो रहा है। इससे परिवहन विभाग के सामान्य कार्य बुरी तरह

प्रभावित हो रहे हैं। परिवहन विभाग में सामान्य काम-काज इस तरह उलझ गयी है कि जूनियर अधिकारियों को कार्यपालिका नियमावली की भावनाओं से इतर जाकर पीत पत्र लिखना पड़ रहा है। नियमावली की धारा-८ के अनुसार विभागीय कार्यों के संपादन के लिए सचिव या प्रधान सचिव जिम्मेवार बनाए गए हैं। अर्थात यह देखने का काम विभागीय सचिव का है।

बावजूद कनीय अधिकारियों को भी मजबूर होकर अपने ही सचिव को पीत पत्र लिखना पड़ रहा है।

परिवहन विभाग में कार्यों को लटकाने या अटकाने की स्थिति किस स्तर पर पहुंच गयी है, इसका उदाहरण मंत्री दीपक बिरुआ का पत्र है।

विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ को मजबूर होकर अपने सचिव को इस तरह का पीत पत्र लिखना पड़ा है। पीत पत्र में बिरुआ ने स्मार्ट कार्ड (डीएल और आरसी) मुद्रण परियोजना निविदा आमंत्रण कार्य का मुद्दा उठाया है, जो अब तक लंबित है। बिरुआ ने लिखा है कि वह पूर्व में ही अपेक्षित स्वीकृति प्रदान कर चुके हैं। इसलिए संबंधित संचिका को प्राथमिकता के आधार पर सभी आवश्यक औपचारिकताएँ शीघ्र पूर्ण कराएँ ताकि इसमें अनावश्यक विलंब न हो।

साथ ही वर्त्तमान स्थिति से उन्हें यथाशीघ्र अवगत करायें। मंत्री के अलावा कई कनीय अधिकारियों ने भी पीत पत्र लिख कर विभागीय कार्यों में आ रही परेशानियों का जिक्र करते हुए अपने ही सचिव से संचिकाओं का ससमय निष्पादन का सुझाव दिया है। जानकार बताते हैं कि यह स्थिति किसी भी विभाग की कार्य संस्कृति में आयी गिरावट के लिए एलार्मिंग है।

जानिए एनिमल का सिक्स्थ सेंस!

दोस्तो, गैजेट्स और गिज्मो आज हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। तुम्हें यह जानकर हैरानी हो सकती है कि हमारी तरह पशु-पक्षी भी नेचुरल टूल्स को गैजेट की तरह इस्तेमाल करते हैं। आओ जानें, वे अपने सिक्स्थ सेंस की वजह से ऐसा कैसे कर पाते हैं...

इंसान सभी प्राणियों में सबसे इंटेलिजेंट माने जाते हैं, इसीलिए हम लगातार तरक्की की राह पर आगे बढ़ते रहे हैं। हमारी बुद्धि का नायाब नमूना टेक्नोलॉजी है। इससे हमने तमाम गैजेट्स और टूल्स ईजाद किए, जिनकी मदद से हमारी जिंदगी कहीं ज्यादा सुविधाजनक हो सकी है। पशु-पक्षी भी ऐसे टूल्स का इस्तेमाल करते होंगे, इसकी शायद तुमने कल्पना भी नहीं की होगी। तुम सोचते होगे कि क्या पशु-पक्षी भी इतने होशियार होते हैं, जो अपने लिए गैजेट बना सकें और उनका उपयोग कर सकें। इस उत्सुकता को शांत करने के लिए तुम्हें इस बार कुछ ऐसे पशु-पक्षियों की दुनिया में ले चलते हैं, जो इतने इंटेलिजेंट हैं कि अपनी बुद्धि से करते हैं तरह-तरह के नेचुरल गैजेट्स यानी प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल..

वुडपेकर की वुडन गैजेट

कठफोड़वा यानी वुडपेकर की चोंच लंबी होने के साथ-साथ काफी कठोर होती है। पर उसकी जीभ, चोंच से ज्यादा लंबी होती है। यह खाने को आसानी से ग्रहण करने में उसे काफी मदद करती है। कठफोड़वा अपने खाने को पेड़ के कोटरों में रखता है और इसे रखने और निकालने में मदद करती है, कैक्टस के कांटे से बनाई गई एक खास तरह की टूल। रिसर्चर भी वुडपिकर की इस इंटेलिजेंट खोज से हतप्रभ हैं और कोई समझ नहीं पाता कि आखिर इतने लचीले हथियार की मदद से वुडपेकर कैसे स्टोर करता है अपना भोजन!

सफेद गिद्ध का एग ब्रेकिंग फॉर्मूला

इजिप्शियन वल्चर यानी सफेद गिद्ध, गिद्धों की प्रजातियों में सबसे छोटे कद का है। इसकी चोंच और जबड़े भी अपेक्षाकृत कमजोर होते हैं। यह अंडे को भी नहीं तोड़ सकते। पर इजिप्शियन वल्चर के पास है इसका अनोखा फार्मूला। वह अंडे को तोड़ने के लिए एक छोटे पत्थर का प्रयोग करता है, जो मिनटों में अंडे को तोड़ देता है और इस तरह उसका ब्रेकफास्ट हो जाता है तैयार।

चतुर जीव पिका का अनोखा अंदाज

एशिया, यूरोप तथा पश्चिमी अमेरिका में पाए जाने वाले बड़े चूहे के आकार के 'पिका' नामक जीव को बहुत चतुर और अग्रसोची जीव माना जाता है। झबरे रोएं वाला नन्हा- सा यह जीव वास्तव में खरगोश परिवार का सदस्य है जो अपनी अग्रसोच के कारण ही सर्दियों के लिए गर्मी के मौसम में ही भोजन का प्रबंध करना शुरू कर देता है। सर्दी के मौसम में इसे चारे की कमी न हो, इसके लिए यह गर्मियों में ही घास के गट्ठे बनाने शुरू कर देता है। सर्दियों के लिए भरपेट चारे का प्रबंध करने के लिए यह गर्मियों में पहले तो घास इकट्ठी करता है, फिर उसे सुखाता है और जब घास पूरी तरह सूख जाती है, तब उसकी पूलियां बनाकर उन्हें चट्टानों के बीच छिपा देता है और फिर सर्दियों में बड़े मजे से भोजन का आनंद लेता है। दूसरे प्राणियों की तरह यह सर्दियों में शीतनिद्रा में नहीं सोता।

ग्रीन हेरोन का ब्रेड टूल

हरा बगुला यानी ग्रीन हेरोन उत्तरी अमेरिका के दलदली इलाकों में पाया जाता है। पानी में चलने वाले अन्य पक्षियों की अपेक्षा इसके पैर बहुत छोटे होते हैं। इसकी वजह से उसे अपना भोजन तलाशने में परेशानी होती है। पर हेरोन एक इंटेलिजेंट पक्षी है, इसलिए शिकार को आकर्षित करने के लिए वह कोई खाने की चीज पानी में फेंकता है। जैसे ही शिकार उसे खाने ऊपर आता है, हेरोन का शिकार बन जाता है। रिसर्चर्स का मानना है कि हेरोन ने यह तरीका धीरे-धीरे सीखा है, उसका यह हुनर जन्मजात नहीं है।

औरंगउटन की फिशिंग रॉड

इंसानों की तरह समझदार और काफी बुद्धिमान होते हैं औरंगउटन। ये तरह-तरह के टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। हर रात को ये डंडियों और पत्तों से अपने लिए एक शैया यानी बेड भी तैयार करते हैं। कंटीले फलों का सेवन करने के लिए वे पत्तों से बने दस्ताने पहनते हैं। अपना शिकार पकड़ने में भी इनका सिक्स्थ सेंस नजर आता है। इंसानों की तरह वे मछलियां पकड़ने के लिए बांस का कांटा यानी फिशिंग रॉड बनाते हैं।

समुद्री ऊदबिलाव का हथौड़ा

छोटे-छोटे पत्थरों के बीच जब उभरता है पत्थरों-सी देह वाला शेलफिश, तो उसे पल भर में लपक लेता है घात लगाए समुद्री ऊदबिलाव। हालांकि अपने फेवरेट फूड का शिकार करने में उसे परेशानी नहीं होती, लेकिन जब उसे खाने की तैयारी करता है, तो इसके लिए उसे खासी मशक्कत करनी पड़ती है। इस मुश्किल में उसकी मदद करता है-एनविल यानी वह धारधार हथौड़ा, जो कभी आदिम इंसानों का प्राथमिक हथियार हुआ करता था।

- हाथी जानबूझकर पानी में पत्थर फेंकता है, ताकि दूसरे साथी उसे पानी पीने में डिस्टर्ब न करें।

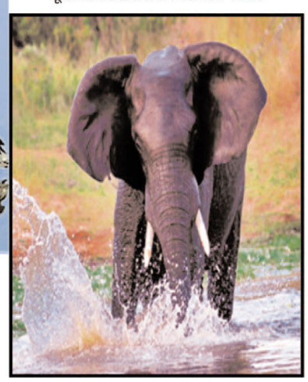

- जंगली गोरिल्ला पानी की गहराई का पता लगाकर ही नदी पार करता है।
- ऑक्टोपस कोकोनट शेल्स को कवच की तरह इस्तेमाल करता है।

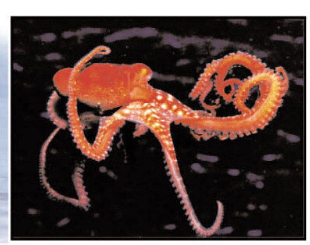

हैरत में डाल देते हैं उड़ने वाले सांप

सांप का तो नाम ही इंसान के रोंगटे खड़े कर देने वाला होता है। उस पर यदि यह पता चले कि कुछ सांप उड़ना भी जानते हैं तो अवश्य ही कभी भी कहीं भी हम स्वयं को सुरक्षित नहीं पाएंगे। पर, यहां डरने जैसा कुछ नहीं है क्योंकि उड़ने वाले सांप की कुछ ही प्रजातियां इस तरह के करतब कर सकती हैं। ये सांप दक्षिण पूर्वी एशिया के वर्षा वनों में पाए जाते हैं जो क्रिसोपेलिया जाति से संबंधित हैं। इन सांपों की मात्र पांच ही प्रजातियां ही ऐसी हैं, जो उड़ सकती हैं। उड़ने वाले सांपों की लंबाई सामान्यत: 3 से 4 फीट तक होती है। ये सांप पेड़ों पर रहते हैं और एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक लगभग 330 फीट तक की दूरी उड़कर तय कर लेते हैं।

दोस्तों, सांप के उड़ने की बात अवश्य ही आपको एक अजूबे के जैसी लगती होगी, वाकई इस आकार-प्रकार के किसी जीव के उड़ने को सहज नहीं स्वीकारा जा सकता... इन सांपों का यह कर्तव्य वैज्ञानिकों के लिए भी अभी तक एक पहेली ही बना हुआ था किन्तु हाल ही में सांप की इस जादूगरी को समझ लिया गया है। वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है कि वह कौन सी कारीगरी है, जिससे यह सांप उड़ पाता है। इन सांपों के उड़ने की कला को हाल ही में जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में स्पष्ट किया गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जो सांप उड़ना जानते हैं वे उड़ने के लिए अपने आकार को बदल पाने में माहिर होते हैं।

अध्ययन के विशेषज्ञ अमरीका स्थित वर्जीनिया टेक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जैक सोचा ने उड़ने वाले सांपों के बारे में बताया कि ये सांप एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक छलांग लगाते समय अपने सिर से पूंछ की तरफ तक अपने शरीर को चपटा कर लेता है। इस आकार में आकर यह अपनी पसलियों को सिर की दिशा में आगे की ओर व रीढ़ की दिशा में ऊपर की ओर घुमा पाता है, इस अवस्था में इसकी चौड़ाई दोगुनी हो जाती है और क्रॉस सेक्शन कर यह एक विशेष आकार पा लेता है जिसके कारण ही इसका उड़ना संभव हो पाता है। प्रोफेसर सोचा ने अपने अध्ययन में सांप के क्रॉस-सेक्शन को कम्प्यूटर पर रंगीन थ्रीडी मॉडल के जरिए एक प्लास्टिक प्रति तैयार कर भी समझाया, उन्होंने इस प्लास्टिक प्रति को जब बहते पानी के टैंक में डाला तब पानी उसके ऊपर से बहने लगा। प्रोफेसर सोचा ने बताया कि यहां सांप एक वायुगतिकी बल उत्पन्न करता है जिसकी तुलना उतरते हुए विमान के पंखों से की जा सकती है। इस तरह के आकार में सांप एक यूएफओ की तरह नज़र आता है, जो एक लहरदार नृत्य करता हुआ एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक छलांग लगा पाने या कहा जा सकता है कि उड़ पाने में सफल हो पाता है। वैज्ञानिक का मानना है कि सांपों के उड़ने की इस कार्यप्रणाली का उपयोग रोबोटों के विकास में तथा एक ऐसी मशीन तैयार करने में किया जा सकता है, जो उड़ पाने में सक्षम हो।

मंटीनेशनल कंपनियों में ऐसे करें अप्लाई

बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।

अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक

बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।

पशु-पक्षियों की बीमारियों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है वेटरनरी शाखा

12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ़्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली

बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें। आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।

आईआईटी की ऐसे करें तैयारी जरूर मिलेगी सफलता

हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए! सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नहीं होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवत: परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-कनाडा व्यापार युद्धः ट्रंप के टैरिफ का कनाडा ने दिया जवाब

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका-कनाडा के बीच ट्रेड वार अब चरम पर पहुंच चुका है। अमेरिकी

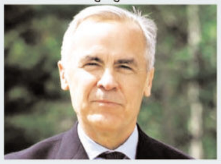

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के रिश्ते तल्ख होने के बीच कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लागू कर दिया है। कनाडाई सरकार ने कहा कि जवाबी टैरिफ 22 अगस्त से 20 अरब डॉलर के कनाडाई सामानों पर 50% टैरिफ लगाने के अमेरिका के फैसले के जवाब में उठाए गए हैं। जवाबी टैरिफ से स्टील, एल्युमीनियम, डेयरी उत्पाद (जैसे पनीर), घरेलू और कृषि उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पल्प-पेपर जैसे प्रमुख अमेरिकी उद्योग प्रभावित होंगे। पिछले माह वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच महीनों चली व्यापार वार्ता अचानक टूट गई। कनाडा ने आरोप लगाया कि अमेरिकी वार्ताकारों ने अंतिम समय में अनुचित शर्तें थोप दी थीं। ट्रंप ने कनाडा की करेंसी और अमेरिका के साथ उसके मुद्रा असंतुलन को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और ज्यादा गहरा गया है।

पहले मोनालिसा, अब रेनॉयरः फ्रांसीसी म्यूजियम से बेशकीमती पेंटिंग चोरी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के कैग्नेस-सुर-मेर शहर के मेयर ने मंगलवार को बताया कि चोरों ने

फ्रेंच रिवेरा स्थित रेनॉयर म्यूजियम में सेंध लगाकर फ्रांसीसी इंप्रेशनिस्ट मास्टर ऑगस्टे रेनॉयर की चार कीमती कलाकृतियां चुरा लीं। हालांकि, भागते समय चोर दो पेंटिंग म्यूजियम के बगीचे में ही छोड़ गए। म्यूजियम में रेनॉयर की कुल 12 कलाकृतियां थीं। चोरी हुई दो पेंटिंग हैं 'पोर्टेट ऑफ़ मैडम कोलोना रोमानो' और 'यंग वुमन एट द वेल' हैं। पुलिस फिलहाल चोरी को अंजाम देने वालों की तलाश में जुटी है। इस घटना के बीच आइए, दुनिया में हुई कला की कुछ दूसरी चर्चित और बड़ी चोरियों पर एक नजर डालते हैं। मार्च में चोर उत्तरी इटली के पार्मा शहर के पास स्थित एक निजी म्यूजियम, मैग्नानी रोक्का फ़ाउंडेशन से फ्रांसीसी कला जगत के तीन दिग्गजों की पेंटिंग चुराकर फरार हो गए। चोरी हुई तीन पेंटिंग में ऑगस्टे रेनॉयर की 'फिश', पॉल सेजान की 'स्टिल लाइफ़ विद चेरीज' और हेनरी मैटिस की 'ओडालिस्क ऑन द टेरेस' शामिल थीं। आकार में भले ही ये कलाकृतियां छोटी मानी जाती थीं, लेकिन इनकी कीमत लाखों यूरो आंकी गई थी। अगस्त में इटली की कैराबिनियरी यानी पुलिस बल की आर्ट रिकवरी स्क्वाड ने तीनों पेंटिंग बरामद कर लीं। चोरी के सिलसिले में संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा माने जा रहे पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। अक्टूबर में दिनदहाड़े हुई एक नाटकीय चोरी में पेरिस के लूव्र म्यूजियम से फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट और उनके परिवार के शाही गहनों के संग्रह से नौ चीजें चुरा ली गईं। चोरों ने उस समय लूव्र को निशाना बनाया, जब म्यूजियम आम दर्शकों के लिए खुला हुआ था। उन्होंने म्यूजियम की बाहरी दीवार तक पहुंचने के लिए बास्केट लिफ्ट का इस्तेमाल किया। इसके बाद महज कुछ मिनटों में उन्होंने डिस्प्ले केस तोड़ दिए और करीब 88 मिलियन यूरो (102 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के गहने लेकर फरार हो गए। चोरी किए गए सामान में नीलम जड़ा एक डायडेम, एक हार और एक कान की बाली शामिल थी। चोरी को अंजाम देने वाले चार लोगों के गिरोह को आखिरकार पकड़ लिया गया, लेकिन चोरी किए गए ज्यादातर गहने बरामद नहीं हो सके।

सऊदी पर हूतियों का वारः पाकिस्तान ने दी धमकी, करेंगे पलटवार; मिर्ची लगने की वजह क्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। यमन के हूतियों ने सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन दागे तो पाकिस्तान ने तुरंत अपना रुख साफ कर दिया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि सऊदी अरब पर हमला हुआ तो इसे सिर्फ सऊदी की लड़ाई नहीं माना जाएगा। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए मक्का रक्षा समझौते का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक सदस्य पर हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यानी सऊदी पर संकट आया तो पाकिस्तान पीछे हटने वाला नहीं है। हालांकि पाकिस्तान ने यह भी साफ किया कि समझौता किसी दूसरे देश पर हमला करने के लिए नहीं है।

पाकिस्तान, सऊदी और तुर्किये ने अगस्त में मक्का में रक्षा समझौता किया था। समझौते के तहत एक सदस्य पर हमला तीनों के खिलाफ हमला माना जाएगा। ख्वाजा आसिफ ने सऊदी के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने समझौते को रक्षात्मक बताया, आक्रामक सैन्य

गठबंधन नहीं।

मंगलवार को ईरान समर्थित हूतियों ने सऊदी अरब के कई इलाकों को निशाना बनाया। मिसाइलों और ड्रोन से हुए हमलों में शहरों के साथ आर्थिक और ऊर्जा ढांचे को भी निशाना बनाया गया। कम से कम 73 नागरिक घायल हुए। हमलों के बाद सऊदी अरब ने भी अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही। यानी यमन का संघर्ष अब सऊदी की जमीन और उसके अहम ठिकानों तक पहुंच गया है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर यमन का संघर्ष सऊदी अरब तक फैलाने की कोशिश की गई तो मक्का समझौते की सामूहिक रक्षा वाली धाराएं लागू हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान समझौते की शर्तों से बंधा है और जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब के साथ खड़ा होगा। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि आसिफ ने यह भी कहा कि उन्हें हूती हमलों के बाद पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच किसी संपर्क की जानकारी नहीं है। ऐसा कहना अभी जल्दबाजी होगी। आसिफ ने खुद कहा कि मक्का समझौता आक्रामक समझौता नहीं है। यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये अपनी तरफ से किसी देश पर हमला नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि तीनों देशों की संयुक्त सैन्य ताकत अपने आप में किसी हमलावर के लिए बड़ा संदेश है। आसिफ के मुताबिक हर हमले का जवाब सीधे सैन्य कार्रवाई से देना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमें ईंट का जवाब पत्थर से देने की जरूरत नहीं है।' हूतियों का कहना है कि उनके हमले सऊदी अरब के हालिया हवाई हमलों का जवाब हैं। हूतियों ने आरोप लगाया है कि सऊदी ने उत्तर-पश्चिमी यमन में उनके कब्जे वाले इलाकों पर हमले किए। सोमवार को उन्होंने अल हज्म शहर की एक जेल पर सऊदी बमबारी का आरोप लगाया था। हूतियों के मुताबिक इस हमले में कम से कम 11 लोग मारे गए। दूसरी तरफ सऊदी नेतृत्व वाला अरब गठबंधन एक दशक से ज्यादा समय से यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन कर रहा है।

बेंजामिन नेतन्याहू का 24 घंटे का यूएन दौराः ममदानी ने की थी गिरफ्तारी की मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। इस्राइल के संयुक्त राष्ट्र राजदूत डैनी डैनन ने मंगलवार को बताया कि नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। 24 सितंबर की दोपहर वह संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इस्राइल लौट जाएंगे। डैनन ने कहा कि मौजूदा हालात में प्रधानमंत्री का वहां आना जरूरी है और उनके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर ममदानी ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। बाद में उन्हें यह मांग वापस लेनी पड़ी, क्योंकि न्यूयॉर्क शहर के पास नेतन्याहू को गिरफ्तार करने का कानूनी अधिकार नहीं है। ममदानी ने नवंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय यानी आईसीसी की ओर से जारी गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया था। इस्राइल के राजदूत डैनन ने ममदानी के बयान पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्राइल को निशाना बनाकर राजनीति करना अब आसान तरीका बन गया है। डैनन ने कहा, 'हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री आएं।' अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नवंबर 2024 में नेतन्याहू और एक अन्य इस्राइली अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत ने कहा था कि नेतन्याहू पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों को लेकर कार्रवाई का आधार है। वारंट में कहा गया कि गाजा में हमास के खिलाफ अभियान के दौरान मानवीय सहायता रोककर 'भूख को युद्ध के हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

हालातः ट्रंप ने 10 घंटे तक एआई तस्वीरों की बौछार की; ईरान की तबाही और अरबों कमाने का दावा

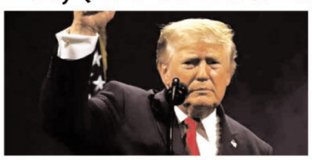

वाशिंगटन, एजेंसी। अगर तस्वीरों में किसी देश, जलडमरूमध्य, झील और यहां तक कि चांद पर भी अमेरिका का दावा किया जा सकता है तो ट्रंप की एआई दुनिया में ऐसा ही हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर करीब 10 घंटे तक दर्जनों एआई-निर्मित तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें होर्मुज जलडमरूमध्य को नया अमेरिकी क्षेत्र, चांद को हमारा और लेक ओंटारियो को लेक अमेरिका दिखाया गया। इन तस्वीरों के बीच ट्रंप ने ईरान को तबाह होता दिखाया और खुद को अमेरिका के सुपरहीरो के रूप में पेश किया। इसी दौरान उन्होंने यह दावा भी किया कि शेयरों और अन्य होल्डिंग्स से उन्होंने अमेरिका के लिए सैकड़ों अरब डॉलर कमाए हैं। इस दावे के समर्थन में हालांकि कोई विस्तृत आंकड़ा या प्रमाण नहीं दिया गया। ट्रंप ने एक एआई तस्वीर में खुद को व्हाइट हाउस में कई स्क्रीन के सामने शेयर बाजार पर नजर रखते दिखाया। तस्वीर पर संदेश था कि वह यह काम अपने लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए करते हैं और शेयरों तथा दूसरी होल्डिंग्स से देश के लिए सैकड़ों अरब डॉलर कमाए हैं। ट्रंप की यह पोस्ट ऐसे समय हुई है जब उनकी सोशल मीडिया कंपनी ट्रंप मीडिया की ट्रुथ एपीआई सेवा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जुलाई में अमेरिकी सीनेटरों ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन से इस सेवा की जांच करने का आग्रह किया था।

ट्रंप की पोस्ट का बड़ा हिस्सा ईरान पर केंद्रित रहा। एक तस्वीर में वह युद्धपोत के डेक से कई विस्फोटों को देखते नजर आए, जबकि दूसरी में अमेरिकी झंडे की थीम वाले हथौड़े से ईरान के नक्शे पर वार करते दिखे। एक अन्य तस्वीर में खार्ग द्वीप पर उड़ता लड़ाकू विमान दिखाया गया, जिस पर लिखा था 'बाय बाय, खार्ग।'ईरान की अर्थव्यवस्था को लेकर भी ट्रंप ने कई चार्ट साझा किए।

ट्रंप ने एआई तस्वीरों के जरिए अपनी राजनीतिक छवि को भी नए अंदाज में पेश किया। कुछ तस्वीरों में वह भविष्य के रोबोटों से घिरे नेता के रूप में दिखे, पीछे अमेरिकी कैपिटल था। एक में वह लाल मेक अमेरिका ग्रेट अगेन टोपी और अमेरिकी झंडे में लिपटे पहलवान जैसे नजर आए। तस्वीरों में हॉर्मुज को नया अमेरिकी क्षेत्र बताया गया। दूसरी तस्वीर में न्यू मैक्सिको को न्यू अमेरिका के रूप में दिखाया गया। चांद की तस्वीर पर लिखा था द मून इज अवर यानी चांद हमारा है। लेक ओंटारियो को भी लेक अमेरिका बताया गया। यह उस विवाद की पृष्ठभूमि में आया, जब ट्रंप ने कार्यकारी आदेश के जरिए लेक ओंटारियो का नाम लेक अमेरिका करने का निर्देश दिया था।

ट्रंप ने पुतिन को मिलाया फोनः यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई बात, यूरोप को लेकर क्या बोले रूसी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की और कहा कि वह यूक्रेन में जारी युद्ध को जल्द खत्म करना चाहते हैं।

रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन पुतिन ने ट्रंप के इस रुख का समर्थन किया। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि युद्ध समाप्त होने से अमेरिका और रूस के संबंध पूरी तरह सामान्य करने की राह खुलेगी। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन और ट्रंप के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। यह बातचीत अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की हालिया मास्को और कीव की यात्रा के बाद हुई। दोनों दूत युद्ध खत्म करने के लिए रुकी हुई बातचीत को फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं। क्रेमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा, पुतिन और ट्रंप ने अमेरिकी दूतों की कोशिशों को सकारात्मक माना। पुतिन ने ट्रंप को बताया कि युद्ध खत्म करने में अमेरिका क्या भूमिका निभा सकता है और उन्हें मौजूदा युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी भी दी। उशाकोव के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि उनके मौजूदा कार्यकाल में ही युद्ध खत्म करने की दिशा में बड़ी सफलता मिले। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने से दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों को भी बड़ा फायदा होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की यूरोप के खिलाफ कोई आक्रामक मंशा नहीं है।

सबसे ज्यादा तनख्वाह पाने वाले प्रधानमंत्री बने वोंगः मिलेगी 27 करोड़ सैलरी, अमेरिका-भारत के नेता भी छूटे पीछे

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर सरकार ने प्रधानमंत्री, उप-प्रधानमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों की सैलरी में बड़ा इजाफा करने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले से प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सालाना सैलरी 2.2 मिलियन सिंगापुर डॉलर से बढ़कर 3.6 मिलियन सिंगापुर डॉलर हो जाएगी। सरकार का तर्क है कि ऊंची सैलरी से बेहतर प्रतिभाओं को राजनीति में आकर्षित करने और प्रभावी शासन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। हालांकि, यह फैसला राजनीतिक रूप से संवेदनशील है क्योंकि नेताओं की आय आम नागरिकों की कमाई से काफी अधिक है। वोंग ने कहा है कि वह अपने कार्यकाल के दौरान सैलरी में हुई पूरी

बढ़ोतरी को अच्छे कामों के लिए दान करेंगे। इस अमीर शहर-देश ने अपने राजनीतिक नेताओं को दी जाने वाली ऊंची सैलरी का बचाव करते हुए कहा है कि इससे योग्य और प्रतिभाशाली लोगों को राजनीति में आने के लिए आकर्षित करने में मदद मिलती है और बेहतर शासन सुनिश्चित किया जा सकता है। हालांकि, यह मुद्दा राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि कैबिनेट के सदस्यों की कमाई आम नागरिकों की आय की तुलना में कई गुना अधिक है। वोंग ने बताया कि नए बदलाव के बाद उनकी सालाना सैलरी 2.2 मिलियन सिंगापुर डॉलर (1.7 मिलियन) से बढ़कर 3.6 मिलियन सिंगापुर डॉलर हो जाएगी। यानी उनकी सालाना सैलरी में करीब 1.4 मिलियन सिंगापुर डॉलर का इजाफा होगा। भारतीय मुद्रा में उनकी नई सालाना सैलरी लगभग 27 करोड़ रुपये के बराबर होगी। उप-प्रधानमंत्री की सालाना सैलरी1.87 मिलियन से बढ़कर 3.06 मिलियन हो जाएगी। वहीं, कैबिनेट मंत्रियों को उनकी वरिष्ठता और उनके पोर्टफोलियो की अहमियत के आधार पर 1.80 मिलियन से 2.88 मिलियन के बीच सालाना सैलरी मिलेगी। वोंग ने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान सैलरी में हुई इस पूरी बढ़ोतरी की रकम को 'अच्छे कामों' के लिए दान करने की योजना बना रहे हैं। सैलरी बढ़ने से पहले भी सिंगापुर के प्रधानमंत्री की सैलरी अमेरिका और त7 देशों समेत कई अन्य देशों के नेताओं की तुलना में काफी अधिक थी।

ट्रेड वॉर में ट्रंप की नई चालः कनाडा के डेयरी-शराब और बाइक अमेरिका में बैन, अब क्या पलटवार करेंगे कार्नी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर रोक लगाने जा रहा है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह कदम दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच उठाया गया है। यह रोक तीन हफ्ते में लागू होगी। इससे पहले मंगलवार को ही कनाडा ने अमेरिका से होने वाले 20 अरब डॉलर के आयात पर जवाबी टैरिफ लगा दिए थे।

कनाडाई सामानों को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखने का फैसला

मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रोडक्ट्स को अमेरिकी सरकार के बड़े और लंबे समय वाले कॉन्ट्रैक्ट्स से बाहर रखने का फैसला किया। यह कदम कनाडा के जवाबी टैरिफ लागू करने और प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने की कोशिशों को तेज करने के वादे के बाद उठाया गया है।

ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (तक्र) को निर्देश दिया है कि वह कनाडा के प्रोडक्ट्स को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए अयोग्य घोषित करे। हालांकि, यह रोक तब तक जारी रहेगी जब तक कनाडा अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए 'पूरी और निष्पक्ष बराबरी' की अनुमति नहीं देता।

इससे पहले मंगलवार को कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा की रणनीति अब ज्यादा स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी देश हमें बंधक न बना सके और हम अपनी मर्जी से जी सकें। एक कनाडाई अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि कनाडा यूरोपियन यूनियन के साथ ऐसे रिश्ते बनाने पर विचार कर रहा है, जो पूरी सदस्यता तो न हों, लेकिन उसके काफी करीब हों। इन विकल्पों में मौजूदा समझौतों का विस्तार करना, नई संधि पर बातचीत करना या सहयोग के दूसरे

रास्ते तलाशना शामिल हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि कनाडा पहले से ही प्रांतों, क्षेत्रों और लेबर ग्रुप्स से सलाह-मशविरा कर रहा है कि श्च के साथ किस तरह के गहरे संबंध बनाए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी एक मॉडल पर फैसला नहीं हुआ है।

कार्नी अगले हफ्ते फ्रांस के स्ट्रासबर्ग जाने वाले हैं। वहां वह 16 सितंबर को यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन के 'स्टेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन' भाषण में शामिल होंगे। इसके अगले दिन वह यूरोपियन पार्लियामेंट को भी संबोधित करेंगे। अमेरिका और कनाडा के बीच पैदा हुई यह दरार दुनिया के सबसे करीबी रिश्तों में से एक को पूरी तरह बदल रही है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं और उनके बीच रक्षा एवं सुरक्षा के भी बेहद करीबी संबंध हैं। इसके बावजूद ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान नॉर्थ अमेरिकन ट्रेड एग्रीमेंट पर दोबारा बातचीत की थी और बाद में उसकी कई बार तारीफ भी की, लेकिन अब उनके प्रशासन ने कनाडाई सामानों पर कई टैरिफ लगा दिए हैं। इनमें से कई टैरिफ मौजूदा समझौते की शर्तों का उल्लंघन करते हैं। कार्नी ने माना है कि व्यापार से जुड़े इन कदमों से कनाडा को अल्पावधि में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उनका कहना है कि इससे देश को निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और व्यापार में विविधता लाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह आसान बिजनेस था, लेकिन इसका मतलब यह था कि हम एक ही आर्थिक साझेदार पर बहुत ज्यादा निर्भर थे। वह समय अब बीत चुका है।

यूक्रेन को 2024 में हुआ 1.2 अरब डॉलर का नुकसान, रक्षा सौदों में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार

कीव/अल्बानी, एजेंसी। रूसी सैनिकों ने 2024 में पूर्वी यूक्रेन में खाइयों पर हमला बोला तो यूक्रेनी तोपखाने के जवानों ने गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन गोले आगे बढ़ने वाली सेना के पास फटने के बजाय, लॉन्च ट्यूब से बाहर गिर गए या हल्की-सी आवाज के साथ जमीन पर जा गिरे, जिससे धूल का गुबार उड़ने लगा। यह यूक्रेन की रक्षा कंपनियों की गद्दारी का नतीजा था। दरअसल, रक्षा कंपनियां भ्रष्टाचार में शामिल थी और उन्होंने सेना को हजारों खराब मोर्टार गोलों की आपूर्ति की थी। गोपनीय सैन्य ऑडिट रिपोर्ट सामने आने पर पता चला है कि अकेले 2024 में यूक्रेन को धोखाधड़ी और बर्बादी के कारण 1.2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। सैन्य खरीद पर स्टेट ऑडिट सर्विस व रक्षा मंत्रालय की गोपनीय ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के शीर्ष 10 सैन्य ठेकेदारों में से सात ऐसे थे जिन्होंने नए अनुबंध हासिल किए, जबकि उनके खिलाफ धोखाधड़ी के खुले आपराधिक मामले चल रहे थे। भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर कुछ कंपनियों के सीईओ या शीर्ष अधिकारियों की गिरफ्तारी के बावजूद इन कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने या इनसे दूरी बनाने के बजाय सरकारी एजेंसियां आंख मूंदकर इन्हें उपकृत करती रहीं। सरकारी स्वामित्व वाले एक यूक्रेनी कारखाने ने सेना को 233,000 दोषपूर्ण मोर्टार सौंपे। कारखाने के निदेशक लियोनिद शाइमैन को युद्ध के दौरान रक्षा उद्योग में सबसे बड़े घोटालों में से एक में गिरफ्तार किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि जब शाइमैन को लगभग 28 करोड़ डॉलर का पहला मोर्टार अनुबंध दिया गया था, तब वह पहले से ही भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर बाहर थे। जब रक्षा खरीद एजेंसी ने सैकड़ों मिलियन डॉलर के रॉकेट आर्टिलरी खरीदने के लिए बोलियां मंगाईं, तो तीन कंपनियों ने जवाब दिया। तुर्की की मूल निर्माता कंपनी आर्का डिफेंस ने सीधे कारखाने से सबसे कम बोली (4,200 डॉलर प्रति रॉकेट) लगाई।

अमेरिका ने ईरान के पांच तेल टैंकर उड़ाएः जवाब में तेहरान ने जॉर्डन पर दागीं मिसाइलें; क्या फिर बढ़ेगा तनाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। मंगलवार को तनाव फिर बढ़ गया। अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसैनिक जहाज को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी।

अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और गश्त जारी रखी। इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ। इसके जवाब में अमेरिका ने पांच टैंकरों को निशाना बनाया। किविक, चार्मिनार, होराइजन-1 और रिस्को टैंकर गल्फ ऑफ ओमान में थे। पांचवां जहाज डेर्या स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में खर्ग द्वीप के पास था। अमेरिका ने इन्हीं जहाजों को निशाना बनाया है।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, उसने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं। जॉर्डन अमेरिकी सहयोगी है और वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। दो अन्य

मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां कोई आबादी नहीं थी। जॉर्डन ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है। वहीं, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत और बहरीन के पास मौजूद तेल टैंकरों को तुरंत हटने को कहा है। इतना ही नहीं, ईरान ने दोनों देशों पर अमेरिकी सेना को ठिकाने देने और हमलों में मदद करने का आरोप लगाया। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हैंगर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।' सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसके वायु रक्षा सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया। सेना के अनुसार, बाकी दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरीं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का सबसे बड़ा आर्थिक मोर्चा स्टेट ऑफ होर्मुज बन गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता था। अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है।

यूएस ओपनः पेगुला का सामना सबालेंका से

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। ग्रैंडस्लैम में फिलहाल न्यूयॉर्क के आर्थल ऐश स्टेडियम में दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेन के कार्लोस अल्काराज का मुकाबला अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन से हुआ। क्वार्टर फाइनल के इस मैच में शेल्टन ने कड़े मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज को 6–7, 6–1, 6–3, 1–6, 7–6 (टाई ब्रेक में 10–7) से हरा दिया।

वहीं, महिला एकल में जेसिका पेगुला का सामना सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर–1 सबालेंका से होगा।

पेगुला का सेमीफाइनल में सामना सबालेंका से

यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन एमा नवारो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। दो घंटे 21 मिनट चले मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद पेगुला ने लगातार दो सेट जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। यह यूएस ओपन में उनका लगातार तीसरा सेमीफाइनल और किसी ग्रैंड स्लैम में चौथा अंतिम-चार चरण है। अब उनका सामना दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को कड़े मुकाबले में 7-6(1), 3-6, 7-6(7) से हराया।

शेल्टन का जबरदस्त खेल

पहला सेट टाई ब्रेक में अल्काराज ने जीता था। वहीं, दूसरे सेट में शेल्टन ने जबरदस्त वापसी की और 6-1 से सेट अपने नाम किया। फिर तीसरे सेट में भी शेल्टन ने 6-3 से आसानी से जीत दर्ज की। फिर चौथे सेट में अल्काराज ने जबरदस्त वापसी करते हुए 6-1 से जीत दर्ज की। पांचवां और निर्णायक सेट 6-6 की बराबरी पर पहुंचा और टाई ब्रेक में गया। टाई ब्रेक में शेल्टन ने 10-7 से जीत हासिल की। यह मुकाबला करीब साढ़े चार घंटे के आसपास चला। अब सेमीफाइनल में शेल्टन का सामना फ्रांसिस टियाफो से होगा। टियाफो ने चार घंटे 38 मिनट चले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में मिशेलसन को 5-7, 3-6, 7-5, 6-3, 7-6(10-6) से हराया था।

बेन शेल्टन का यूएस ओपन में सफर

शेल्टन ने पहले राउंड में ग्रीक्सपूअर को 1-6, 6-1, 7-6, 6-2 से हराया था। फिर दूसरे राउंड के मुकाबले में शेल्टन ने हुर्काज पर 6-3, 5-7, 7-6, 7-5 से जीत दर्ज की थी। तीसरे राउंड में शेल्टन ने शापोवलोव के खिलाफ 7-6, 6-7, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की थी राउंड ऑफ 16 में शेल्टन ने सितसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में शेल्टन ने अल्काराज को कड़े मुकाबले में 6-7, 6-1, 6-3, 1-6, 7-6 से शिकस्त दी।23 साल के शेल्टन अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है। वह 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2023 यूएस ओपन के सेमीफाइनल में हारकर बाहर हुए थे, जो उनका अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

अल्काराज का यूएस ओपन 2026 में सफर

अल्काराज ने पहले राउंड के मुकाबले में सैफुउल्लीन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया था। इसके बाद दूसरे राउंड में अल्काराज ने 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की थी। तीसरे राउंड के मुकाबले में अल्काराज ने वाईबी वू को 6-3, 6-4, 6-1 से शिकस्त दी थी। राउंड ऑफ 16 का मुकाबला अल्काराज ने टॉमी पॉल के खिलाफ 6-4, 6-3, 6-4 से अपने नाम किया था। क्वार्टर फाइनल में अल्काराज बेन शेल्टन से 7-6, 1-6, 3-6, 6-1, 6-7 से हार गए। 23 साल के अल्काराज की नजर आठवां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने पर थी, लेकिन अब उनका इंतजार बढ़ गया है। उन्होंने अब तक एक बार ऑस्ट्रेलियन ओपन (2026), दो बार फ्रेंच ओपन (2024, 2025), दो बार विंबलडन (2023, 2024) और दो बार यूएस ओपन (2022, 2025) का खिताब जीता है।

अल्काराज क्वार्टर फाइनल में हारे

- सेमीफाइनल में शेल्टन का सामना फ्रांसिस टियाफो से होगा
- पेगुला ने लगातार दो सेट जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाने के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरुआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया। टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला। 22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरुआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे। टियाफो ने कहा, 'वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम।' सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई। वह 2022 और 2024 में भी सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्ज से हारकर उनका सफर समाप्त हो गया था।

मैच के बाद टियाफो से गले मिलने के बारे में मिशेलसन ने कहा, 'उस पल में मुझे दिलासा देने के लिए वह बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं खुद को संभालने की कोशिश कर रहा था, और मैं इसमें अच्छा काम नहीं कर पाया। वह बहुत सारी अच्छी पर्सनल बातें कह रहे थे। मेरे पास शारीरिक और मानसिक रूप से आगे बढ़ने के लिए बहुत समय है। मैं फिर से यहां आऊंगा। मुझे पता है।'

बैलन डी ओर 2026

मेंस क्लब ऑफ द ईयर के लिए हुए नोमिनेशन

नई दिल्ली। पेरिस सेंट-जर्मेन, आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, नॉर्वेजियन क्लब बोडो/ग्लिम्ट समेत ब्राजीलयन क्लब फ्लेमिंगो को बैलन डी'ओर 2026 पुरस्कार में 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। 'पीएसजी' इस अवॉर्ड के मौजूदा विजेता के तौर पर रेस में शामिल है। उन्होंने एक शानदार सीजन में अपना दूसरा चैंपियंस लीग टाइटल जीता था। उनका घरेलू और इंटरनेशनल कैंपेन भी बहुत सफल रहा, जिसमें लीग 1, फ्रेंच सुपर कप, यूरोपियन सुपर कप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते। पेरिस का यह क्लब यूरोप के टॉप क्लबों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद इस सम्मान को बरकरार रखने की उम्मीद करेगा। प्रीमियर लीग टाइटल के लिए लंबे इंतजार को खत्म करने के बाद 'आर्सेनल' भी 5 नामित टीम में शामिल है। 'गनर्स' ने 22 साल बाद इंग्लिश चैंपियनशिप जीती और यूरोप में भी आगे बढ़कर एक मजबूत कैंपेन पूरा किया। जर्मनी में एक और शानदार सीजन के बाद 'बायर्न म्यूनिख' शॉर्टलिस्ट में शामिल हुआ है। इस बड़े क्लब ने बुंडेसलीगा, जर्मन कप और जर्मन सुपर कप जीते, जिससे घरेलू स्तर पर उनका दबदबा साबित हुआ। 'बोडो/ग्लिम्ट' इस लिस्ट में चौंकाने वाला नाम है।

भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग फिर बदला

नई दिल्ली। विश्व कप से पहले जर्सी का रंग बदलकर नारंगी करने को लेकर मचे बवाल के बाद अब आगामी एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें अपनी पारंपरिक नीली जर्सी में नजर आएंगी। मीडिया सूत्रों ने हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के हवाले से लिखा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे।

इसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। नारंगी रंग दूसरी पसंद है। दिलीप टिर्की ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह से इतर कहा, ''मैंने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है। अब एशियाई खेलों में नीला रंग वापस आ गया है। टीम नीली जर्सी में खेलेगी।''

हाल ही में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर नारंगी किये जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। मामले ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया था जब विपक्ष ने इस पर केंद्र सरकार को निशाना बनाया था।

विवाद तब और बढ़ गया था जब दिलीप टिर्की ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। जर्सी का रंग बदलने के पीछे तर्क दिया गया था कि नीली टर्फ पर नीले रंग की जर्सी में खेलने से दिक्कत आती है।

उस समय भी पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल किया जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम जापान रवाना

भारतीय महिला हॉकी टीम जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए रवाना हो गई। कप्तान सलीमा टेटे और कोच शोर्ड मारिन नेतृत्व में भारतीय टीम मंगलवार आठ सितंबर 2026 को बेंगलुरु से रवाना हुई। एफआईएच के लॉस एंजिल्स 2028 क्वालिफिकेशन सिस्टम के तहत, 2026 एशियन गेम्स में महिला हॉकी कॉम्पिटिशन में सबसे ऊपर रहने वाली टीम लॉस एंजिल्स 2028 के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करेगी, बशर्ते उसने पहले किसी दूसरे रास्ते से क्वालिफाई नहीं किया हो। भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य स्वर्ण पदक हासिल करना और लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करना होगा।

तिलक ने संभाली पारी, लेकिन 99 पर टूट गया दिल

चेपोक, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल में साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा शतक से महज एक रन दूर रह गए। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले के चौथे दिन साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही ईस्ट जोन को पहली पारी में 372 रन की विशाल बढ़त मिल गई है।

ईस्ट जोन के 708 रन के विशाल स्कोर के जवाब में साउथ जोन पर शुरुआत से ही दबाव था। ऐसे समय में 23 वर्षीय तिलक वर्मा ने एक छोर संभालकर शानदार बल्लेबाजी की। वह लगातार दूसरी सेंचुरी और दलीप ट्रॉफी में अपना तीसरा शतक पूरा करने की कोशिश में थे, लेकिन 99 रन पर उनका सपना टूट गया।

साउथ जोन के नौ विकेट गिरने के बाद तिलक पर पारी को संभालने के साथ-साथ स्ट्राइक अपने पास रखने की जिम्मेदारी थी। शतक पूरा करने की कोशिश में उन्होंने ऑफ स्पिनर कुनैन कुरैशी की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे गेंदबाज के हाथों में चली गई। इस तरह वह 99 रन पर आउट होकर पवेलियन लौटे।

मुकेश कुमार रहे ईस्ट जोन के स्टार गेंदबाज

साउथ जोन ने दिन की शुरुआत 242/6 के स्कोर से की थी। तिलक वर्मा और चामा मिलिंद ने शुरुआती दौर में पारी को संभाला। मिलिंद ने 43 रन की अहम पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही साउथ जोन का बल्लेबाजी क्रम बिखर गया।

साउथ जोन ने सिर्फ 18 रन के अंदर अपने चार विकेट गंवा दिए और पूरी टीम 336 रन पर ऑलआउट हो गई। ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 3/62 का शानदार स्पेल किया। मोहम्मद शमी, शिखर मोहन और कुनैन कुरैशी ने भी दो-दो विकेट अपने नाम किए।

पहली पारी में साउथ जोन 336 रनों पर सिमटी

ईस्ट जोन के पास 372 रन की बड़ी बढ़त

साउथ जोन की पारी खत्म होते ही ईस्ट जोन को पहली पारी में 372 रन की बढ़त हासिल हो गई। अब मुकाबले में सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है और ईस्ट जोन ने खिताब जीतने की दिशा में बेहद मजबूत स्थिति बना ली है।ईस्ट जोन की इस बढ़त की नींव कप्तान ईशान किशन की शानदार 270 रन की पारी ने रखी थी। किशन ने अपनी पारी में 30 चौके और 7 छक्के लगाए थे और टीम को 708 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया था।

24 मैचों में औसत 58 से ज्यादा

तिलक वर्मा ने रेड-बॉल क्रिकेट में भी अपनी दावेदारी मजबूत की है। 24 फर्स्ट क्लास मैचों के बाद उनका बल्लेबाजी औसत 58 से ज्यादा है। उन्होंने अब तक 8 शतक और 7 अर्धशतक लगाए हैं।वहीं ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन की 270 रन की पारी दलीप ट्रॉफी फाइनल के इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी है। उनसे आगे सिर्फ रामन लांबा हैं, जिन्होंने 1987 में नॉर्थ जोन के लिए फाइनल में 320 रन बनाए थे।

14 साल बाद खिताब जीतने की ओर

ईस्ट जोन ने 708 रन बनाने के बाद साउथ जोन को 336 रन पर समेट दिया है। इस तरह टीम के पास 372 रन की बढ़त है और मुकाबले में सिर्फ एक दिन बचा है। ऐसे में ईस्ट जोन के पास 14 साल बाद दलीप ट्रॉफी का खिताब जीतने का सुनहरा मौका है।दूसरी ओर साउथ जोन को अब मुकाबले में वापसी के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। तिलक वर्मा का 99 रन पर आउट होना उनकी पारी का सबसे बड़ा अफसोस रहेगा, लेकिन उनकी इस पारी ने एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उनकी बढ़ती साख को साबित किया है।

तिलक का रेड-बॉल क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन

तिलक वर्मा इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने पहली पारी में नाबाद 116 रन बनाकर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला था। उस समय साउथ जोन का स्कोर 80/5 था।इसके बाद दूसरी पारी में भी तिलक ने 181 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए 79 गेंदों में नाबाद 51 रन की पारी खेली थी।

बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंचा अब होगी भारत से भिड़ंत

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के 12वें मैच में मंगलवार को बांग्लादेश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 34 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में गुरुवार (10 सितंबर) को उसका सामना भारत से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 11 सितंबर को होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेताओं के बीच रविवार (13 सितंबर) को खेला जाएगा। ग्रुप ए में भारत पहले और पाकिस्तान दूसरे नंबर पर रहा। ग्रुप बी में श्रीलंका पहले और बांग्लादेश दूसरे नंबर पर रहा। यूएई ने टॉस जीतकर बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी का फैसला किया। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन ही बना पाई। शर्मिन अख्तर ने 31 गेंद पर 38 रनों की पारीखेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंद पर 23 रन बनाए। जुआरिया फिरदौस ने और नाहिदा अख्तर ने 16-16 रन बनाए।

यूएई 69 पर आउट

यूएई के लिए सुरक्षा कोटे ने 3 विकेट लिए। इंधुजा नंदकुमार ने 2 विकेट लिए अचार्य सुप्रिया और जननी थिरुककुमारन ने 1-1 विकेट लिए। यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। हीना होतचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए। तीर्थ सतीश ने 11 रन बनाए।

राबेया खान ने 3 विकेट लिए

मेहुल प्रणव कुलकर्णी ने नाबद 9, समायरा धरनीधरका ने 8, जननी थिरुककुमारन ने 6, रिनिथा रजिथ ने 5, इंधुजा नंदकुमार ने 3, ईशा ओजा ने 2 और सुरक्षा कोटे ने 1 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए राबेया खान ने 3, नाहिदा अख्तर और मरुफा अख्तर ने 2-2 विकेट लिए। सुल्ताना खातून और फहिमा खातून ने 1-1 विकेट लिए।

दीप्ति शर्मा छठवें स्थान पर आई, श्री चरणी शीर्ष पर कायम

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मंगलवार को जारी टी20 गेंदबाजों की सूची में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर शीर्ष क्रम पर बरकरार हैं। वहीं, अनुभवी दीप्ति शर्मा को फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में श्री चरणी पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे, इंग्लैंड की चार्ली डीन तीसरे, दक्षिण अफ्रीका की एन मल्बा चौथे और इंग्लैंड की लॉरेन बेल पांचवें स्थान पर हैं। भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को दो स्थान का फायदा हुआ है। दीप्ति अब छठे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ति मौजूदा एशिया कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं और भारतीय टीम को सेमीफाइनल में भारत की बढ़त में अहम भूमिका निभाई है। इंग्लैंड की लिंसे स्मिथ एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें है, और पाकिस्तान की नशरा संधु एक स्थान की नुकसान के साथ आठवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। इसके अलावा, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर रही कुछ अन्य गेंदबाजों को भी आईसीसी रैंकिंग में फायदा मिला है।

आयोजन समिति के आवास में ठहरेंगे क्रिकेटर

नई दिल्ली। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार (8 सितंबर) को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, 'आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।

निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किये गये हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है। खिलाड़ी वहीं ठहरेंगे क्योंकि दूसरा विकल्प उन्हें ओसाका या टोक्यो में ठहराने का था, जो काफी दूर है।'

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी कहा कि आवास से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया गया है। उषा ने कहा, 'कोई समस्या नहीं है। हमने होटल पहले ही बुक कर लिए हैं। हम हर खिलाड़ी के लिए अलग से होटल का कमरा बुक नहीं कर सकते, क्योंकि वहां खिलाड़ियों के गांव जैसी व्यवस्था नहीं है। आयोजक जहाज और छोटे विला जैसी आवास सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।'